RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 339
लखनऊ, शुक्रवार, 4 अक्टूबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

विश्व कप जीतकर लगा जैसे नया जीवन मिल गया
स्पोर्ट्स-12

www.dailypioneer.com

वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने के विरोध में केंद्र

● सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा, यह कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक मुद्दा है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार ने बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर उन याचिकाओं का विरोध किया, जिनमें भारत में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने की मांग की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया है कि शादी में, अपने जीवनसाथी से उचित यौन संबंध बनाने की निरंतर अपेक्षा की जाती है। इसने स्पष्ट किया कि ऐसी अपेक्षाएं पति को अपनी पत्नी को उसकी इच्छा के विरुद्ध यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का अधिकार नहीं देती हैं। हालांकि, केंद्र ने कहा कि बलात्कार विरोधी कानूनों के तहत इस तरह के कृत्य के लिए किसी व्यक्ति को दंडित करना अत्यधिक और असंगत हो सकता है। हलफनामे में आगे बताया गया है कि संसद ने पहले ही विवाहित महिला की सहमति को विवाह के भीतर सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न उपाय प्रदान किए हैं। अधिवक्ता ए.के. शर्मा के माध्यम से दायर जवाबी हलफनामे में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मौजूदा भारतीय बलात्कार कानून का समर्थन किया, जो पति और पत्नी के बीच यौन संबंधों के लिए अपवाद बनाता है।

केंद्र सरकार ने जोर देकर कहा कि यह मुद्दा कानूनी से ज्यादा सामाजिक है, जिसका आम तौर पर समाज पर सीधा असर पड़ता है। केंद्र ने तर्क दिया कि यदि 'वैवाहिक बलात्कार' को भी अपराध घोषित कर दिया जाए तो ऐसा करना सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। हलफनामे में कहा गया है, इस मुद्दे पर सभी हितधारकों से उचित परामर्श किए बिना या सभी राज्यों के विचारों को ध्यान में रखे बिना निर्णय नहीं लिया जा सकता... 'वैवाहिक बलात्कार' के रूप में प्रचलित कृत्य को अवैध और अपराध घोषित किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार का कहना है कि विवाह से महिला की सहमति समाप्त नहीं होती है और इसके उल्लंघन के परिणामस्वरूप दंडात्मक परिणाम होने चाहिए। हालांकि, विवाह के भीतर इस तरह के उल्लंघन के परिणाम विवाह के बाहर के उल्लंघन से भिन्न होते हैं। इसमें कहा गया है कि सहमति के उल्लंघन के लिए अलग-अलग सजा दी जानी चाहिए, यह इस बात पर निर्भर करता है कि ऐसा कृत्य विवाह के भीतर हुआ है या विवाह के बाहर। इन उपायों में विवाहित महिलाओं के साथ क्रूरता को दंडित करने वाले कानून (भारतीय दंड संहिता के तहत धारा 498ए), महिलाओं की शील के विरुद्ध कृत्यों को दंडित करने वाले कानून और घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत उपाय शामिल हैं। हलफनामे में कहा गया है, यौन पहलू पति-पत्नी के बीच संबंधों के कई पहलुओं में से एक है, जिस पर उनके विवाह की नींव टिकी होती है... हमारे सामाजिक-कानूनी परिवेश में वैवाहिक संस्था की प्रकृति को देखते हुए, यदि विधायिका का यह विचार है कि वैवाहिक संस्था के संरक्षण के लिए, विवादित अपवाद को बरकरार रखा जाना चाहिए, तो यह प्रस्तुत किया जाता है कि माननीय न्यायालय द्वारा अपवाद को रद्द करना उचित नहीं होगा।

यह जवाबी हलफनामा उन याचिकाओं के जवाब में दायर किया गया है, जिनमें वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने की मांग की गई है। केंद्र ने विवाह संस्था को एक निजी संस्था के रूप में मानने के याचिकाकर्ताओं के दृष्टिकोण की आलोचना की और इस दृष्टिकोण को एकतरफा बताया। इसमें कहा गया है कि एक विवाहित महिला और उसके अपने पति के मामले को अन्य मामलों की तरह ही नहीं माना जा सकता। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ इस समय मामले पर विचार कर रही है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 375 के अपवाद 2 के माध्यम से वैवाहिक बलात्कार को 'बलात्कार' के दायरे से बाहर रखा गया है। इसी तरह का प्रावधान हाल ही में अधिनियमित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में भी मौजूद है, जिसने इस साल 1 जुलाई को आईपीसी की जगह ली। (शेष पृष्ठ 9)

हरियाणा में प्रचार थमा, भाजपा को झटका दे कांग्रेस में गए अशोक तंवर

दीपक कुमार झा। महेंद्रगढ़ (हरियाणा)/नई दिल्ली

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में भाजपा से कांग्रेस में शामिल होने वाले अशोक तंवर के साथ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी।

हरियाणा में पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जोरदार प्रचार अभियान बृहस्पतिवार शाम को समाप्त हो गया। सत्तारूढ़ भाजपा को बड़ा झटका तब लगा जब उसके वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद अशोक तंवर, जो कुछ महीने पहले लोकसभा चुनाव में सिरसा से पार्टी के उम्मीदवार थे, बृहस्पतिवार को हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में राहुल गांधी की रैली में फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए।

मजे की बात यह है कि कांग्रेस में शामिल होने से कुछ समय पहले सिरसा के पूर्व सांसद, जिसका प्रतिनिधित्व उन्होंने कांग्रेस सदस्य के रूप में किया था, सफीदों विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार के लिए प्रचार कर रहे थे। जैसे ही राहुल ने अपना भाषण समाप्त किया, मंच से एक घोषणा की गई जिसमें दर्शकों से कुछ मिनट प्रतीक्षा करने को कहा गया और आश्चर्य की बात यह रही कि तंवर मंच पर चले गए और राहुल का अभिवादन किया। हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तंवर ने राहुल गांधी से हाथ मिलाया और पार्टी के वरिष्ठ नेता और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का अभिवादन किया।

तंवर, जिन्हें राहुल का करीबी माना जाता था और उन्होंने 2019 में पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व हुड्डा के साथ मतभेदों के बाद कांग्रेस छोड़ दी थी और इस बीच उन्होंने टीएमसी के साथ-साथ आप में भी काम किया। भाजपा के लिए प्रचार अभियान का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस 'भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता और भाई-भतीजावाद की गारंटी' के लिए खड़ी है। प्रधानमंत्री ने लोगों से भाजपा को वोट देने का आह्वान करते हुए कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि वे ऐसी सरकार चुनें जो ऐसे समय में भारत को मजबूत करे जब पूरी दुनिया देश को उम्मीद और अपेक्षाओं के साथ देख रही है। हरियाणा में अभियान के लिए अपने अंतिम भाषण में राहुल ने कहा कि उनकी पार्टी धर्म, भाषा और जाति के आधार पर भाजपा द्वारा फैलाई जा रही 'नफरत' को जीतने नहीं देगी और हरियाणा के लोगों से विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी को बाहर करने की अपील की।

हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों के लिए दो करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। चुनाव मैदान में प्रमुख पार्टियां भाजपा, कांग्रेस, आप, इनेलो-बसपा और जेजेपी-आजाद समाज पार्टी हैं। भाजपा ने जहां अपना चुनाव प्रचार 'डबल इंजन' सरकार के कार्यों और प्रदर्शन पर केंद्रित रखा, वहीं कांग्रेस पर आरक्षण, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और वंशवादी राजनीति को लेकर निशाना साधा, वहीं कांग्रेस ने सत्ता में आने पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी, जाति सर्वेक्षण और महिलाओं को 2,000 रुपये प्रति माह देने सहित सात गारंटियों की घोषणा करके लोगों को लुभाया। प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस के राहुल गांधी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा, भाजपा के योगी आदित्यनाथ और नायब सिंह सैनी, जेजेपी के दुष्यंत चौटाला और इनेलो के अभय सिंह चौटाला उन प्रमुख नेताओं में शामिल थे जिन्होंने अपनी-अपनी पार्टियों के लिए प्रचार किया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी अपनी पार्टी के लिए हरियाणा में प्रचार किया।

दिल्ली पुलिस ने एल्विश यादव और भारती को किया तलब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने 500 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़े ऐप-आधारित कथित घोटाले में यूट्यूबर एल्विश यादव और कॉमेडियन भारती सिंह और तीन अन्य को तलब किया है, एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया। पुलिस को 500 से अधिक शिकायतें मिलीं, जिनमें आरोप लगाया गया कि कई सोशल मीडिया प्रभावितों और यूट्यूबर्स ने अपने पेजों पर एआईबॉक्स मोबाइल एप्लिकेशन का प्रचार किया और लोगों को ऐप के माध्यम से निवेश करने के लिए लुभाया, अधिकारी ने बताया। पुलिस ने बताया कि घोटाले के मुख्य आरोपी शिवराम (30), जो चेन्नई का निवासी है, को गिरफ्तार कर लिया गया है। शिकायत के अनुसार, सौरव जोशी, अभिषेक मल्हान, पूरव झा, एल्विश यादव, भारती सिंह, हर्ष लिंबाचिया, लक्ष्य चौधरी, आदर्श सिंह, अमित और दिलराज सिंह रावत सहित सोशल मीडिया प्रभावितों और यूट्यूबर्स ने एप्लिकेशन का प्रचार किया और लोगों को ऐप के माध्यम से निवेश करने के लिए लुभाया। पुलिस उपायुक्त (आईएफएसओ स्पेशल सेल) हेमंत तिवारी ने कहा, यह मोबाइल एप्लिकेशन है जो एक सुनियोजित घोटाले का हिस्सा था। डीसीपी ने बताया कि इस ऐप के ज़रिए आरोपियों ने रोज़ाना एक से पांच प्रतिशत की गारंटीड रिटर्न का वादा किया था, जो महीने में 30 से 90 प्रतिशत तक होता था। ऐप को फरवरी 2024 में लॉन्च किया गया था। ऐप में 30,000 से ज़्यादा लोगों ने पैसा लगाया था। शुरुआती पांच महीनों के दौरान निवेशकों को उच्च (शेष पृष्ठ 9)

भाजपा का आरोप, ड्रग सरगना के कांग्रेस से जुड़े हैं तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में 5,640 करोड़ रुपये से अधिक की सबसे दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के सूत्रों ने बताया कि उसने कांग्रेस की आईटी सेल में पद संभालने की बात स्वीकार की है। बाद में, भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, जिसमें भाजपा ने दावा किया कि 5,600 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त करने के मामले में गिरफ्तार किया गया सरगना दिल्ली युवा कांग्रेस के आरटीआई सेल का अध्यक्ष है और पूछा कि क्या यह पैसा 5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा चुनाव के लिए लाया गया था, जबकि विपक्षी पार्टी ने इस दावे को निराधार बताया।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि सूत्रों के मुताबिक, गोयल ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि वह 2022 तक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के आरटीआई सेल का अध्यक्ष है। आरोपी की कई कांग्रेस नेताओं के साथ तस्वीरें भी सामने आई हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बुधवार को दक्षिणी दिल्ली में छापेमारी कर 500 किलोग्राम से अधिक कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद करने के बाद मुख्य आरोपी तुषार गोयल को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में 5,600 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की ड्रग्स बरामद की गई है। बाद में इस मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया। भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'दिल्ली से 5,600 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद की गई है। इस मामले में मुख्य आरोपी तुषार गोयल हैं, जो भारतीय युवा कांग्रेस के आरटीआई सेल के प्रमुख हैं।' त्रिवेदी ने कांग्रेस से स्पष्टीकरण मांगा और पूछा कि क्या पार्टी ने अपने चुनाव प्रचार में ड्रग मनी का इस्तेमाल किया और क्या गोयल के साथ उसका संबंध व्यापार तक भी है। उन्होंने पूछा कि क्या ड्रग डीलरों और कांग्रेस के बीच कोई समझौता था कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो उन्हें हरियाणा में खुली छूट दी जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसी राज्य पंजाब पहले से ही ड्रग्स की गिरफ्त में है। त्रिवेदी ने कहा कि गोयल के पास न केवल के सी वेणुगोपाल और दीपेंद्र सिंह हुड्डा जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ तस्वीरें हैं, बल्कि उनके पास पूर्व भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेटे हुड्डा का मोबाइल नंबर भी है। उन्होंने कहा कि हुड्डा परिवार को भी स्पष्टीकरण देना चाहिए। आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि आरोपी भारतीय युवा कांग्रेस का पूर्व सदस्य है और उसे दो साल पहले पार्टी ने निष्कासित कर दिया था। (शेष पृष्ठ 9)

नोएडा में पहली बार बनेगी ऑटोमेटेड पजल पार्किंग

पहले फेज में 50 वाहनों की पार्किंग, इसके बाद बाजारों में बनाएंगे, कार निकालने में लगेगा मात्र 3 मिनट

रिंकू यादव। नोएडा

नोएडा के बाजारों में सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की है। प्राधिकरण इस समस्या का हल निकालने जा रहा है। इसके लिए यहां बाजार में ऑटोमेटेड पज़ल पार्किंग बनाई जाएगी। पहले फेज में नोएडा प्राधिकरण के बाहर इसे बनाया जाएगा। ये पार्किंग पांच फ्लोर और 50 वाहनों की क्षमता की होगी। इसके बाद दो अन्य बाजारों में इसे बनाया जाएगा। वहां इसकी क्षमता करीब 100 वाहनों की रखी जााएगी। हाल ही में कंपनी ने एक प्रेजेंटेशन प्राधिकरण में दिया था, जिसे मंजूरी दे दी गई है। अब इसके लिए आरएफपी जारी की जा रही है। ये पार्किंग हाइड्रोलिक पार्किंग से अलग होती है। ऑटोमेटेड पज़ल पार्किंग एक पज़ल गेम की तरह है। जिसमें जितने पार्किंग स्लॉट होते है उतने ही स्टैंड होते है। जो ऊपर, नीचे, दांये और बांये मूव बेल होते है। इसे ऐसे समझे एक कार पार्किंग के लिए आती है। उसे ग्राउंड के स्टैंड पर खड़ा किया। उसे पांचवें फ्लोर पर कार खड़ी करनी है। ऐसे में पूरा स्टैंड सेंसर के जरिए कार समेत ऊपर उठेगा और पांचवें फ्लोर पर जाकर सेट हो जाएगा। नीचे खाली स्पेस पर दूसरा स्टैंड ऑटोमैटिक शिफ्ट हो जाएगा। इस पूरे काम में करीब 3 से 6 मिनट का समय लगता है। यानी मल्टी लेवल और हाइड्रोलिक या अन्य स्थानों पर पार्किंग करने पर गाड़ी निकालने और खड़ी करने में आपको 15 से 20 मिनट का समय लगता है। लेकिन इसमें कार महज 3 से 6 मिनट पर लग जाती है और बाहर भी आ जाती है। नोएडा में पांच फ्लोर की ऑटोमेटेड पज़ल पार्किंग बनाने पर विचार किया जा रहा है। इसके प्रत्येक फ्लोर पर पांच कार आसानी से पार्क हो सकेंगे। इस तरह की पार्किंग के निर्माण में ज्यादा स्पेस की जरूरत नहीं होती। बहुत कम स्पेस में ये पांच से छह फ्लोर तक की बन सकती है। ये पूरी पार्किंग सेंसर बेस्ड होती हे। इसलिए चोरी से लेकर टूट फूट का खतरा नहीं होता। इसके एक स्लॉट को बनाने में करीब 8 लाख का खर्चा होता है। यानी 50 स्लॉट की पार्किंग करीब 4 करोड़ में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके ऑपरेशनल में ज्यादा स्टॉफ की आवश्यकता नहीं होगी। दरअसल ये पार्किंग ऑटोमैटिड है। इसमें गाड़ियां ग्राउंड से एक फ्लोर से दूसरे फ्लोर में शिफ्ट होती है। उसी तरह नीचे आती है। ये पूरा काम मशीनों के जरिए होता है। इसलिए इसमें सेंसर लगाए गए है। यदि कोई बच्चा या जानवर गलती से पार्किंग के अंदर आ जाए तो ऑटोमैटिक जहां कार है वहीं स्थिर हो जाएगी। वो नीचे नहीं आएगी ताकि इसके नीचे कोई दब न जाए। इसकी रेंज तय की जा सकती है। जिसे पीली लाइन से इंडीकेट किया जा सकता है। प्राधिकरण ने बताया कि इस तरह की पार्किंग नोएडा के लिए ज़रुरी हो चुकी है। यहां भीड़भाड़ इलाकों में इस तरह की पार्किंग बनाने पर विचार किया जा रहा है। अभी एक कंपनी द्वारा प्रेजेंटेशन दिया गया । ये कंपनी दिल्ली में कई स्थानों पर पज़ल पार्किंग संचालित कर रही है। नोएडा में इसके लिए आरएफपी जारी की जाएगी। जिसमें कंपनी का चयन किया जाएगा।

द्वितीय ब्रह्मचारिणी

दधाना कर पद्माभ्यामक्षमाला कमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

नवरात्र में दूसरे दिन मां ब्रह्माचारिणी की पूजा की जाती है। नाम में ही उनकी शक्तियों की महिमा का वर्णन मिलता है। ब्रह्म का अर्थ होता है तपस्या और चारिणी का अर्थ होता है आचरण करने वाली। माता के इस स्वरूप की पूजा करने से तप, त्याग, संयम, सदाचार आदि की वृद्धि होती है। जीवन के कठिन से कठिन समय में भी इंसान अपने पथ से विचलित नहीं होता है।

दिल्ली के ट्रैफिक से निपटना इंसानों के बूते की बात नहीं

नई सड़कें, नए फ्लाईओवर, रूट विस्तार, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी में यातायात की स्थिति भयावह बनी हुई है। लुटियंस जोन, सरदार पटेल मार्ग, धौला कुआं, आरटीआर, मथुरा रोड, तिलक मार्ग, बहादुर शाह मार्ग पिछले तीन दशकों से यातायात के लिए अभिशाप बने हुए हैं। नवरात्र के पहले दिन से ही पायनियर ने सड़क और यातायात पर अभियान शुरू किया है।

राजेश कुमार। नई दिल्ली

नवरात्र आरंभ होने के साथ सड़कों पर बड़ी भीड़

महरौली-बदरपुर रोड से लेकर विकास मार्ग और झंडेवालान, नजफगढ़ से पीरागढ़ी तक राष्ट्रीय राजधानी में नवरात्रि के पहले दिन पीक ऑवर्स के दौरान यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, हालांकि सड़क पर अक्सर आने-जाने वाले लोगों के अनुसार यातायात जाम होना आम बात है। टूटी सड़कें, गड्ढे, वाहनों का खराब होना, यातायात का अधिक दबाव और अक्सर प्रमुख मार्गों के रखरखाव के कारण भारी जाम लग रहा है। बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी में नवरात्रि के पहले दिन झंडेवालान, कालकाजी, मां कात्यानी देवी मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर भारी यातायात के कारण भीड़भाड़ बढ़ गई। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्षों से स्थिति वैसी ही है, जबकि सड़कों का आकार और मजबूती वही है, लेकिन वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा प्रीत विहार रेड लाइट और नजफगढ़ रोड और ओल्ड पंखा रोड पर चल रहे काम के कारण दोनों कैरिजवे पर कड़कड़ी मोड़ से प्रीत विहार की ओर विकास मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई जीटीके रोड पर जहांगीरपुरी से आजादपुर फ्लाईओवर तक दोनों तरफ यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, क्योंकि आजादपुर मंडी में भारी वाहनों की आवाजाही के कारण दो-तीन घंटे तक पूरा यातायात ठप रहा।

ट्रैफिक पुलिस की सलाह के अनुसार, क्राउन प्लाजा रेड लाइट पर एक बस के खराब होने के कारण ईएसआई अस्पताल से गोविंद पुरी की ओर जाने वाले कैरिजवे में माँ आनंदमई मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ। महारानी बाग फ्लाईओवर पर पानी के टैंकर के खराब होने के कारण डीएनडी से आश्रम चौक की ओर जाने वाले कैरिजवे में रिंग रोड पर यातायात प्रभावित हुआ। पीरागढ़ी फ्लाईओवर के पास एक लोडेड ट्रक खराब हो गया, जिससे मधुबन चौक से पीरागढ़ी की ओर जाने वाले कैरिजवे में मेन आउटर रिंग रोड पर भारी जाम लग गया। गड्ढों और जलभराव के कारण नांगलोई से टिकरी बॉर्डर की ओर और इसके विपरीत रोहतक रोड पर भी यातायात प्रभावित हुआ। सिविक एजेंसी द्वारा किए जा रहे नाले के काम के कारण सतबरी से महरौली की ओर जाने वाले कैरिजवे में एसएसएन मार्ग पर ट्रैफिक जाम था। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनाएं। यातायात पुलिस की सलाह में कहा गया है, पालम फ्लाईओवर पर एक बस के खराब हो जाने के कारण द्वारका पालम रोड पर पालम फ्लाईओवर से आईओसी रेड लाइट की ओर (शेष पृष्ठ 9)

कांग्रेस व राहुल गांधी से पूछिए कहां है उनका 'खटाखट-खटाखट': योगी

प्रचार के आखिरी दिन भी हरियाणा के चुनावी रण में उतरे यूपी के मुख्यमंत्री ने लगाया आरोप-कांग्रेस का हाथ, माफिया के साथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ हरियाणा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने झूठ फैलाया था कि फिर से भाजपा सरकार बनी तो संविधान व आरक्षण समाप्त कर देगी। उन्होंने यह भी कहा था कि हर गरीब को एक लाख रुपये देंगे। कांग्रेस से पूछिए कि उनका 'खटाखट-खटाखट' कहां है। खटाखट-खटाखट कहने वाले राहुल गांधी मैदान छोड़कर सफाचट हो चुके हैं। कांग्रेस ने खटाखट के जरिए केवल झूठे वायदे किए क्योंकि इन्होंने देश को सफाचट किया था। समाज को जाति, क्षेत्र, भाषा, मत-मजहब के नाम पर बांटना कांग्रेस के डीएनए का पार्ट है, जिससे देश को कमजोर किया जा सके। देश कमजोर होगा तो सनातन कमजोर होगा। सनातन कमजोर होगा तो वर्तमान असुरक्षित और भावी पीढ़ी का भविष्य खराब होगा। कांग्रेस साजिश करने के लिए एड़ी-चोटी

लगाती है, इसलिए कोई भी ईमानदार, सभ्य, विकास व सुरक्षा का आग्रही व्यक्ति उनके साथ खड़ा नहीं होता है।

सीएम योगी प्रचार के आखिरी दिन गुरुवार को हरियाणा के चुनावी रण में उतरे। सभी को शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने यहां तीन जनसभा की। शाहबाद से भाजपा उम्मीदवार सुभाष कलसाना, कलायत से विधायक व प्रत्याशी कमलेश ढांडा और सफीदों से रामकुमार गौतम के लिए वोट मांगा। सीएम योगी ने कुरुक्षेत्र की पावन धरती की महत्ता बताते हुए इसे युद्ध क्षेत्र होने के साथ धर्म क्षेत्र भी कहा। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का हाथ ड्रग, भूमाफिया, कैटल, माइनिंग माफिया और दंगाइयों के साथ है। जगतजननी मां भगवती के उपासक समाज का माफिया व देशद्रोही तत्व बालबांका भी नहीं कर सकते।

यह चुनाव ऐसे चंड-मुंड व महिषासुर से निपटने के लिए आया है। सीएम योगी ने कहा यूपी में साढ़े सात साल में दंगा नहीं हुआ, लेकिन इसके पहले हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था। महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। हमने दंगा करने और करवाने वालों को चेताया कि ऐसा किया तो उल्टा टांगकर मिर्च का झोंका लगा देंगे। कोई बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ या व्यापारी का अपहरण नहीं कर सकता। किसान की फसल जबरन नहीं काट सकता, नौजवान की नौकरी के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता, क्योंकि ऐसा करने वालों की सात पीढ़ियों की पूरी संपत्ति लेकर गरीबों में वितरित कर दी जाती है। माफिया का उपचार केवल भाजपा है।

योगी ने कहा कि कांग्रेस शासन में 14 वर्ष पहले मिर्चपुर में दलित बेटी व पिता को एक साथ जला दिया गया था। जब तक समाज बेटी-बहनों के सम्मान की रक्षा नहीं करेगा, तब तक समाज का भविष्य उज्ज्वल नहीं हो सकता। यूपी में अब कोई भारत-समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त तत्व सिर उठाकर नहीं चल सकता। यूपी सरकार दुर्जनों से ठीक से निपटने के लिए भी जानी जाती है। योगी ने कहा कि कैथल, कलायत से लाखों श्रद्धालु कांवड़ यात्रा के लिए यूपी आते हैं। 2017 के पहले जब तक भाजपा सरकार नहीं थी, वहां कांवड़ यात्रा नहीं निकल पाती थी।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के सिविल लाइंस में पिंक बस टॉयलेट का किया लोकार्पण

- नगर निगम के बेड़े में शामिल सफाई वाहनों, सीवेज सफाई की अत्याधुनिक मशीन को भी दिखाई हरी झंडी, बैंडीकोट रोबोट का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

महिलाओं की गरिमा और सम्मान से जुड़ी बड़ी सहूलियत देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के पहले दिन सिविल लाइंस स्थित पार्क रोड पर पिंक बस टॉयलेट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के वाहनों, सीवेज सफाई की अत्याधुनिक मशीनों, बैंडीकोट रोबोट और विदेश से मंगाई गई डी-वॉटरिंग फीकल स्लज सेफ्टी मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने नवरात्र दुर्गोत्सव के उपलक्ष्य में स्वच्छ पंडाल पोस्टर को विमोचन भी किया और लोगों को जीरो वेस्ट त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया।

पिंक बस टॉयलेट का फीता काटकर लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंदर जाकर इसका अवलोकन-निरीक्षण किया और इसमें बनाई गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने पिंक बस टॉयलेट के पिछले हिस्से में बने कैफे का भी उद्घाटन किया और इस कैफे का संचालन करने वाली महिलाओं से बातचीत कर उनका उत्साह बढ़ाया। नगर निगम की तरफ से सिविल लाइंस क्षेत्र में इस पिंक बस टॉयलेट की शुरुआत होने के साथ इसकी संख्या दो हो गई है। इसके पहले एक पिंक टॉयलेट रामगढ़ताल रोड पर बुद्धा गेट के आगे पहले से ही क्रियाशील है। पिंक बस टॉयलेट को कबाड़ घोषित रोडवेज की बसों को मोडिफाइड करके बनाया गया है। इसमें इंडियन और वेस्टर्न टॉयलेट, वॉश बेसिन, आदि की सुविधा है। इसमें प्रसाधन संबंधी सुविधाओं के साथ कैफे की भी सुविधा दी गई है। पिंक बस टॉयलेट में बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए सोलर सिस्टम भी इंस्टाल किया गया है। वाहन के पिछले हिस्से में कैफे बनाया गया है। कैफे के संचालन से जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के माध्यम से महिलाओं को रोजगार से भी जोड़ा गया है। कैफे में खानपान के कई तरह सामान मिलेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सफाई वाहनों हरी झंडी दिखाए जाने के साथ ही महानगर की सफाई व्यवस्था अब और भी सुदृढ़ हो जाएगी। सीएम योगी ने आज नगर निगम के सफाई बेड़े के शामिल डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन की 12 छोटी गाड़ियों, दो बड़ी गाड़ियों को रवाना किया।

साथ ही उन्होंने करीब छह करोड़ रुपये की लागत वाली डी-वॉटरिंग फीकल स्लज सेफ्टी मशीन को भी हरी झंडी दिखाई। इसकी मदद से तंग गलियों में सेफ्टी टैंक की सफाई कर मशीन में ही डी-वॉटरिंग कर स्लज और सीवेज के जल को अलग कर देता है। उसके बाद जल को शोधित कर सीधे ही नदी या तालाब में डाला जा सकता है। मुख्यमंत्री ने करीब 50 लाख रुपये की लागत वाले बैंडीकोट रोबोट का भी लोकार्पण किया।

पर्यटन मंत्री ने हनुमंत धाम में विधिवत पूजन कर किया शारदीय नवरात्र का शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मिशन शक्ति के अंतर्गत आज प्रातः लखनऊ स्थित हनुमंत धाम में माता दुर्गा का विधिपूर्वक पूजन अर्चन कर शारदीय नवरात्रि कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मंदिर धाम कमेटी की ओर से मंत्री का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। इस कार्यक्रम में मंदिर पुजारी एवं ट्रस्टी विजय सिन्हा के अलावा संस्कृति विभाग के अपर निदेशक दिलीप गुप्ता, सहायक निदेशक तुहिन द्विवेदी तथा पर्यटन विभाग के उपनिदेशक कल्याण सिंह उपस्थित थे।

कार्यक्रम के शुभारम्भ के पश्चात पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि 3 से 12 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में मॉ दुर्गा के विभिन्न रूपों का पूजन अर्चन कर श्रद्धालुगण आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इस

अवसर पर संस्कृति विभाग उप्र की ओर से प्रदेश के 16 प्रमुख देवी मंदिर एवं शक्तिपीठों पर भजन कीर्तन का आयोजन किया जायेगा। प्रमुख देवी मंदिरों एवं शक्तिपीठों में मां पाटेश्वरी देवी मंदिर, देवीपाटन बलरामपुर, शीतला माता मंदिर मैनपुरी, मां वैष्णोदेवी मंदिर फिरोजाबाद, मां काली माता मंदिर झांसी तथा मां कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर वृन्दावन मथुरा शामिल हैं।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि इसके अलावा अलोपी देवी मंदिर शक्तिपीठ प्रयागराज, मां विन्ध्यवासिनी शक्तिपीठ मिर्जापुर, नैमिषारण्य प्रभा स्थलीय सीतापुर, गोरखपुर मंदिर गोरखपुर, शीतला चकियाधाम जौनपुर, देवबंद मां त्रिपुरबाला सुंदरी शक्तिपीठ सहारनपुर, कड़ाधाम फतेहपुर, दुर्गा मंदिर वाराणसी, बड़ीदेव काली मंदिर अयोध्या, खत्री पहाड़ विन्ध्यवासिनी मंदिर बांदा, मां चन्द्रिका देवी मंदिर लखनऊ, कालीवाड़ी मंदिर लखनऊ तथा रामगिरी शक्तिपीठ चित्रकूट में भजन कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। उपरोक्त 16 शक्तिपीठों में भजन एवं अराधना का कार्यक्रम अष्टमी एवं नवमी को कराये जाने का कार्यक्रम बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि शारदीय नवरात्रि के अवसर पर देवी मंदिरों एवं शक्तिपीठों में विधिवत् कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रदेश के समस्त जिलाधिकारियों को शासन की ओर निर्देश जारी किये गये हैं। इन शक्तिपीठों में देवी गायन के साथ दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जायेगा। साथ ही अखण्ड रामायण के अलावा अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे।

मनरेगा के श्रम बजट निर्धारण में प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन पर किया जाए फोकस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मनरेगा के तहत वर्ष 2025-26 के श्रम बजट निर्माण से कम से कम 60 प्रतिशत कार्य (लागत की दृष्टि से), कृषि एवं उससे सम्बन्धित गतिविधियों पर किये जाएं। मनरेगा में 2025-26 के श्रम बजट निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने मनरेगा से अन्य विभागों के अभिसरण के लिए समेकित कार्ययोजना तैयार किये जाने के निर्देश दिए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि श्रम बजट के अन्तर्गत लिये जाने वाले कार्यों में मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन, कृषि एवं उससे सम्बन्धित गतिविधियों, व्यक्तिगत लाभार्थियों के लिए आजीविका सर्वद्धन से सम्बन्धित कार्यों पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। ग्रामीण अवस्थापना के लिए कराए जाने वाले कार्यों में चौदहवां वित्त एवं राज्य वित्त के वित्तीय संसाधनों का मनरेगा योजना से अभिसरण करने से गुणवत्तापरक परिसम्पत्तियों का निर्माण हो सकेगा। योजना के तहत श्रम बजट-2025-26 की तैयारी में 14 आधारभूत कार्य अनिवार्य रूप से सम्मिलित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें जल निकासी हेतु नाली एवं आंतरिक सड़क निर्माण संबधी कार्य, मोरिंगा वृक्षारोपण, (सीएलएफ पीआईए के रूप में) चॉक मार्ग/बंध का निर्माण, सामुदायिक एवं व्यक्तिगत बायो गैस प्लांट का निर्माण, अमृत सरोवर, सामुदायिक मेड़बन्धी (आवश्यकतानुरूप कृषि विभाग के मध्य कन्वर्जेन्स करते हुए), सामुदायिक/ व्यक्तिगत पशु आश्रय स्थल का निर्माण, चारागाह विकास, खेल मैदान निर्माण (आवश्यकतानुरूप राज्य वित्त/14 वें वित्त एवं युवा कल्याण विभाग के मध्य कन्वर्जेन्स करते हुए), अन्त्येष्टि स्थल निर्माण (आवश्यकतानुरूप राज्य वित्त/14 वें वित्त के मध्य कन्वर्जेन्स करते हुए) ग्रामीण हॉट निर्माण, मनरेगा एवं राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मध्य कन्वर्जेन्स, रूफ टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिगं संरचनाएं, सीसी रोड निर्माण (आवश्यकतानुरूप प्रत्येक ग्राम पंचायत में न्यूनतम 500 मीटर) हैं। इस सम्बन्ध में आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जीएस प्रियदर्शी ने समस्त जिलाधिकारियों/ जिला कार्यक्रम समन्वयकों को जारी दिशा निर्देशों में कहा जा चुका है कि मनरेगा श्रम बजट निर्माण की प्रक्रिया, कार्य की मांग के आधार पर श्रम बजट का निर्माण कराया जाएगा। कार्य योजना निर्माण गांव की आवश्यकता का ध्यान रखते हुए 6 चरणों में किये जाने का प्राविधान है।

भाजपा सरकार में हो रहा निर्दोषों को फंसाने और दोषियों को बचाने का कामः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन निर्दोष लोगों को झूठे मामलों में फंसाती है और दोषियों को बचाने का काम किया जा रहा है। मामला हाथरस में दलित बेटी को जबरन दाह संस्कार का रहा हो या बीएचयू में गैंगरेप का मामला हो, इस सरकार में न्याय नहीं मिला। सरकार ने आरोपियों को संरक्षण दिया जबकि पीड़िता के पक्ष में न्याय के लिए आवाज उठाने वालों पर कार्रवाई हो रही है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार वाराणसी आईआईटी, बीएचयू गैंगरेप का विरोध करने वाले 13 छात्र-छात्राओं का निलम्बन कर रही है। यह बेहद निंदनीय है। सरकार की शह पर विश्वविद्यालय की तानाशाही बेहद शर्मनाक है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अपराधियों को

बचाने और न्याय के लिए आवाज उठाने वालों को प्रताड़ित कर क्या संदेष देना चाहती है। दरअसल सभी आरोपी भाजपा के कार्यकर्ता हैं, इसीलिए यह सरकार उन्हें बचाने के लिए हर हथकंडे अपनाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के साथ अपराध की घटनायें लगातार बढ़ती जा रही है। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं है। इसके लिए पूरी तरह से भाजपा जिम्मेदार है। इसकी कथनी-करनी में जमीन आसमान का अन्तर है। इस सरकार में महिलाएं अन्याय की शिकार हो रही है। उनकी कहीं सुनवाई नहीं होती है। कई महिलाएं न्याय न मिलने के कारण लखनऊ में विधान भवन और मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरना और आत्मदाह का प्रयास तक कर चुकी है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार के दौरान महिला सुरक्षा के लिए कई काम हुए थे।

पटाखा फैक्ट्रियों में विस्फोट की घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाएं विशेष अभियानः डीजीपी

- भविष्य में ऐसी कोई घटना होने पर पर दायित्व निर्धारित कर दोषी पुलिस कर्मियों व अधिकारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों में होने वाली विस्फोट की घटनाओं की रोकथाम के लिए डीजीपी प्रशांत कुमार ने पुलिस अधिकारियों को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

फील्ड में तैनात सभी आला अधिकारियों को जारी निर्देश में डीजीपी ने कहा है कि जिन फैक्ट्रियों को लाइसेंस दिया गया है, उन सभी का निरीक्षण संबंधित क्षेत्राधिकारी, उपजिलाधिकारी (एसडीएम), थाना प्रभारी और अग्निशमन सेवा की संयुक्त टीम द्वारा किया जाए। जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण की वीडियोग्राफी कराते हुए अपर पुलिस अधीक्षक व अपर जिलाधिकारी (एडीएम) पुलिस आयुक्त/पुलिस उपायुक्त/ पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी (डीएम) द्वारा अभिलेखीकरण करके उनका क्रॉस-सत्यापन भी अवश्य किया जाए। डीजीपी ने निर्देशित किया है कि आकस्मिक आग की दुर्घटनाओं, खासकर रासायनिक आग से निपटने के लिए तैयारियों की समीक्षा विशेष ध्यान देकर सुनिश्चित करायी जाए। प्रत्येक निरीक्षण में दुर्घटनाओं के समय काम करने वाले कर्मचारियों और प्रबंधकों द्वारा की जाने वाली तैयारियों की भी गहनता पूर्वक जांच/ समीक्षा तथा तद्नुसार यथोचित कार्यवाही की जाए। पटाखों आदि के भण्डारण/ बिक्री के स्थानो पर पर्याप्त मात्रा में अग्निशमन यत्रों की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए। डीजीपी ने कहा कि चेकिंग / निरीक्षण के दौरान बालश्रम की उपस्थिति एवं बालश्रम की किसी भी घटना के मामले में तत्काल प्रभावी कार्यवाही की जाए। किसी भी अवैध या अनधिकृत कारखानों, भंडारण व अवैध बिक्रय अथवा परिवहन की जानकारी के लिए राजस्व अधिकारियों, सम्बन्धित थाना और एलआईयू द्वारा गोपनीय रूप से जानकारी एकत्र कराना सुनिश्चित किया जाए। अवैध फैक्ट्री/ भण्डारण पाए जाने की स्थितियों पर सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत उन्हें बंद करने के संबंध में तत्काल कार्यवाही की जाए। पटाखों के भण्डारण और बिक्री के स्थान उनके लाइसेंस/ अनुमति के आधार पर निर्धारित /चिन्हित स्थानों पर ही हो, अन्यथा उनके विरुद्ध समुचित वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बिक्री के प्रत्येक स्थान को स्पष्ट रूप से चिह्नित और सीमांकित किया जाना चाहिए ताकि यह आबादी और व्यस्त बाजार/ रिहाइशी इलाकों से उचित दूरी पर व्यस्थापित किया जाए। यह विशेष रूप से ध्यान रखा जाए कि इस प्रकार के जांच विशेष तौर पर थोक विक्रेताओं के लिए की जानी चाहिए, छोटे / पार्ट टाइम विक्रेताओं को जांच के दौरान अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उक्त कार्यवाही के पश्चात भविष्य में अगर आग, विस्फोट जैसी कोई घटना होती है तो संबंधित चौकी प्रभारी, बीट प्रभारी, थाना प्रभारी और वरिष्ठ अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करके तद्नुसार उनके विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाए।

सामाजिक कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की नीतियों एवं उसकी समावेशी विचारधारा से प्रेरित होकर जनपद कानपुर से सामाजिक कार्यकर्ता इन्दू गौतम ने गुरुवार को यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह के समक्ष कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर दिनेश सिंह ने उनके गले में तिरंगा पट्टिका पहनाकर तथा कांग्रेस सदस्यता कार्ड देकर उन्हें विधिवत रूप से पार्टी में शामिल कराया।

इन्दू गौतम के साथ उनके पारिवारिक सदस्य दिनेश चन्द्रा, मदन वर्मा, मंजू वर्मा, अक्षय चन्द्रा, अकांक्षा चन्द्रा, एवं आलोक रंजन आदि ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

दस स्वदेशी उन्नत नस्ल के गौवंश की 294 इकाई की जाएंगी स्थापितः मुख्य सचिव

दूसरे चरण में सीएम स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना को 57 जिलों में लागू करने का निर्णय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में नन्द बाबा दुग्ध मिशन की स्टेट स्टीयरिंग कमेटी की तृतीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में नन्द बाबा दुग्ध मिशन के संचालन हेतु प्राविधानित कुल बजट 7421.08 लाख रुपये के सापेक्ष तैयार की गई कार्ययोजना को अनुमोदन प्रदान किया गया। अनुमोदित कार्ययोजना के तहत प्रदेश में नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के अन्तर्गत 10 स्वदेशी उन्नत नस्ल के गौवंश की 294 इकाई स्थापित की जायेंगी, जिस पर 1730.08 लाख रुपये का व्यय प्रस्तावित है। इसके अलावा अवशेष धनराशि का व्यय मिशन की विभिन्न योजनाओं के अनुदान व अन्य मदों में किया जायेगा।

इसी क्रम में बैठक में मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना को द्वितीय चरण में वित्तीय वर्ष 2024-25 में शेष 57 जनपदों में लागू करने

का निर्णय लिया गया। प्रथम चरण में वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह योजना 18 मण्डल मुख्यालय के जनपदों में लागू की गई थी। इसी प्रकार नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना को द्वितीय चरण में प्रदेश के शेष 8 मण्डल मुख्यालय जनपदों में 40 इकाइयों के संचालन के प्रस्ताव व कैटल शेड डिजाइन को अनुमोदन प्रदान किया गया। नन्दिनी कृषक समृद्धि मिनी योजना के संचालन के प्रस्ताव को बैठक में अनुमोदन प्रदान किया गया। यह स्वदेशी नस्ल के 10 गायों की योजना है। इस योजना में प्रदेश के सभी 75 जनपद आच्छादित हैं। इस योजना में साहीवाल, गिर एवं थारपारकर प्रजाति के गौवंश का प्रदेश के बाहर से क्रय करने की व्यवस्था है। परियोजना की इकाई लागत 23.60 लाख रुपये प्रस्तावित है। इकाई लागत का 50 प्रतिशत अनुदान 02 किश्तों में लाभार्थी को दिया जायेगा। जनपद स्तर पर लाभार्थियों का चयन मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित चयन समित द्वारा किया जायेगा।

मुख्य सचिव ने लाभार्थियों के आवेदन प्राप्त करने के लिए नन्द बाबा दुग्ध मिशन का पोर्टल एक माह के भीतर प्रत्येक दशा में तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना एवं नन्दिनी कृषक समृद्धि मिनी योजना के तहत लाभार्थियों के आवेदन प्राप्त करने के लिए प्रदेश स्तर पर विज्ञापन प्रकाशित किया जाये। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना के अंतर्गत राज्य के बाहर से पशु क्रय की व्यवस्था में ट्रांजिट बीमा की अनिवार्यता को समाप्त कर वैकल्पिक किए जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मिशन की योजनाओं के तहत चयनित लाभार्थियों को एक माह के भीतर गौवंश का क्रय कराया जाये। गौवंश क्रय से पूर्व लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन जनपदों में विभागीय अधिकारी नहीं हैं, वहां पर योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया जाए।

बैठक में प्रमुख सचिव दुग्ध विकास के.रवीन्द्र नायक, ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी आदि उपस्थित थे।

गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए चलेगा विशेष अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश भर में गोचर भूमि को अवैध कब्जाधारियों से मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाने जा रही है। सीएम योगी ने इसके लिए नोडल अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही अभियान की रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराने के भी आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान लापरवाही बदार्शत नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोवंश को हरा चारा, भूसा और पौष्टिक पशुआहार उपलब्ध कराने के लिए फैसला लिया है। इसी क्रम में प्रदेश के 12 जिलों में 27 हजार से अधिक गोचर भूमि को शत प्रतिशत कब्जामुक्त किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को गोचर भूमि को अवैध कब्जाधरियों से मुक्त कराने के निर्देश दिये हैं। ऐसे में सीएम योगी

- यूपी में 65 हजार से अधिक हेक्टेयर है गोचर भूमि, 27 हजार से अधिक अब तक कब्जा मुक्त

की मंशा के अनुरूप अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए नोडल अधिकारियों की सूची तैयार की जा रही है ताकि अभियान की प्रॉपर मानीटरिंग हो सके। वहीं नोडल अधिकारियों को प्रतिदिन अभियान की रिपोर्ट शासन को सौंपनी होगी। सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश भर में गोचर भूमि की सूची तैयार की जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कितनी गोचर भूमि पर कब्जा है। इसी के अनुसार जिलावार अभियान को चलाया जाएगा। बता दें कि समय-समय पर गोचर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करने के लिए अभियान चलाया जाता है। इसी क्रम में एक बार फिर वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। सीएम योगी ने यह भी निर्देश दिये हैं कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में निराश्रित गोवंश का वास्तविक आंकलन करें और गो-आश्रय स्थलों में अतिरिक्त शेड का निर्माण करें। गोआश्रय स्थलों की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था हो, कहीं पर भी कीचड़ और जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो। सभी आश्रय स्थलों में भूसा, हरा चारा, पानी आदि की समुचित व्यवस्था होनी चाहिये। मृत गोवंश को ससम्मान एवं ठीक विधि से दफनाने की व्यवस्था हो। बता दें कि प्रदेश भर में राजस्व अभिलेखों के अनुसार 65,177 हेक्टेयर गोचर भूमि है। इनमें हरदोई में 4,599 हेक्टेयर, कानपुर नगर में 3,678 हेक्टेयर, रायबरेली में 3349 हेक्टेयर, लखनऊ में 3,077 हेक्टेयर, फतेहपुर में 2805 हेक्टेयर और अमेठी में 2,005 हेक्टेयर गोचर भूमि है। वहीं अब तक 27,688.75 हेक्टेयर गोचर भूमि कब्जामुक्त करायी जा चुकी है, जिसका प्रतिशत कुल गोचर भूमि का 42.48 प्रतिशत है। वहीं 37,488.25 हेक्टेयर गोचर भूमि को कब्जामुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

केजीएमयू में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट की होगी स्थापना

राज्यपाल की उपस्थिति में केजीएमयू, आदित्य बिड़ला कैपिटल फाउंडेशन और कैनकिड्स किड्सकैन के बीच हस्ताक्षर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में गुरुवार को राजभवन में किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, आदित्य बिड़ला कैपिटल फाउंडेशन और कैनकिड्स किड्सकैन के बीच एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। यह एमओयू किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट की स्थापना के संबंध में है, जो सीएसआर निधि से पूरी तरह से वित्त पोषित होगा।

इस अवसर पर राज्यपाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम न केवल चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के निर्वहन का उत्कृष्ट उदाहरण भी है। राज्यपाल ने संस्थाओं को बधाई देते हुए कहा इस एमओयू के पीछे एक पवित्र उद्देश्य है। किसी की जिंदगी बचाना एक बहुत ही पुण्य कार्य है। कैंसर से पीड़ित लोगों की मानसिक और आर्थिक स्थिति अत्यंत कठिन होती है, ऐसे में यह एमओयू उन लोगों के लिए वरदान साबित होगा। राज्यपाल ने विशेष रूप से महिलाओं में बढ़ते ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि समाज को इस विषय में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां महिलाओं के कैंसर की जांच और इलाज मुफ्त में कराया जाता है। शुरुआत में महिलाएं संकोच करती थीं, परंतु जागरूकता के बाद उन्होंने जांच के साथ-साथ इलाज भी करवाया, जो आज भी जारी है। उन्होंने कहा कि जब हम मां को बचाएंगे, तभी बच्चे और परिवार बचेगा। राज्यपाल ने यह भी साझा किया कि जब वह विभिन्न विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में जाती हैं, तो देखती हैं कि 80 प्रतिशत से अधिक पदक और डिग्रियाँ बेटियाँ प्राप्त करती हैं। परंतु जब उनकी शारीरिक स्थिति पर नजर डालती हैं तो वे कमजोर दिखती हैं, जो चिंताजनक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बेटियों को कैंसर की वैक्सीन अवश्य लगवानी चाहिए। अक्सर माता-पिता बेटियों की शादी में लाखों रुपये खर्च कर देते हैं, लेकिन जब उनके स्वास्थ्य की बात आती है, तो वे पीछे हट जाते हैं। राज्यपाल ने कहा कि वैक्सीनेशन के माध्यम से पहले से ही रोकथाम करना आवश्यक है, क्योंकि जब बीमारी बढ़ जाती है, तो इलाज कठिन और महंगा हो जाता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालयों ने पांच-पांच गांवों को गोद लिया है, जहां वैक्सीनेशन के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही, उन्होंने ग्रीन आर्मी की ग्रामीण महिलाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि ये महिलाएं, समाज में नशामुक्ति, बच्चों का स्कूल में दाखिला, और अमृत सरोवरों की खुदाई जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। इस अवसर पर किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो सोनिया नित्यानंद ने कहा कि राज्यपाल ने हमेशा विश्वविद्यालयों में सीएसआर निधि के तहत क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित किया है।

उन्होंने बताया कि बोन मैरो ट्रांसप्लांट रक्त कैंसर, अप्लास्टिक एनीमिया, थैलेसीमिया जैसे गंभीर रक्त विकारों के रोगियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपचार है। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र में केवल संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में एक बीएमटी कार्यक्रम संचालित है, जिसकी स्थापना 1999 में की गई थी। कुलपति ने बताया कि सरकारी संस्थानों में अंग और रक्त प्रत्यारोपण केंद्रों की कमी को पूरा करने के लिए उन्होंने आदित्य बिड़ला कैपिटल फाउंडेशन से केजीएमयू में अत्याधुनिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट के लिए 2.75 करोड़ रुपये की लागत से आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के लिए सीएसआर फंड के माध्यम से मांग की। जिस पर फाउंडेशन ने सहमति व्यक्त की। कैनकिड्स किड्सकैन, जो बचपन के कैंसर के उपचार के लिए समर्पित एक गैर सरकारी संगठन है, इस एमओयू का एक तकनीकी साझेदार है। इस एमओयू पर हस्ताक्षर के साथ केजीएमयू में यह अत्याधुनिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट स्थापित होगी।

लखनऊ में डेंगू के 15 रोगी मिले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ जनपद में डेंगू के रोगियों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार को डेंगू के 15 रोगी सामने आये हैं। जिन इलाकों से रोगियों के मिलने की पुष्टि हुई है उनमें चन्दरनगर-5, अलीगंज-4, एनके रोड-3, गोसाईगंज-1, इन्दिरानगर-1, टूडियागंज-1) धनात्मक रोगी शामिल हैं। आज लगभग 1034 घरों एवं आस-पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल 10 घरों में मच्छरजनित स्थितियां पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न स्थलो/भवनों का निरीक्षण किया गया तथा लार्वा रोधी रसायन का छिडकाव किया गया।

साथ ही स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम लखनऊ की टीमों द्वारा कसाईबाडा चौराहा, बदनाम लड्डू चौराहा राजाजीपुरम, डीपीएस जानकीपुरम विस्तार, विराटखण्ड चौराहा, सन आई हास्पिटल श्रंगार नगर, चौपटिया चौराहा, पटेलनगर मौर्य जनता आटा चक्की, पराग चौराहा आषियाना के आस-पास क्षेत्रों में सघन मच्छर रोधी अभियान चलाया गया तथा क्षेत्र में साफ-सफाई, लार्वा रोधी रसायन का छिडकाव एवं फागिग का कार्य कराया गया। क्षेत्रीय जनता को घर के आस-पास पानी जमा न होने, पानी से भरे हुए बर्तन एवं टंकियों को ढंक कर रखें, हर सप्ताह कूलर के पानी को खाली करके साफ कपड़े से पोछ कर सूखा एवं साफ करने के बाद ही पुन: प्रयोग में लाने, पूरी बांह के कपड़े पहनने, बच्चों को घर से बाहर न निकलने, मच्छर रोधी क्रीम लगाने एवं मच्छरदानी में रहने तथा डेंगू एवं मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु क्या करें, क्या न करें सम्बंधित स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गयी।

उत्कृष्ट काम करने वाले स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गाँधी जयंती के अवसर पर बुधवार को गोमती नगर स्थित लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) सभागार में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें डॉ. रोशन जैकब, मंडलायुक्त लखनऊ मंडल ने स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कर्मचारियों को उत्कृष्ट काम करने के लिए सम्मानित किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मनोज अग्रवाल ने बताया इस मौके पर मुख्या चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में कार्यरत आशुलिपिक आशीष कुमार वर्मा, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय में कार्यरत प्रयोगशाला प्राविधिक धीरज पांडे, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुडंबा की स्टाफ नर्स अंजना दास, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकेटी के फार्मासिस्ट, सत्येंद्र सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल के लैब टैक्नीशियन राकेश कुमार को उत्कृष्ट काम के लिए सम्मानित किया गया।यह सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं।

एकेटीयू में वालीबॉल में कैश 11 बनी विजेता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का रजत जयंती वर्ष समारोह सात मई 2024 से आठ मई 2025 तक मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय के निर्देशन में इंट्रा यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट के तहत विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में गुरूवार को वॉलीबाल का फाइनल मुकाबला रजिस्ट्रार 11 एवं कैश 11 के बीच हुआ। बेहद रोमांचक हुए इस मैच का नतीजा तीसरे सेट में निकला। पहला सेट जहां कैश 11 ने जीता तो दूसरे सेट में रजिस्ट्रार 11 की टीम भारी पड़ी। अंत में तीसरे सेट में कैश 11 ने जीत दर्ज कर विजेता बनी। विजेता टीम के कप्तान डॉ अनुज कुमार शर्मा ने सभी खिलाड़ियों बधाई दी। वहीं, कैश 11 की ओर से गौरव राय ने शानदार खेल दिखाया। जबकि रजिस्ट्रार 11 के कप्तान डॉ आरके सिंह और उनकी टीम ने पूरी कोशिश की मगर परिणाम को अपने पक्ष में नहीं कर सकी। मैच रेफरी शिशिर द्विवेदी रहे। इस मौके पर खेल संयोजक प्रो ओपी सिंह सहित काफी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

अशासकीय महाविद्यालयों के 1124 पद होंगे स्थायी

लखनऊ। शासन स्तर पर प्रदेश के अशासकीय महाविद्यालयों के 1124 पदों को स्थायी कर दिया गया है। इस बावत शासन स्तर पर विशेष सचिव ने आदेश जारी कर दिये हैं। शासन के इस निर्णय के बाद इन पदों पर तैनात शिक्षकों को काफी राहत मिल गयी है। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में शिक्षकों के 1234 पद सृजित हैं। इनमें से 9 पदों को छोड़कर कुल 1225 पदों में से 1124 अस्थायी पदों को राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है। मंजूरी मिलने के बाद इन पदों के पदधारक को शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार महंगाई भत्ता व अन्य भत्ते, जो उन्हें अनुमन्य हो, भी देय होंगे।

अनुसूचित जाति आयोग के मनोनीत पदाधिकारियों ने शपथ लेकर किया कार्यभार ग्रहण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● समाज कल्याण मंत्री, असीम अरुण ने दिलाई शपथ

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष, बैजनाथ रावत, उपाध्यक्षों, बेचन राम एवं जीत सिंह खरवार सहित आयोग के अन्य सदस्यों ने गुरुवार को शपथ लेने के बाद कार्यभार ग्रहण किया। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार),असीम अरूण ने गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में नवमनोनीत पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस 19 सदस्यीय आयोग में सदस्य के रूप में हरेन्द्र जाटव, महिपाल वाल्मिकी, संजय सिंह, नीरज गौतम, नरेन्द्र सिंह खजूरी, तीजाराम, विनय राम, श्रीमती अनीता गौतम, रमेशचन्द्र, मिठाईलाल, उमेश कठेरिया, जितेन्द्र कुमार एवं अनीता कमल ने शपथ ग्रहण किया। तीन सदस्य जिनमें दिनेश भारत, शिवनारायण सोनकर एवं रमेश कुमार तूफानी शामिल हैं, किन्हीं कारणोंवश शपथ के लिए उपस्थित नहीं हो सके। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के अवसर पर अपने संबोधन में समाज कल्याण मंत्री ने नवमनोनीत पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनांए देते हुए कहा कि आयोग में पद मिलना एक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ जी ने बहुत सोच समझकर सुयोग्य पदाधिकारियों को चुनते हुए नया आयोग गठित किया है। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि समाज की सेवा करना सौभाग्य है। नवमनोनीत पदाधिकारीगणों को महत्वपूर्ण शक्ति दी गई है। उन्हें इन शक्तियों का प्रयोग समाज के उपेक्षित एवं पीड़ित व्यक्तियों को संविधान के अनुसार न्याय दिलाने के लिए करना होगा। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग हर प्रकार से आयोग के सहयोग के लिए उपलब्ध है। उपेक्षितों की पीड़ा के निराकरण में ही आयोग की सफलता है। आयोग के अध्यक्ष, बैजनाथ रावत ने कहा कि समाज कल्याण मंत्री ने पीड़ितों को न्याय दिलवाने में काफी मेहनत की है। नवगठित आयोग के पदाधिकारीगण इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंदो को न्याय दिलाने के लिए दिन-रात मेहनत करेंगे।

डीएम ने किया गांधी जयंती पर प्रतियोगिता का शुभारंभ

● प्रतियोगिता में सीएमएस सहित 75 विद्यालयों के 2000 छात्रों ने की हिस्सेदारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर गांधी भवन में बच्चो की निबन्ध लेखन व संगीत एवं लघुनाटिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में सीएमएस सहित 75 विद्यालयों के 2000 छात्रों द्वारा हिस्सेदारी की गयी।

गुरुवार को उप्र गांधी स्मारक निधि गांधी भवन लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित महात्मा गांधी की 155 वीं जयतीं व पूर्व प्रधान मंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के दूसरे दिन गांधी भवन लखनऊ में बच्चो की निबन्ध लेखन व संगीत एवं लघुनाटिका प्रतियोगिता का आयोजन किया। निबन्ध लेखन व संगीत एवं लघुनाटिका प्रतियोगिता का शुभारम्भ जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने दीप प्रज्वल व महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि महात्मा गांधी के योगदान को भुलाया नही जा सकता। गांधी भवन मे जो आयोजन हो रहा है आप सब महात्मा गांधी के चित्र बना रहे है निबन्ध लिख रहे है एवं सांस्कृतिक कार्यकम कर रहें उसका कुछ अंश अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। महात्मा गांधी ने सत्य व अहिंसा के रास्ते पर चल कर देश को आजादी दिलाई। इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। अंत में जिलाधिकारी ने महात्मा गांधी संग्रहालय का अवलोकन किया और गांधी भवन के विषय मे जानकारी ली। उपरोक्त कार्यक्रम में बाल निकुंज इग्लिस स्कूल, द आफ पब्लिक स्कूल, रानीलक्ष्मी गर्ल्स इन्टर कालेज, सिटी मान्टेसरी स्कुल आदि लगभग 75 स्कुल के 2000 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में रामजनम सिंह, सदानन्द, लक्ष्मण प्रसाद और गांधी भवन के सभी कर्मचारियो ने अपना सहयोग दिया। कल 4 अक्टूबर 2024 को नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसका शुभारम्भ प्रात: 10 बजे राकेश जिला विद्यालय निरीक्षक करेगें।

शहर में संयुक्त रूप से डेरियों का सर्वे दोबारा करने का निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीएम की अध्यक्षता में डेरी विस्थापन पर विधान सभा, विधान परिषद और सांसद के प्रतिनिधि के साथ बैठक कर चर्चा की गयी। बैठक में सदस्यों द्वारा डेरी विस्थापन को अत्यंत गंभीर मुद्दा बताया गया। जिलाधिकारी द्वारा यह निर्देशित किया गया कि संयुक्त रूप से डेरियों का सर्वे दोबारा कर लिया जाय जिससे यह ज्ञात हो जाय की डेरिया सरकारी भूमि पर हैं। गुरुवार को जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार की अध्यक्षता में शहरी क्षेत्र में डेरी विस्थापन पर सदस्य विधानसभा, सदस्य विधान परिषद, सांसद प्रतिनिधि राजनाथ सिंह दिवाकर त्रिपाठी और नगर निगम, आवास विकास परिषद और एलडीए के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की गयी। जिसमें दिवाकर त्रिपाठी द्वारा बताया गया की डेरी विस्थापन अत्यंत गंभीर और संवेदनशील मुद्दा है, पूर्ण तरीके से कार्ययोजना बनाकर, जगह चिन्हित कर लखनऊ नगर निगम सीमा से बाहर लखनऊ विकास प्राधिकरण और आवास विकास परिषद द्वारा विकसित किया जाय, जहां पशुओं द्वारा जनित गोबर और मल मूत्र के उचित निस्तारण की व्यवस्था की जाय, डेरियों के विस्थापन से पूर्व नगर आयुक्त नगर निगम द्वारा बाई लॉज़ के तहत सार्वजनिक नोटिस की जाय। जो डेरी सार्वजनिक स्थल, पार्क रोड पर संचालित हो रही हों उनको तत्काल प्रभाव से उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 26 के अंतर्गत सार्वजनिक हित और जन स्वास्थ्य की प्राथमिकता में हटाया जा सकता है। इस के लिए पूर्व में डेरी विस्थापन के सम्बन्ध में कैटल कॉलोनी बसाने की कामधेनु नगर योजना, गोकुल और राधा ग्राम योजना की मदद ली जा सकती है जहाँ पर पशुपालको को लीज पर भूमि सब्सिडाईज़्ड दरों पर उपलब्ध कराने की कार्यवाही को आधार मानते हुए कार्ययोजना बनायी जा सकती है।

'चिपको आंदोलन' के जरिए दिया वनों की सुरक्षा का संदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अखिल भारतीय सांस्कृतिक संस्थान, लखनऊ द्वारा प्रस्तुत 'चिपको आंदोलन' नाटक का 34वें गांधी जयंती नाट्य महोत्सव 2024 के अवसर पर राजेंद्र तिवारी के लेखन एवं निर्देशन में गुरुवार को गांधी भवन प्रेक्षागृह में मंचन किया गया। जिसमें लखनऊ, हरदोई, मुंबई एवं देश के लगभग सभी क्षेत्रों के कलाकार शामिल हुए हैं।

यह नाटक वनों की सुरक्षा पर आधारित है। उत्तराखंड के रेनी गांव की महिलाओं द्वारा पर्यावरण एवं वनों की सुरक्षा के लिए एक अनोखा आंदोलन करके 1973 को एक नया इतिहास रच दिया था। ठेकेदारों द्वारा की जा रही पेड़ों की कटान रोकने के लिए महिलाओं ने पेड़ काट रहे मजदूरों के सामने जान की परवाह किए बिना पेड़ों से लिपट गईं थी और ऐलान किया था कि पेड़ों को काटने से पहले हम सब को काटना पड़ेगा। ऐसा साहस करने वाली महिला के साथ उस क्षेत्र की बहुत सी महिलाएं एवं पुरुषों ने भी आंदोलन में पुरजोर से समथन दिया। जिसके कारण पेड़ कटान के ठेकेदार को जनता के सामने झुकना पड़ा और पेड़ों की कटान को रोकना पड़ा। ऐसा अदम्य साहस दिखाने वाले सुंदर लाल बहुगुणा, गौरा, चंडी प्रसाद भट्ट, घनश्याम रतुरी, धूम सिंह नेगी आदि जैसे साहसी लोगों के आंदोलन को सदा याद रखा जाए इस उद्देश्य से इस नाटक को तैयार किया गया है। इसमें मुख्य कलाकारों में देविका पटेल, परशुराम लोखंडे, संगीता मिश्र, प्रतीक्षा गुप्ता, काव्या मिश्रा, मोनिका भारती, साकेत राय, दीपक यादव, अरुण बीरो, संतोष बाग, शिवदान नायक, विशाल दुबे, कार्तिक पिल्लई, रंजन देहूरी, अभय यादव, नकुल शर्मा, प्रदीप श्रीवास्तव, सूर्य प्रधान, संतोष बाबुलकर आदि कलाकार शामिल थे।

यह कार्यक्रम अश्वनी शुक्ला, अंजना तिवारी, गणेश रावत, अमित तिवारी, ललित पांडेय, निष्ठा तिवारी, राकेश वर्मा, राकेश तिवारी, शामिल रहे। जिनके प्रबंधन एवं सहयोग से नाटक का मंचन संपन्न हुआ।

महापौर ने 5 मृतक आश्रितों को दिया नियुक्ति पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महापौर द्वारा जलकल विभाग के मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र दिया गया। ऐशबाग में पांच मृतको आश्रितों को महाप्रबंधक की उपस्थित में नियुक्ति दी गयी। साथ जलकल के दो कर्मियों को सेवानिवृत्त के दौरान उनके देयकों का भुगतान किया गया।

गुरुवार को महापौर, नगर निगम लखनऊ के निर्देश पर जलकल विभाग, नगर निगम, ऐशबाग लखनऊ मे नई पहल के रूप मे सेवाकाल में मृत्यु हुए कर्मचारियों के आश्रितों को जलकल विभाग में मृतक आश्रित के रूप मे सेवायोजित किये जाने के लिए नियुक्ति पत्र का वितरण किया। वितरण में महापौर सुषमा खर्कवाल एवं महाप्रबन्धक, जलकल विभाग ने किया। उपरोक्त के अतिरिक्त माह सितम्बर.2024 मे सेवानिवृत्त हुए 2 कर्मचारियों के विदायी समारोह का आयोजन किया गया, जिसमे इनकी सेवानिवृत्तिक देयकों का भुगतान किया गया, जिनका राकेश कुमार पम्पचालक जोन.7 और सरस्वती सफाई कर्मचारी सचिव कार्यालय। महापौर ने सभी को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में रंजीत सिंह, कार्यकारिणी सदस्य, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित हुए।

इन्हें किया गया सम्मानित

- पवन कुमार गौड़, जूनियर फिटर
- अनिकेत प्रजापति, गैंगमैन
- पंकज, गैंगमैन
- प्रेमलता, गैंगमैन
- संजय कुमार पाल, गैंगमैन

सुनवाई नहीं होने से नाराज किसानों ने बीडीओ दफ्तर में जड़ा ताला, नहीं निकला हल

● विभिन्न मांगों को लेकर 30 सितंबर से ब्लॉक कार्यालय में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं सैकड़ों किसान

संवाददाता। मोहनलालगंज

विभिन्न मांगों को लेकर तीन दिन से ब्लॉक में धरना प्रदर्शन कर रहे भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के कार्यकर्ताओं ने सुनवाई नही होने पर गुरुवार को एडीओ पंचायत और बीडीओ के दफ्तर में ताला लगा दिया। किसानों को समझाने पहुंचे एसडीएम और एसीपी की किसानों से वार्ता बेनतीजा रही। किसानों ने मांगे पूरी होने तक धरना अनवरत जारी रखने का अल्टीमेटम दिया है।

राजस्व अभिलेखों में फर्जीवाड़ा रोकने और बंटवारे व हदबरारी के मामलों में किसानों को कोर्ट में सुनवाई से लेकर मेडबंदी के लिए बेवजह दौड़ाने का आरोप लगाकर भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र वर्मा की अगुवाई में सैकड़ों किसान 30 सितंबर से मोहनलालगंज ब्लॉक में लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों ने अपने मांगपत्र में राजस्वकर्मियों पर प्राइवेट मुंशी रखकर किसानों से विभिन्न कार्यों के लिए वसूली कराने का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग भी शामिल की है। इसके अतिरिक्त ब्लॉक की कई पंचायतों में नाली व सड़क निर्माण की मांग और पेयजल आपूर्ति पाइपलाइन डालने के लिए खोदी जा रही गांव की सड़कों की समय पर मरम्मत नही कराए जाने का मुद्दा भी किसान जोर शोर से उठा रहे हैं। यही नही ब्लॉक में उद्यान विभाग की योजनाओं का किसानों को लाभ देने के लिए स्टाफ की तैनाती नही होने का मुद्दा भी किसानों ने मांगपत्र में शामिल कर रखा है। भाकियू जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र वर्मा ने बताया बीडीओ एसीपी और एसडीएम समेत अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ वार्ता बेनतीजा रही। मांगें पूरी होने तक किसान धरना समाप्त करने के लिए सहमत नही हैं। खोखले आश्वासन के भरोसे काम नही चलेगा। अगली वार्ता तभी होगी जब अधिकारी मांगें पूर्ण कर उसकी सूचना उपलब्ध करा देंगे।

बिलिंग कंपनी की टीम के साथ एक्सइएन ने फील्ड विजिट कर बनवाए बिल

खबर का असर

● एमडी के निर्देश पर ऑनग्रिड सोलर कनेक्शन धारकों को भटकने से मिला छुटकारा

संवाददाता। मोहनलालगंज

पीएम सूर्यघर योजना समेत अन्य ऑनग्रिड सोलर कनेक्शन के बिल बनवाने के लिए अब उपभोक्ताओं को भटकने से छुटकारा मिल सकेगा। एमडी के निर्देश पर गुरुवार को एक्सइएन ने खुद बिलिंग कंपनी की टीम के साथ कस्बे में घूमकर मीटर रीडरों को ऑन ग्रिड सोलर कनेक्शन के बिल बनाने सिखाए। एक्सइएन ने सभी एसडीओ की मीटिंग लेकर उन्हें भी इसकी बारीकियां बताकर अब से हर माह ऑनग्रिड सोलर कनेक्शन की नियमित बिलिंग कराने की हिदायत दी। जबकि बड़े कनेक्शन में मीटर सेक्शन को प्रतिमाह एमआरआई रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। मोहनलालगंज खण्ड में पीएम सूर्यघर योजना समेत अन्य ऑनग्रिड कनेक्शनधारक उपभोक्ताओं को अब नेट मीटर का वीडियो लेकर एसडीओ और एक्सइएन ऑफिस के चक्कर नही काटने पड़ेंगे। पायनियर में गुरुवार को इसे लेकर प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद मध्यांचल प्रबंधन ने मामले का संज्ञान लेकर मातहतों को समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। एमडी के निर्देश पर एक्सइएन श्रवण कुमार सिंह खुद बिलिंग कंपनी की टीम के साथ निकल पड़े। उन्होंने मोहनलालगंज और गौरा में कई ऑनग्रिड सोलर कनेक्शन धारक उपभोक्ताओं के घर पहुंचकर मीटर रीडरों को बिल बनाना सिखाया। एक्सइएन श्रवण कुमार सिंह ने बताया बिलिंग कंपनी के सॉफ्टवेयर में ऑनग्रिड सोलर कनेक्शन के बिल बनाने का ऑप्शन है। लेकिन जानकारी के अभाव और डर की वजह से मीटर रीडर बिल नही बना रहे थे। जिसे लेकर उनके सारे भ्रम दूर कर दिए गए हैं। अब से प्रतिमाह सभी उपभोक्ताओं के बिल बनाए जाएंगे। एक्सइएन ने कहा सभी मीटर रीडर से कहा गया है कि यदि किसी को बिल बनाने में कोई परेशानी आए तो वह नेट मीटर का वीडियो लाकर ऑफिस से भी बिल बनवा सकता है। जबकि पूर्व विधायक समेत अन्य बड़े कनेक्शन धारकों की बिलिंग के लिए मीटर सेक्शन को प्रतिमाह नेट मीटर की एमआरआई रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। एक्सइएन ने बताया सभी एसडीओ को उपखण्ड वार नियमित बिलिंग कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

गोरक्ष पीठाधीश्वर के सानिध्य में शारदीय नवरात्र का विशेष अनुष्ठान प्रारंभ

● मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में की कलश की स्थापना, पारंपरिक तरीके से निकाली गई कलश शोभायात्रा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

शारदीय नवरात्र के पहले दिन (प्रतिपदा), गुरुवार को शिवावतार एवं नाथपंथ के प्रणेता गुरु गोरखनाथ की तपस्थली गोरक्षपीठ में लोक कल्याण की मंगलकामना के साथ मां आदिशक्ति की उपासना का विशेष अनुष्ठान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में पीठ की परंपरा के अनुसार वैदिक विधिविधान से प्रारंभ हो गया।

गुरुवार सायंकाल गोरक्षपीठाधीश्वर ने मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्तिपीठ में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना कर प्रथम दिन मां शैलपुत्री की विधि विधान से पूजा अर्चना की। शारदीय नवरात्र प्रतिपदा का अनुष्ठान मां जगतजननी की आराधना, देवी पाठ, आरती और क्षमा प्रार्थना के साथ पूर्ण हुआ। कलश स्थापना के पूर्व गोरखनाथ मंदिर परिसर में भव्य कलश शोभायात्रा पारंपरिक तरीके और श्रद्धाभाव से निकाली गई। सायंकाल गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ की अगुवाई में साधु-संतों की शोभायात्रा, परंपरागत वाद्य यंत्रों घंट-घड़ियाल, तुरही, शंख की ध्वनियों और मां दुर्गा के जयघोष के बीच पौराणिक मान्यता वाले भीम सरोवर पर पहुंची। जहां कलश भरने और सरोवर की परिक्रमा के बाद शोभायात्रा वापस शक्तिपीठ आई।

इसके बाद जल से भरा कलश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं उठाया और शक्तिपीठ के गर्भगृह में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वरुण देवता का आवाहन कर इसे स्थापित किया। गोरक्षपीठाधीश्वर ने सबसे पहले मां दुर्गा, भगवान शिव और गुरु गोरखनाथ के शस्त्र त्रिशूल को प्रतिष्ठित करके गौरी-गणेश की आराधना की। इसके साथ ही दुर्गा मंदिर (शक्तिपीठ) के गर्भगृह में श्रीमद्देवीभागवत का पारायण पाठ एवं श्रीदुर्गासप्तशती के पाठ का भी शुभारंभ हो गया। पाठ के उपरांत आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया।

अब मंडल स्तर पर भी ट्रेड शो आयोजित करने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सीएम योगी की मंशा के अनुरूप कार्ययोजना बनाने में जुटे वरिष्ठ अधिकारी

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की ग्रैंड सक्सेस से उत्साहित योगी सरकार अब इसी तरह के ट्रेड शो मंडल स्तर पर आयोजित करने को लेकर तैयारी में जुट गई है। शुरुआती स्तर पर 5 मंडलीय मुख्यालयों में ट्रेड शो का आयोजन कराया जा सकता है, जबकि जल्द ही सभी मंडलीय मुख्यालयों में ट्रेड शो के आयोजन की व्यवस्था की जा सकती है।

गुरुवार को लोकभवन में आयोजित प्रेस वार्ता में एमएसएमई विभाग के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान और प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने इसकी जानकारी दी। इस दौरान, इंटरनेशनल ट्रेड शो के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद दिया गया और आभार जताया। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण ने सभी अपेक्षाओं से आगे जाकर उत्तर प्रदेश के व्यापार और औद्योगिक विकास में एक नया अध्याय लिखा है। 2023 में हुए पहले संस्करण की तुलना में दूसरे संस्करण ने नए मानक स्थापित किए हैं, जिससे यूपीआईटीएस भारत के प्रमुख व्यापार आयोजनों में से एक के रूप में स्थापित हो गया है। सीएम योगी की मंशा है कि अब इस तरह के ट्रेड शो का आयोजन मंडलीय मुख्यालयों में भी किया जाए। इसके लिए अधिकारियों को कार्ययोजना बनाने के लिए कहा गया है। प्रमुख सचिव, एमएसएमई आलोक कुमार ने बताया कि इस प्रोग्राम के दो उद्देश्य थे। पहला छोटे उद्योगों को इंटरनेशनल लेवल का प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना और दूसरा हमारे क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर से दुनिया को परिचित कराना था। भारत के बहुत सारे ब्रांड तो पहले से ही विदेशों में हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश का ब्रांड नहीं है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारा इरादा उत्तर प्रदेश को शोकेस करना भी था। अब हमारा प्रयास मंडल स्तर पर इस तरह के आयोजन करने का है। इसमें भले ही इंटरनेशनल बायर्स तो बड़ी संख्या में नहीं आएंगे, लेकिन प्रदेश के बाहर के बायर्स इसमें हिस्सा ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को लैंड लॉक से ज्यादा माइंड लॉक स्टेट मान लिया गया है, क्योंकि हम अपने ही बाजार को देखते हैं। जो बाहर के बाजारों की पोटेंशियल है, जहां से हम ज्यादा पैसा कमा सकते हैं, इसके लिए हमने अब तक आक्रामक तरीके से मार्केटिंग नहीं की है। इस ट्रेड शो के माध्यम से यह लक्ष्य हासिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हम लोग आगरा, वाराणसी और लखनऊ में तीन यूनिटी मॉल स्थापित कर रहे हैं। यहां पर हम आर्टिजन के प्रोडक्ट्स को जगह देंगे। इसके साथ ही बरेली में भी हमने स्मार्ट सिटी के माध्यम से एक मॉल लिया है जिसको ऑपरेशनल करने वाले हैं, जबकि नोएडा में ऑलरेडी हमारी व्यवस्था पहले से ही है। इस तरह 5 मंडलों में हमने व्यवस्था कर ली है और हमने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि हर मंडलीय मुख्यालय में इस तरह का एक एग्जिबिशन सेंटर बने, ताकि आर्टिजन को सस्ते में अपने प्रोडक्ट्स को डिस्प्ले करने का मौका मिले। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के उत्पादों को इंटरनेशनल बायर्स ने खूब सराहा है। उत्तर प्रदेश अपना खुद का इंटरनेशनल ट्रेड शो आयोजित करने वाला पहला राज्य है। ट्रेड शो में ओडीओपी के 350 स्टॉल लगाए गए। विभिन्न उद्योगों जैसे एमएसएमई, कृषि, रक्षा और वस्त्र उद्योग के भी वहां पर स्टॉल लगे। कुल मिलाकर 10 हजार करोड़ रुपए की इंक्वायरी और लीड्स मिली है। छोटे-छोटे कारीगरों को जो इतना बड़ा प्लेटफॉर्म मिला है, उसी का नतीजा है कि जूट का थैला बनाने वालों को भी 5 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिल गया। इसी तरह, वाराणसी की गुलाबी मीनाकारी को भी 5 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला। निश्चित तौर पर हमारे जो हस्तशिल्पी हैं, एमएसएमई हैं उनके उत्पादों को एक बड़ा बाजार हमारी सरकार ने दिया है, जिससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर पहुंचाने का संकल्प पूरा होगा। प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा कि बाजार का अपना एक लॉजिक होता है। हम उनको फैसिलिटेट कर सकते हैं, लेकिन प्रोडक्ट की क्वालिटी क्या होगी, प्राइस क्या होगा, ये आर्टिजन और बायर के बीच तय होता है। उसमें सरकार का ज्यादा हस्तक्षेप नहीं है। हम अपने उद्यमियों को एक बड़ा प्लेटफॉर्म प्रोवाइड करने के लिए कमिटेड हैं और यह प्लेटफॉर्म ग्रेटर नोएडा में दो बार उपलब्ध करके दिखा दिया।

सरकार के प्रयास रंग लाए, वेस्ट से 'वेल्थ' बन रही है पराली

● सीबीजी प्लांट से अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बन रहे किसान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पराली से अक्टूबर-नवम्बर में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण की खबर सुर्खियों में रहती है। इसके उलट योगी सरकार के प्रयास से पराली अब ऊर्जा और उर्वरक का सोर्स बनकर 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' की कहावत को चरितार्थ कर रही है।

फसल काटने के बाद किसानों और पर्यावरण के लिए समस्या मानी जाती रही पराली अब यूपी में वेस्ट से वेल्थ बनकर किसानों की आमदनी, ऊर्जा और बेहतरीन कंपोस्ट खाद के रूप में आमदनी और उत्पादन बढ़ाने का जरिया बनने लगी। यह संभव हो रहा है सीबीजी (कम्प्रेस्ड बायो गैस) प्लांट से। सीबीजी प्लांट के लिए पराली की आपूर्ति कर किसान अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बन रहे हैं। सीबीजी प्लांट में पराली से ईंधन तैयार हो रहा है और ईंधन बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में किसानों से उनकी पराली खरीदी जा रही है। पिछले साल तक उत्तर प्रदेश में दस सीबीजी प्लांट क्रियाशील थे। वर्तमान में सीबीजी के उत्पादन में यूपी देश में नंबर वन है। सीबीजी की 24 इकाइयों में उत्पादन हो रहा है। 93 इकाइयां निर्माणाधीन हैं। आने वाले समय में प्रदेश में इनकी संख्या बढ़कर सौ हो जाएगी। मार्च 2024 में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी इसकी घोषणा भी कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि यंत्रीकरण के बढ़ते चलन और श्रमिकों की अनुपलब्धता और श्रम के मंहगा होने की वजह से अब फसलों की कटाई कंबाइन से ही होती है। खरीफ और रबी की प्रमुख फसल धान और गेहूं की कटाई के बाद अगली फसल की तैयारी के लिए इन फसलों के अवशेष जलाने की प्रथा रही है। इसके कारण खासकर धान की कटाई के बाद अक्टूबर-नवम्बर में रबी की मुख्य फसल गेहूं की समय से बोआई के लिए पराली जलाने से मौसम में नमी के कारण पर्यावरण की समस्या कुछ इलाकों में गंभीर हो जाती है।

जस्टिस संगीता चन्द्रा की कोर्ट के बहिष्कार का प्रस्ताव वापस

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ द्वारा वरिष्ठ वकील सतीश चंद्र मिश्रा के विरुद्ध आपराधिक अवमानना की कार्यवाही सन्दर्भित करने के पश्चात उठे विवाद मामले में जस्टिस संगीता चन्द्रा की कोर्ट के बहिष्कार का प्रस्ताव गुरूवार को अवध बार एसोसिएशन ने वापस ले लिया है।

बीते 27 सितंबर को जस्टिस संगीता चंद्रा एवम जस्टिस बीआर सिंह की पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील सतीश चंद्र मिश्रा के आचरण को आपत्तिजनक मानते हुए उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना का केस चलाने के लिए प्रकरण को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को संदर्भित किया है। 30 सितंबर को अवध बार ने प्रस्ताव पारित कर जस्टिस संगीता चन्द्रा की कोर्ट का बहिष्कार करने का एलान किया था। गुरूवार को जारी प्रस्ताव में बार के महामंत्री मनोज द्विवेदी द्वारा कहा गया है कि लखनऊ खंडपीठ के वरिष्ठ जज जस्टिस एआर मसूदी से सुबह भेंट के बाद बहिष्कार का प्रस्ताव वापस लेने का निर्णय लिया गया है। इससे बार और बेंच के बीच अच्छा सामंजस्य बनेगा।

नूतन व अमिताभ ठाकुर को नोटिस जारी

लखनऊ (विसं)। प्रदेश सरकार के सलाहकार पूर्व आईएएस अफसर अवनीश कुमार अवस्थी द्वारा दर्ज कराए गए सिविल मुकदमों में अदालत ने प्रतिवादी नूतन ठाकुर व अमिताभ ठाकुर को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। अवनीश अवस्थी द्वारा इन मुकदमों में कहा गया है कि पिछले दिनों प्रतिवादियों ने बिना किसी आधार के एक प्रकरण से जोड़कर सोशल मीडिया में उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया। अवनीश अवस्थी ने अदालत से ऐसी सभी खबरों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। साथ ही भविष्य में प्रतिवादियों को ऐसी किसी भी टिप्पणी से रोकने की भी मांग की है। मामले की अगली सुनवाई 21 अक्तूबर को होगी।

सपा नेता मोईद अहमद की जमानत याचिका खारिज

अयोध्या गैंगरेप मामला

विधि संवाददाता। लखनऊ

अयोध्या गैंगरेप मामले में निरुद्ध सपा नेता मोईद अहमद की जमानत याचिका हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने खारिज कर दी है। पीठ ने कहा है कि अभियुक्त राजनीतिक तौर पर काफी ताकतवर है। उसके व पीड़िता तथा उसके परिवार के बीच बड़ा सामाजिक व आर्थिक फर्क है। इसके साथ ही विवेचना के दौरान पीड़िता व उसके परिवार पर सुलह के लिए दबाव भी डाला गया था। लिहाजा अभियुक्त के बाहर आने पर ट्रायल के प्रभावित होने का खतरा है। हालांकि पीठ ने चार हफ्ते के पश्चात तथा पीड़िता व वादिनी की गवाही होने के बाद नए सिरे से जमानत याचिका दाखिल करने की छूट भी दी है। पीठ ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया है कि इस दौरान दिन प्रतिदिन सुनवाई कर पीड़िता व वादिनी की गवाही पूरी कर ली जाए। जस्टिस पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यह आदेश अभियुक्त की याचिका पर दिया है। अभियुक्त की ओर से कहा गया था कि उसे इस मामले में राजनीतिक कारणों से झूठा फंसाया गया है। वह 71 साल की उम्र का है। पीड़िता के बयानों तथा एफआईआर में घटना के सटीक तिथि व समय का उल्लेख नहीं है। सुनवाई दौरान राज्य सरकार की ओर से जमानत याचिका का जोरदार विरोध किया गया। अपर महाधिवक्ता वीके शाही का कहना था कि अभियुक्त व उसके साथी अभियुक्त राजू ने पीड़िता के साथ दरिन्दगी का वीडियो भी बनाया। जिस मोबाइल फोन से वीडियो बनाया गया है, उसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। एकल पीठ ने दोनों पक्षों की बहस के पश्चात पारित अपने आदेश में कहा कि फिलहाल वह साक्ष्यों पर कोई टिप्पणी नहीं कर रही है। पीठ ने विवेचना के दौरान सुलह के दबाव की एफआईआर का जिक्र करते हुए अयोध्या के एसएसपी को ट्रायल के दौरान पीड़िता व वादिनी को पर्याप्त सुरक्षा देने का आदेश दिया। साथ ही निदेशक, एफएसएल को बरामद मोबाइल फोन की फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट चार हफ्ते में तैयार रखने का आदेश दिया है।

अयोध्या बन रही प्रदेश की पहली सौर ऊर्जा मॉडल सिटी

● प्रदेश के अन्य 16 नगर निगमों में भी सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना कराई जा रही: एके शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि उप्र सौर ऊर्जा नीति-2022 के अन्तर्गत अयोध्या शहर को प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा के मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें शहर के कुल विद्युत भार का 10 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से पूर्ति की जाएगी। साथ ही अन्य 16 नगर निगमों में भी सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करायी जा रही। वर्तमान में अयोध्या नगर में सोलर सिटी में 15.75 करोड रुपए तथा अन्य नगरों में सोलर सिटी में 40 करोड़ रुपए के बजट प्राविधान किया गया है। किसी भी नगर में सोलर सिटी कार्यक्रम के लिए नगर आयुक्त के माध्यम से प्रस्ताव प्राप्त कर राज्य स्तरीय समिति के अनुमोदनोपरान्त कार्य कराये जाते हैं।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में अयोध्या सोलर सिटी कार्यक्रम के अन्तर्गत अब तक 766 अदद स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइट, 2300 सोलर स्ट्रीट लाइट, 250 अदद सोलर हाई मास्ट, 3.33 मेगावाट क्षमता के ऑनग्रिड सोलर पावर प्लाण्ट, 50 किलोवाट क्षमता का ऑफग्रिड सोलर पावर प्लाण्ट एवं 06 मीट्रिक क्षमता का 1 अदद् सोलर आधारित कोल्ड स्टोरेज, 1 किलोवाट क्षमता के 40 सोलर ट्री, 2.5 किलोवाट क्षमता के 18 सोलर ट्री, 10 सोलर वॉटर किऑस्क के अधिष्ठापन का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है। साथ ही पर्यटन के दृष्टिगत 02 सोलर बोट का संचालन सरयू नदी पर किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सरयू के तट पर 40 मेगावाट का सोलर प्लाण्ट स्थापित किया गया है। अयोध्या में सरयू नदी तट पर 10.25 किलोमीटर के मार्ग पर लक्ष्मण किला से निर्मली कुण्ड तक 487 स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइट स्थापित कर मार्ग को प्रकाशित करा दिया गया है।

वही वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी योजनांतर्गत अयोध्या शहर में 150 स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइट, 1100 सोलर स्ट्रीट लाइट, 75 सोलर हाई मास्ट संयंत्रों के अधिष्ठापन की कार्यवाही गतिमान है।

दलित छात्र आईआईटी दाखिला

उत्तर प्रदेश छात्रवृत्ति वितरण के लिए प्रमुख संस्थानों को पंजीकृत करेगा

भाषा। लखनऊ

फीस जमा कराने में देरी के कारण आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) की सीट लगभग गंवा देने वाले उत्तर प्रदेश के एक दलित छात्र का मामला सामने आने के बाद प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए राज्य के समाज कल्याण विभाग के साथ सभी आईआईटी, आईआईएम (भारतीय प्रबन्धन संस्थान) और अन्य प्रमुख संस्थानों को पंजीकृत करने की योजना बनाई है।

इस योजना के तहत पंजीकृत होने वाला पहला संस्थान आईआईटी धनबाद होगा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को आईआईटी धनबाद को मुजफ्फरनगर के टिटोरा गांव के एक दिहाड़ी मजदूर के बेटे अतुल कुमार (18) को दाखिला देने का निर्देश दिया था। कुमार, तय समय के भीतर 17,500 रुपए की प्रवेश फीस का भुगतान करने में विफल रहा था, जिस कारण उसने आईआईटी धनबाद में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम की अपनी सीट गंवा दी थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुधवार को घोषणा की थी कि वह छात्रवृत्ति के माध्यम से कुमार की पूरी फीस वहन करेगी। राज्य सरकार अब कुमार जैसे सभी विद्यार्थियों की मदद करने की योजना बना रही है। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया, हम आईआईटी और आईआईएम सहित राज्य के बाहर स्थित सभी राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों को पंजीकरण के लिए लिखेंगे ताकि इन संस्थानों में प्रवेश लेने वाले राज्य के सभी पात्र अभ्यर्थियों को छात्रवृत्ति का निर्बाध वितरण हो सके। अरुण ने कहा कि उन्होंने आईआईटी धनबाद के रजिस्ट्रार से बात की है और संस्थान के बृहस्पतिवार तक समाज कल्याण विभाग के साथ पंजीकृत होने की संभावना है।

मंत्री ने कहा, मैंने आईआईटी धनबाद के अधिकारियों से बात की है और उम्मीद है कि जब तक अतुल संस्थान पहुंचेगा, तब तक संस्थान हमारे साथ पंजीकृत हो जाएगा और भविष्य में अतुल तथा राज्य के सभी अन्य पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति का सुचारू हस्तांतरण सुनिश्चित हो जाएगा। अरुण ने कहा, अभी तक, उत्तर प्रदेश के बाहर आईआईटी जैसा कोई भी संस्थान हमारे साथ पंजीकृत नहीं है।

राजधानी में युवा वकीलों की टीम को मिले 97 निराश्रित

● सरकारी अमले को सिर्फ 35, बाकी जिलों के निराश्रितों का विवरण भी तलब

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने इधर-उधर भटकते और सड़कों के किनारे पड़े हुए निराश्रित लोगों के सम्बन्ध में लखनऊ के अलावा बाकी जिलों का डाटा भी तलब किया है। वहीं पीठ के पूर्व के आदेश के अनुपालन में गठित युवा वकीलों की टीम ने राजधानी के 97 निराश्रितों का विवरण कोर्ट को सौंपा है। जबकि सरकारी अमले ने सिर्फ 35 निराश्रितों की पहचान की है। मामले की अगली सुनवाई 24 अक्टूबर को होगी।

जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश स्थानीय वकील ज्योति राजपूत की ओर से दाखिल एक जनहित याचिका पर दिया है। सुनवायी के दौरान वकीलों की टीम द्वारा एकत्रित किए गए डाटा को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसमें बताया गया है कि 97 में 25 लोग ऐसे हैं जिन पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। वहीं पीठ ने सरकार द्वारा बाकी जिलों के सम्बन्ध में डाटा प्रस्तुत नहीं करने पर नाराजगी भी जताई। पीठ के समक्ष सुनवायी के दौरान बताया गया कि सर्वेक्षण करते समय उनकी टीम को रेलवे ट्रैक के आसपास कुछ बच्चे भी इधर-उधर घूमते दिखाई दिए। कहा गया कि संभव है कि उनका इस्तेमाल भीख इत्यादि मांगने के लिए किया जाता हो। पीठ ने इस पर बाल एवं महिला विकास विभाग तथा बाल कल्याण समिति को मामले को देखने का आदेश दिया है।

चार्जशीट में भोले बाबा का नाम न होने पर मायावती ने उठाए सवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हाथरस जिले में सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में 121 निर्दोषों की मौत के मामले में दाखिल चार्जशीट पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि भोले बाबा को राज्य सरकार का संरक्षण है। मायावती ने सरकार को घेरते हुए कहा कि चार्जशीट में भोले बाबा का नाम नहीं होना जनविरोधी राजनीति है।

गुरुवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने सोशल मीडिया ऐक्स पर पोस्टकर लिखा कि यूपी के हाथरस में 2 जुलाई को हुए सत्संग भगदड़ काण्ड में 121 लोगों जिनमें अधिकतर महिलाओं व बच्चों की मृत्यु के सम्बंध दाखिल चार्जशीट में सूरजपाल सिंह उर्फ भोले बाबा का नाम नहीं होना जनविरोधी राजनीति, जिससे साबित है कि ऐसे लोगों को राज्य सरकार का संरक्षण है, जो अनुचित। उन्होंने आगे लिखा कि मीडिया के अनुसार सिकन्दराराऊ की इस दर्दनाक घटना को लेकर 2,300 पेज की चार्जशीट में 11 सेवादारों को आरोपी बनाया गया है, किन्तु बाबा सूरजपाल के बारे में सरकार द्वारा पहले की तरह चुप्पी क्या उचित? ऐसे सरकारी रवैये से ऐसी घटनाओं को क्या आगे रोक पाना संभव? आमजन चिन्तित।

चोरों की दहशत से रामलीला पर मंडराया संकट एसीपी के समझाने पर राजी हुए ग्रामीण

● पुलिस टीम ने गांव पहुंचकर दूर किया लोगों का डर, पहरेदारी का दिया भरोसा

मोहनलालगंज। ड्रोन और चोरों की दहशत से कोड़रा रायपुर में लोगों ने रामलीला आयोजन का विरोध कर दिया। एसीपी को भनक लगी तो उन्होंने फौरन पुलिस टीम भेजकर लोगों को सुरक्षा का भरोसा देकर उनका डर दूर किया। जिसके बाद पुलिस टीम की मौजूदगी में ग्रामीणों ने आरती में शामिल होकर रामलीला का औपचारिक शुभारंभ किया।

मोहनलालगंज के कोडरा रायपुर में जय भोले बाबा रामलीला समिति की ओर से पिछले कई वर्षों से प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्रि के पहले दिन से रामलीला का शुभारंभ किया जाता था। लेकिन इस बार ड्रोन और चोरों की अफवाह से दहशतजदा ग्रामीणों ने शोर शराबे में अनहोनी की आशंका जाहिर कर रामलीला आयोजन का विरोध जताया। लोगों के विरोध पर समिति ने कई वर्षों से चली आ रही रामलीला का आयोजन नही करने का फैसला लिया। कुछ जागरूक लोगों ने गुरुवार की शाम मामले की जानकारी एसीपी रजनीश वर्मा को दी। एसीपी ने रामलीला समिति के प्रबंधक अशोक कुमार चौरसिया से फोन पर बात कर उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा देकर उनका डर दूर किया। एसीपी के निर्देश पर पहुंची पुलिस टीम ने ग्रामीणों को एकत्र कर अफवाहों से नही घबराने और गांव में पहरा देने का भरोसा दिया। पुलिस टीम के समझाने पर ग्रामीण दहशत से बाहर आ सके। जिसके बाद ग्रामीणों ने रामलीला की आरती में शामिल होकर शुक्रवार से विधिवत रामलीला आयोजित करने पर सहमति दी। रामलीला समिति के प्रबंधक अशोक कुमार चौरसिया ने बताया एसीपी और पुलिस टीम ने शुक्रवार की शाम गांव में चौपाल लगाने और रात में गश्त करने का आश्वासन दिया है। जिससे डर के साए में जी रहे लोगों को काफी राहत मिली है।

शहर में संयुक्त रूप से डेरियों का सर्वे दोबारा करने का निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीएम की अध्यक्षता में डेरी विस्थापन पर विधान सभा, विधान परिषद और सांसद के प्रतिनिधि के साथ बैठक कर चर्चा की गयी। बैठक में सदस्यों द्वारा डेरी विस्थापन को अत्यंत गंभीर मुद्दा बताया गया। जिलाधिकारी द्वारा यह निर्देशित किया गया कि संयुक्त रूप से डेरियों का सर्वे दोबारा कर लिया जाय जिससे यह ज्ञात हो जाय की डेरिया सरकारी भूमि पर हैं। गुरुवार को जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार की अध्यक्षता में शहरी क्षेत्र में डेरी विस्थापन पर सदस्य विधानसभा, सदस्य विधान परिषद, सांसद प्रतिनिधि राजनाथ सिंह दिवाकर त्रिपाठी और नगर निगम, आवास विकास परिषद और एलडीए के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की गयी। जिसमें दिवाकर त्रिपाठी द्वारा बताया गया की डेरी विस्थापन अत्यंत गंभीर और संवेदनशील मुद्दा है, पूर्ण तरीके से कार्ययोजना बनाकर, जगह चिन्हित कर लखनऊ नगर निगम सीमा से बाहर लखनऊ विकास प्राधिकरण और आवास विकास परिषद द्वारा विकसित किया जाय, जहां पशुओं द्वारा जनित गोबर और मल मूत्र के उचित निस्तारण की व्यवस्था की जाय, डेरियों के विस्थापन से पूर्व नगर आयुक्त नगर निगम द्वारा बाई लॉज़ के तहत सार्वजनिक नोटिस की जाय। जो डेरी सार्वजनिक स्थल, पार्क रोड पर संचालित हो रही हों उनको तत्काल प्रभाव से उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 26 के अंतर्गत सार्वजनिक हित और जन स्वास्थ्य की प्राथमिकता में हटाया जा सकता है। इस के लिए पूर्व में डेरी विस्थापन के सम्बन्ध में कैटल कॉलोनी बसाने की कामधेनु नगर योजना, गोकुल और राधा ग्राम योजना की मदद ली जा सकती है जहाँ पर पशुपालको को लीज पर भूमि सब्सिडाईज़्ड दरों पर उपलब्ध कराने की कार्यवाही को आधार मानते हुए कार्ययोजना बनायी जा सकती है।

आजमगढ़ मंडल भी बना 'रूरल टूरिज्म डेवलपमेंट स्ट्रैटेजी' का हिस्सा

● आजमगढ़, मऊ व बलिया के 4 गांवों में रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे समेत विभिन्न पर्यटक सुविधाओं का होगा विकास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने प्रदेश में रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने की प्रक्रिया में एक नए अध्याय को जोड़ा है। प्रदेश की समृद्ध ग्रामीण परिवेश को घरेलू व विदेशी पर्यटकों में प्रसिद्ध बनाने की परियोजना से अब आजमगढ़ मंडल को भी जोड़ा जा चुका है। सीएम योगी के विजन अनुसार योजना के अंतर्गत, आजमगढ़, मऊ व बलिया में 4 गांवों में रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे समेत विभिन्न पर्यटक सुविधाओं विकास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आजमगढ़ मंडल के गांवों को इस योजना के साथ जोड़ने के बाद अब कुल मिलाकर रूरल टूरिज्म के लिए डेवलप किए जा रहे गांवों की संख्या 97 हो गई है। देवीपाटन, चित्रकूट, अयोध्या, लखनऊ तथा वाराणसी मंडल में पहले से ही इस परियोजना के अंतर्गत क्रियान्वयन शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि प्रदेश के अन्य मंडलों के चिह्नित गांवों को भी इस प्रक्रिया से जल्द ही जोड़ा जाएगा। इन सभी पर्यटन विकास एवं निर्माण कार्यों को उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा सीएम योगी के विजन अनुसार पूरा किया जा रहा है और योजना को गति देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

सीएम योगी के विजन अनुसार, परियोजना के अंतर्गत आजमगढ़, मऊ और जौनपुर जिलों में कुल 4 गांवों का चयन रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे परियोजना के लिए चयनित किया जाएगा। सभी चारों गांव में एक विलेज को ऑर्डिनेटर, एक-एक जिला को ऑर्डिनेटर, एक टूरिज्म एक्सपर्ट, एक रूरल डेवलपमेंट एक्सपर्ट व टीम लीड की तैनाती होगी। प्रत्येक गांव में 10 लोकल गाइड, 5 स्टोरी टेलर, तथा लोकल कुजीन का स्वाद उपलब्ध कराने का दायित्म 5 परिवारों को सौंपा जाएगा। इसके अतिरिक्त, जरीदोजी, मूंज, लकड़ी के शिल्पकार, कुम्हार तथा बोटिंग, फिशिंग, फल व सब्जी तोड़ने तथा साइक्लिंग इत्यादि की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 20 कलाकारों तथा स्थानीय लोगों को कार्यभार सौंपा जाएगा। ग्राम स्तर पर 10 होम स्टे तक निर्मित किए जा सकेंगे। इनकी रजिस्ट्रेशन, विकास व नियमन इत्यादि की प्रक्रिया को स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार की पॉलिसी के अनुरूप पूरा किया जाएगा। सारी प्रक्रिया उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के दिशा-निर्देशन में पूरी की जाएगी।

परियोजना के अनुसार, सभी रूम स्टे निधि प्लस पोर्टल के साथ भी एकीकृत होंगे। इसके अतिरिक्त, 4 आइसोलेटेज एग्रो टूरिज्म प्रॉपर्टीज के विकास की संभावनाओं को भी तलाशा जाएगा। परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक तीन महीने में गांवों में टूरिज्म को प्रमोट करने के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन किए जाएंगे। साथ ही, इन सभी ग्रामों का सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अकाउंट बनाकर उन्हें प्रमोट किया जाएगा।

आगामी त्यौहारों को लेकर एडीएम ने की बैठक

संवाददाता। सोनभद्र

आगामी त्यौहार नवरात्र, दशहरा, दीपावली, भाई दूज, छठ पूजा के दृष्टिगत जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों व आयोजकों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित स्थल पर ही पंडाल की स्थापना की जायेगी, मुख्य सड़क से हटकर पार्क या किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर जहां परम्परागत रूप से मूर्ति की स्थापना होती रही है, वहीं पंडाल स्थापित किया जाये।

पंडालों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाये जायें, फायर विभाग से एनओसी प्राप्त कर ली जाये, आयोजक अपने वालेन्टीयर लगाये, उन्हें पहचान पत्र जारी करें तथा उनकी सूची स्थानीय थानों पर भी उपलब्ध करायें, चिन्हित स्थल पर मूर्ति विसर्जन संपन्न कराया जायेगा, विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाये, विसर्जन स्थलों पर गोताखोर भी तैनात रखे जाये। उन्होंने आयोजकों से कहा प्रतिमा विसर्जन के लिए जो स्थान चिन्हित हैं, उन्हीं स्थानों पर विसर्जन संपन्न कराया जाये। अपर जिलाधिकारी ने पंडाल के आस-पास साफ सफाई, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये, उन्होंने कहा कि सभी आयोजन स्थलों, विसर्जन के समय शोभा यात्रा में डीजे निर्धारित मानक के अनुरू ही बजायें जाये, धार्मिक आयोजनों के दौरान अश्लील गाने न बजायें जाये, शोभा यात्रा विसर्जन यात्रा पूर्व निर्धारित रूटों पर ही निकाली जाये परंपरागत रूप से जो भी कार्यक्रम होते रहे हैं वही आयोजित किये जाये कोई भी नई परंपरा की शुरूआत नहीं होगी।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि त्योहारों के दृष्टिगत विद्युत आपूर्ति निर्वाध रूप से संचालित रहे, इसके लिए विद्युत विभाग के अधिकारी संपूर्ण व्यवस्था, दुरुस्त कर ले। अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने सभी थाना प्रभारी क्षेत्राधिकारी व एसडीएम से उनकी तैयारियों की समीक्षा कर विस्तृत दिशा निर्देश दिये, उन्होंने कहा कि जिन मार्गो से होकर शोभा यात्रा या मूर्ति विसर्जन यात्रा निकलनी है, उस पर साफ सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान दिया जाये, साथ ही सम्बन्धित मार्गो को भी दुरूस्त करा लिया जाये।

सभी पंडालों शोभा यात्रा मार्गो का पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम भेजकर निरीक्षण करा लिया जाये। उन्होंने कहा सोशल मीडिया पर नजर रखी जाये, उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नियमित रूप से फुट पेट्रोलिंग की जाये, नवरात्रि, दशहरा के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था हेतु व्यापक प्रबंध किये गये है।

बैठक में उप जिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी राजेश सिंह निखिल यादव विनय कुमार सिंह सभी थाना प्रभारी सम्बन्धित विभाग के अधिकारी तथा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए सामान्य नागरिक, धर्मगुरू, आयोजक आदि लोग उपस्थित रहे।

शारदीय नवरात्र पर होंगे धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम

सोनभद्र। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने अवगत कराया कि 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर की अवधि तक शारदीय नवरात्रि के अवसर पर धार्मिक एवं सांस्कृति कार्यक्रम आयोजित कराये जाने की प्रक्रिया में समस्त देवी मंदिरों शक्तिपीठों में भव्यपूर्ण देवी गायन दुर्गा सप्तशती पाठ अखण्ड रामायण पाठ झाकिंयों का कार्यक्रम सम्पन्न कराना जाना है। उक्त के दृष्टिगत जनपद में चयनित देवी मंदिरों शक्तिपीठों में धार्मिक एवं संस्कृति कार्यक्रम के सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने के मकसद से जिला विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित करते हुए जनपद स्तरीय तहसील स्तरीय एवं विकास खण्ड स्तरीय समितियों का गठन किया गया है। शारदीय नवरात्रि की शुभ तिथियों में विशेष अभियान चलाते हुए चयनित देवी मंदिरों शक्तिपीठों में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं की विशेष रूप से सहभागिता सुनिश्ति की जायेगी।

पूर्व सांसद कपिलमुनि करवरिया और पूर्व एमएलसी सूरजभान की पैरोल हुई मंजूर

संवाददाता। प्रयागराज

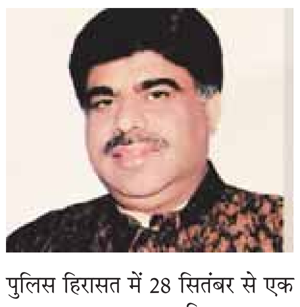

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिवंगत पूर्व भाजपा विधायक नीलम उदयभान करवरिया के क्रिया कर्म और तेरहवीं संस्कार में शामिल होने के लिए पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया और पूर्व एमएलसी सूरजभान करवरिया का चार अक्टूबर से दस अक्टूबर तक पेरोल स्वीकृत किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरविंद सिंह सांगवान एवं न्यायमूर्ति मोहम्मद अजहर हुसैन इदरीशी की खंडपीठ ने दोनों भाइयों की अर्जियों पर उनके अधिवक्ता सुरेश चंद्र द्विवेदी और सरकारी वकील को सुनकर पारित किया है।

अधिवक्ता सुरेश चंद्र द्विवेदी ने न्यायालय को बताया कि हाल ही में न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता एवं न्यायमूर्ति सुरेन्द्र सिंह की खंडपीठ ने स्वर्गीय नीलम उदयभान करवरिया के अंतिम संस्कार के लिए दोनों भाइयों को पुलिस हिरासत में 28 सितंबर से एक अक्टूबर तक अल्पकालिक जमानत दी थी। यह भी कहा कि उन्हीं शर्तों और नियमों पर दोनों भाइयों को नीलम उदयभान करवरिया के क्रिया कर्म और तेरहवीं में शामिल होने के लिए अल्पकालिक जमानत दी जानी चाहिए जो पांच अक्टूबर से आठ अक्टूबर तक आयोजित होना है।

सुनवाई के बाद खंडपीठ ने पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया एवं पूर्व एमएलसी सूरजभान करवरिया को चार से 10 अक्टूबर तक अल्पकालिक पैरोल पर रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस अवधि में दोनों भाई अपने खर्च पर पुलिस हिरासत में रहेंगे।

यह भुगतान जेल में आत्मसमर्पण करने पर या उससे पहले किया जाएगा। कोर्ट ने रजिस्ट्रार अनुपालन यह आदेश आज ही पक्षकारों को तामील कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। दोनों भाई दस अक्टूबर को शाम पांच बजे वरिष्ठ अधीक्षक सेंट्रल जेल नैनी के समक्ष आत्मसमर्पण करेंगे और अगली तिथि पर न्यायालय के समक्ष समर्पण प्रमाणपत्र दाखिल करेंगे।

स्वच्छता ही स्वास्थ्य और शांतिपूर्ण जीवन का है मूल मंत्रः आरपी सिंह

सोनभद्र। हिण्डालको रेनुसागर ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सुदूरवर्ती ग्रामीणों क्षेत्रों में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत चलाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतिम चरण में सुमंगलम भवन में आयोजित अभिनन्दन कार्यक्रम में 125 सफाई मित्रों को स्वच्छता कीड देकर उत्साह वर्धन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हिण्डालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि सफाई मित्र के अभिनन्दन कर्यक्रम में अपने आपको पाकर गौरवांनित महसूस कर रहा हूं। स्वच्छता' ही स्वास्थ्य और शान्तिपूर्ण जीवन का मूल मंत्र है। साफ-सफाई एक अच्छी आदत है, स्वच्छ पर्यावरण और आदर्श जीवन शैली के लिये हर एक व्यक्ति को यह आदत बनानी चाहिये। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मानसिकता का विकास होता है। इसके पूर्व ग्रामीण विकास विभाग के सहायक प्रबन्धक संजीव श्रीवास्तव ने आये हुए अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा के तहत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक ग्रामीण क्षेत्रों की साफ-सफाई, ड्राइंग एवं स्लोगन प्रतियोगिता,पालीथीन को बंद करने के प्रति लोगो को जागरूक किया गया तत्पश्चात कपड़े का थैला भी वितरण किया गया।

बेटे बहू के खिलाफ मां के कंप्लेंट केस में जारी सम्मन आदेश को उच्च न्यायालय ने किया रद्द

- कोर्ट ने धन की लालच को लेकर दर्ज मामले में गरुड़ पुराण के श्लोक का दिया उदाहरण
- कोर्ट ने कहा नहीं बनता षड्यंत्र व अमानत में ख़यानत का केस

संवाददाता। प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मां द्वारा अपने ही बेटे बहू के खिलाफ षड्यंत्र, अमानत में ख़यानत और कपट के आरोप में दर्ज कराए आपराधिक केस में सीजेएम आगरा के जारी सम्मन आदेश को रद्द कर दिया।

साथ ही मृतक छोटे बेटे की मौत पर नौ वर्षीय नाबालिग बच्ची को मिली एक करोड़ की बीमा राशि को उसके बालिग होने तक सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में गरूण पुराण के एक श्लोक का उद्धरण दिया कि लोभ मूलानि पापानि संकटानि तथैव च लोभात्प्रवर्तते वैरमति लोभाद्विनश्यति। यानि धन की लालच में आपराधिक केस कायम किया गया। कोर्ट ने कहा याचियों बेटे बहू के खिलाफ उनकी मां के केस पर बहन ने पेश होकर बयान दिया कि कोई धोखाधड़ी नहीं की गई है।

याची ने बच्ची को मिले धन को भविष्य सुरक्षित करने के लिए बेहतर स्कीम में पैसे जमा किए हैं। वह भी शिकायतकर्ता मां की सहमति से। मां पर जीएसटी बकाया वसूली कार्रवाई की जा रही है। उसे भी बेटे की बीमा राशि से 50 लाख मिला है जो पोस्ट आफिस में जमा है।

जीएसटी विभाग ने खाता सीज कर दिया है। जिस पर कोर्ट ने विभिन्न स्कीमों में जमा राशि का मूल दस्तावेज सील कवर महानिबंधक कार्यालय में जमा करा दिया और आदेश दिया कि मां के खिलाफ जीएसटी वसूली कार्रवाई का बच्ची के एक करोड़ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कोर्ट ने जिलाधिकारी आगरा और एसडीएम जलेसर को जरूरी कदम उठाने का आदेश दिया है।साथ ही सभी को जिलाधिकारी के समक्ष पेश होने तथा बच्ची को पूरी जानकारी देने तथा चार हफ्ते में महानिबंधक को रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

याचिका को जिलाधिकारी की रिपोर्ट के साथ छह हफ्ते बाद पेश करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने विवेक कुमार गोयल और अन्य की याचिका पर दिया है।

याची का कहना था उन्होंने कोई षड्यंत्र या गबन नहीं किया है। एक करोड़ में से बच्चे के भविष्य के लिए 34 लाख रूपए विभिन्न स्कीमों में जमा किया है। शेष राशि खाते में जमा है। उनके खिलाफ झूठा केस दर्ज किया गया है। मालूम हो कि मां द्वारा दर्ज कंप्लेंट केस में बयान दर्ज होने के बाद सी जे एम ने याचियों को सम्मन जारी किया।

जिसके खिलाफ पुनरीक्षण अर्जी को स्वीकार कर अपर सत्र अदालत ने सम्मन रद कर मजिस्ट्रेट को फिर से आदेश देने का निर्देश दिया। इसके बाद मजिस्ट्रेट ने याची पति को धारा 406 व याची पत्नी को धारा 406 और 120 बी के तहत सम्मन जारी किया। आरोप लगाया गया कि याची ने मां के नाम खाता खोला और रूपये अपनी पत्नी के खाते में स्थानांतरित करना लिए।

किंतु यह सही नहीं पाया गया। कोर्ट ने कहा याचीगण के खिलाफ आपराधिक न्यास भंग व षड्यंत्र का केस नहीं बनता और शिकायतकर्ता मां को जीएसटी वसूली के खिलाफ कानून का सहारा लेने को कहा है। किंतु बच्ची के हक में मिली एक करोड़ राशि को सुरक्षित कर दिया है।

क्विक न्यूज

विद्युत विभाग में भुखमरी के कगार पर कंप्यूटर ऑपरेटर

गाजीपुर। विद्युत वितरण मंडल के सभी खंडों एवम उपखंडो और बिजिलेंस ऑफिस में तैनात कुल 39 कंप्यूटर ऑपरेटरो का अभी तक पिछले 4 माह का वेतन ना मिलने से इन कर्मियों के सामने भुखमरी आ गया है। वही विद्युत मजदूर पंचायत के मंडल अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय आमघाट के पूर्व अधिशाषी अभियंता के तानाशाही रवैया से वेतन में देरी हुई है,जो अब नए अधिशाषी अभियंता द्वितीय आशीष कुमार को भी पीछे दिनों अवगत कराते हुवे इन कम्यूटर ऑपरेटरों के वेतन के लिए एजेंडा भी दिया गया है परंतु अभी तक ये अधिशाषी अभियंता आशीष कुमार द्वारा अपने डिविजन के कंप्यूटर ऑपरेटरो का एटेंडेस नही भेजे है जिसके चलते विद्युत वितरण मंडल गाजीपुर के अधीन सभी खंडों,उपखंडों एवम विजिलेंस थानों में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर का पिछले 4 माह का वेतन मेसर्स क्यू स्क्वायर के द्वारा नही लगाया जा रहा है और इधर सर पर दशहरा का बड़ा त्योहार भी सामने आ रहा है वही हमारे कर्मियों के बाल बच्चो का फीस स्कूल में जमा करना वही परिवार भी चलाना दुर्लभ हो गया है और आए दिन विभाग के अधिकारी लगातार जबरदस्ती तरीके से 8 घंटे के जगह 12 घंटे कार्य करवा रहे है और वेतन दिलवाने में असमर्थता दिखा रहे हैं।

विवेक बरनवाल बने वैश्य समाज मीरजापुर के जिलाध्यक्ष

मीरजापुर। वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के संरक्षक उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री मीरजापुर जिलें के प्रभारी नंद गोपाल नंदी के आशीर्वाद से एवं संगठन के प्रदेश महामंत्री श्री संजय केशरी जी के प्रस्ताव पर वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय केशरी ने ई0 विवेक बरनवाल को मीरजापुर जिले का जिलाध्यक्ष एवं प्रतिक अग्रवाल को महामंत्री मनोनीत किया। ई0 विवेक बरनवाल ने माननीय केबिनेट मंत्री एवं संगठन के संरक्षक श्री नंद गोपाल नंदी ,प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही साथ कहा कि पूरा वैश्य समाज पूर्ण रूप से हिंदुत्व के मुद्दे पर हमेशा साथ रहा है।

20 कुष्ठ रोगियों को मिली पोषण पोटली

मीरज़ापुर। कुष्ठ रोग की पहचान कर समाज से पूरी तरह सफाया करने के लिए स्पर्श कुष्ठ रोग अभियान चलाया जाता रहा है इसी के तहत 02 अक्टूबर को जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने अपने कार्यालय स्थित सभागार में 20 कुष्ठ रोगियों को जिलाधिकारी ने पोषण पोटली देने का कार्य किया है जो उनको जल्द से जल्द ठीक करने में सहायक साबित होता है। इस आशय की जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर सीएल वर्मा ने दी। कुष्ठ रोग अधिकारी डाक्टर लाल जी गौतम ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा गांव गांव में संपर्क कर कुष्ठ रोग से संबंधित भ्रांतियों को जवाब सवाल के द्वारा दूर करने का प्रयास किया जा रहा है कुष्ठ रोग छुआ छूत का रोग तथा अनुवांशिक बीमारी नहीं है इसकी जांच एवं दवाएं सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर निशुल्क वितरित की जाती हैं।

बार दो हजार से अधिक स्थानों पर लगेंगे दुर्गा पंडाल

अम्बेडकर नगर। जनपद में इस बार दो हजार से अधिक स्थानों पर पंडाल बनाकर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। दुर्गा पंडालो पर किसी तरह की अव्यवस्था न हो इसके लिए प्रशसन की तरफ से पंडाल पर नोडल अधिकारी की नियुक्ति किया गया है, साथ हीं सुरक्षा व्यवस्था क़े पुख्ता इंतजाम किया गया है! पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने बताया कि इस बार जनपद में दो हजार से अधिक दुर्गा पंडालो मे माँ दुर्गा प्रतिमा की स्थापना किया जा रहाहै।उन्होंने बताया की इस बार 10दिन पूर्व दुर्गापूजा कंट्रोल रूम की स्थापना की गयी है, साथ हीं ड्रोन कैमरा ,पुलिस प्रशसन की तरफ से नवीन प्रयास किया जा रहा है, एसपी नें बताया की दुर्गा पंडालो मे सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने क़े लिए प्रत्येक पंडाल पर एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति जायेगा, साथ हीं सभी पंडालो सुरक्षा संबंधी एक नोडल पुलिस अधिकारी एवं वहा क़े वालेंटियर क़े साथ मिलकर सुरक्षा समिति का गठन किया गया है, पुलिस की ओर से सभी पूजन समितियों से अपील की गई है कि वे सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था सुनिश्चित करें !

जलभराव की समस्या पर अधिकारी होंगे जिम्मेदार

सकलडीहा, चन्दौली। शारदीय नवरात्र को लेकर जिला प्रशासन की ओर से साफ सफाई का विशेष निर्देश दिया गया है। इसके बाद भी पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से सड़कों पर नाबदान का पानी बह रहा है। जिसे लेकर कस्बावासियों में आक्रोश है। गुरूवार को एसडीएम अनुपम मिश्रा से मिलकर कस्बावासियों ने शिकायत दर्ज कराया है। एसडीएम ने पीडब्ल्यूडी और पंचायत विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखकर साफ सफाई व जलभरॉव की समस्या से निजात दिलाने का निर्देश दिया है। सकलडीहा कस्बा में शारदीय नवरात्र पर नव दिवसीय मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की झांकी निकलती है। इसके अलावा मंदिर के शिव सरोवर में रावण का पूतला दहन और मूर्ति विसर्जन होता है। जहां हजारों की संख्या में भीड़ जुटती है। बीते वर्ष पीडब्ल्यूडी विभाग की लापरवाही से गंदा नाला का दूषित पानी सरोवर में छोड़ दिये जाने से ग्रामीणों ने जमकर हो हल्ला और विरोध जताया था। जिसे लेकर तहसील और पुलिस प्रशासन को पूरी रात कस्बावासियों को समझाने में जुटा रहा। पुनः अधूरी नाला के अभाव में सड़क पर नाबदान का पानी बह रहा है। मंदिर गेट के समीप गंदा नाला का पानी बजबजा रहा है। जिसकी शिकायत कस्बावासियों ने एसडीएम से किया है। इस बाबत एसडीएम अनुपम मिश्रा ने बताया कि पीडब्ल्यूडी और पंचायत विभाग को पत्र भेजा जा रहा है। किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर संबधित विभाग के अधिकारियों के जिम्मेदारी तय की जायेगी।

राजस्व वादों के तीव्र निस्तारण के लिये अधिवक्ताओं से अपील

सकलडीहा, चन्दौली। शासन की ओर से राजस्व वादों का अभियान चलाकर तेजी से निस्तारण करने का निर्देश दिया है। जिससे लम्बे समय से परेशान वादकारियों को तत्वरित लाभ मिल सके। गुरूवार को तहसील प्रशासन संयुक्त बार के अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर वादों के निस्तारण में सहयोग की अपील किया है। इस दौरान अधिवक्ताओं ने वादकारी हित में सहमति जताया है। सकलडीहा तहसील में एसडीएम और एसडीएम न्यायिक, तहसीलदार और तहसीलदार न्यायिक के अलावा बढ़वल,बरह, महुआरी और महाईच के कुल 8न्यायालयों में राजस्व वाद लम्बे समय से लंबित है। शासन की ओर से राजस्व वादों का तेजी से निस्तारण कराने का निर्देश जारी हुआ है। जिसके तहत धारा 24, 34 और 80 के तहत पांच वर्ष से अधिक लंबित राजस्व वादों का निस्तारण 27 सितम्बर से 14 दिसम्बर तक निस्तारण का निर्देश है। इस क्रम में तहसील प्रशासन ने संयुक्त बार के अधिवक्ता पदाधिकारियों के साथ बैठक कर वादों के निस्तारण में सहयोग करने की अपील किया। तहसीलदार अजीत सिंह ने बताया कि राजस्व वादों का अभियान चलाकर निस्तारण कराया जायेगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर बनाई गई योजना

प्रयागराज। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर योजना बनाई गई है। एक एक्टर अपने काम में निखार लाने के लिए सुबह से लेकर देर रात तक रिहर्सल और शूटिंग में कई कई घंटे बिताता है। वह अपने किरदार को पूरी सच्चाई से निभाने के लिए स्क्रिप्ट और किरदार की पृष्ठभूमि का गहरा अध्ययन करते हुए अपने रोल्स में पूरी तरह ढल जाते हैं। ऐसी ही एक मिसाल हैं एक्टर आर्य बब्बर जो जी टीवी पर प्रसारित जागृति एक नई सुबह में काली कांत ठाकुर के अपने रोल के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं। असल में उनका लुक देखकर लोग उनकी तुलना क्लासिक फिल्म मेरा गांव मेरा देश में लेजेंडरी एक्टर स्वर्गीय विनोद खन्ना के किरदार से करने लगे हैं। ज्यादा जानने के लिए देखते रहिए जागृति एक नई सुबह रोज रात साढ़े बजे सिर्फ जी टीवी पर आएगा।

श्रीराम सीता व लक्ष्मण के वन प्रस्थान के मंचन को देख दर्शक हुए भावुक

संवाददाता। गाजीपुर

अति प्राचीन रामलीला कमेटी हरिशंकरी के तत्वावधान में लीला के पांचवें दिन हरिशंकरी स्थित श्रीराम चबूतरा पर दशरथ कैकेई श्रीराम संवाद व विदाई मांगने के प्रसंग का मंचन हुआ। रामलीला शुरू होने से पूर्व कमेटी के मंत्री ओमप्रकाश तिवारी, संयुक्त मंत्री लक्ष्मी नारायण, उपमंत्री लव त्रिवेदी, मेलाप्रबंधक मनोज कुमार तिवारी, उप प्रबंधक मयंक तिवारी, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने श्रीराम लक्ष्मण सीता का पूजन आरती किया।

इसके बाद बंदे वाणी विनायकौ आदर्श रामलीला मंडल के कलाकारों द्वारा मंच पर श्री दशरथ कैकेई तथा श्री राम संवाद व विदाई मांगने की लीला का मंचन हुआ। जिसमें दर्शाया गया कि महाराज दशरथ को मालूम हुआ कि महारानी कैकेई कोपभवन में फटे पुराने वस्त्र धारण करके कोप भवन में जाकर जमीन पर लेट गई है तो वे अपने राज दरबार से उठकर महारानी कैकई को मनाने के लिए कोप भवन में पहुंचते हैं और उनके नाराज होने का कारण पूछते हैं।

महाराज दशरथ के वचन को सुनकर कैकेई ने याद दिलाया कि महाराज देवा सुर संग्राम में आपने दो वरदान देने को कहा था वह समय आ गया। महाराज दशरथ ने कहा कि प्रिये मुझे अपनी बात याद है तुम जब चाहे वरदान ले सकती हो मैंने जो प्रतिज्ञा किया है वह अटल है। कहा कि रघुकुल रीति सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई। मैं अपने प्रिय पुत्र श्रीराम का सौगंध लेकर कहता हूं कि तुम अभी इसी समय वरदान मांगो तुम्हें क्या चाहिए।

महाराज के वचन को सुनकर कैकेई ने कहा कि महाराज पहले वरदान में मेरे पुत्र भरत को अयोध्या का राज आपको देना होगा। इसके बाद तापस वेष विसेषि उदासी चौदह बरिश राम बनवासी। दूसरे वरदान में आपके बड़े पुत्र श्रीराम को तपस्वी का भेष धारण करके चौदह वर्ष के लिए वन में जाना होगा।

महाराज दशरथ राम वन गमन की बात सुनकर मूर्छित होकर जमीन पर गिर पड़ते। महाराज के मूर्छित होने की बात जब राज दरबार में कुलगुरु वशिष्ठ और श्रीराम को मिलता है तो वे महारानी कैकई के कक्ष में पहुंचकर महाराज के मूर्छित होने की बात को सुनते हैं।

डीएम के प्रयासों से बहाल हुई बिजली की आपूर्ति

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के अथक प्रयास से 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कटेहरी एवं सेनपुर से पोषित समस्त क्षेत्र के उपभोक्ताओं की बाधित विद्युत आपूर्ति बहाल हुई। 132 के0वी0 कोटवा महमदपुर से पोषित 33 केवी न्यू कटेहरी फीडर जिस पर दो उपकेन्द्र 33/11 केवी कटेहरी एवं सेनपुर संचालित है। जिसमें रेलवे लाइन के नीचे से गुजर रही 33 केवी न्यू कटेहरी लाइन के अंडरग्राउंड केबल के 29 को रात्रि में क्षतिग्रस्त होने के कारण ब्रेकडाउन हो गयी थी। जिसके संज्ञान में आते ही डीएम द्वारा तत्काल अधीक्षण अभियंता सहित विद्युत विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर रहकर क्षतिग्रस्त केवल को ठीक कराकर जन सामान्य को विद्युत आपूर्ति बहाल करने हेतु निर्देशित किया गया था। साथ ही अपर जिलाधिकारी को स्वयं नियमित मॉनिटरिंग करने व रेलवे के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर निर्बाध विद्युत आपूर्ति के स्थाई समाधान को निर्देशित किया।

4 अक्टूबर को होगा डिप्टी सीएम मौर्य का आगमन, डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा 4 अक्टूबर 2024 को उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, केशव प्रसाद मौर्य के जनपद में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थल जयराम वर्मा स्मारक इंटर कॉलेज, नाऊसांडा, थाना इब्राहिमपुर, विकासखंड टांडा का निरीक्षण किया गया तथा समस्त कार्यों की अपेक्षित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल के पास बनाए जा रहे अस्थाई हेलीपैड के संपूर्ण कार्यों को समय से पूर्ण करने तथा कार्यक्रम स्थल के संपूर्ण परिसर एवं आसपास के संपर्क मार्गों पर बेहतर साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने ग्राम चौपाल एवं स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम हेतु निर्धारित कार्यक्रम स्थल प्राथमिक विद्यालय पूराबक्शराय, विकासखंड टाण्डा का निरीक्षण किया तथा सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने-अपने विभागो से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाओं की लगाई जा रही स्टालों के कार्यों को ससमय पूर्ण करने के निर्देश दिए।

चन्द्र किशोर जायसवाल और रेनू यादव को मिला श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको युवा साहित्य सम्मान

संवाददाता। प्रयागराज

उर्वरक क्षेत्र की प्रमुख संस्था इफको द्वारा वर्ष 2024 का श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य सम्मान कथाकार चन्द्र किशोर जायसवाल को प्रदान किया गया। इसी वर्ष शुरु हुए श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको युवा साहित्य सम्मान रेनू यादव को उनके कहानी संग्रह काला सोना के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान नई दिल्ली के इंडिया हैबिटैट सेंटर के स्टेन सभागार में आयोजित समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी ने प्रदान किया। चन्द्र किशोर जायसवाल का जन्म 15 फरवरी 1940 को बिहार के मधेपुरा जिले के बिहारीगंज में हुआ।

उन्होंने पटना विश्वविद्यालय पटना से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर शिक्षा हासिल की और अरसे तक अध्यापन करने के बाद भागलपुर अभियंत्रण महाविद्यालय भागलपुर से प्राध्यापक के रूप में सेवानिवृत्त हुए। रेनू यादव का जन्म 16 सितम्बर 1984 को गोरखपुर में हुआ। भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग हिन्दी गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर कार्यरत रेनू की प्रमुख कृतियां हैं। इन्हें सृजन श्री सम्मान सृजन सम्मान बहुआयामी सांस्कृतिक संस्था एवं प्रमोद वर्मा स्मृति संस्थान रायपुर छत्तीसगढ़ के साथ ही विरांगना सावित्रीबाई फूले नेशनल फेलोशिप अवार्ड भारतीय दलित साहित्य कादमी दिल्ली प्राप्त हैं। मूर्धन्य कथाशिल्पी श्रीलाल शुक्ल की स्मृति में वर्ष 2011 में शुरू किया गया यह सम्मान प्रत्येक वर्ष ऐसे हिन्दी लेखक को दिया जाता है। जिसकी रचनाओं में ग्रामीण व कृषि जीवन का चित्रण किया गया हो।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत सम्मानित साहित्यकार को एक प्रतीक चिह्न प्रशस्ति पत्र तथा ग्यारह लाख रुपए की राशि का चैक प्रदान किया जाता है। इफको निदेशक मंडल के अनुमोदन से इस वर्ष से शुरू हुए श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको युवा साहित्य सम्मान के अंतर्गत सम्मानित साहित्यकार को एक प्रतीक चिह्न प्रशस्ति पत्र और ढाई लाख रुपए का चैक प्रदान किया जाएगा। वरिष्ठ साहित्यकार प्रो असग़र वजाहत की अध्यक्षता वाली निर्णायक समिति ने मधु कांकरिया का चयन ग्रामीण व कृषि जीवन भारत के बदलते यथार्थ पर केन्द्रित उनके व्यापक साहित्यिक अवदान को ध्यान में रखकर किया।

निर्णायक मंडल में डॉ अनामिका प्रियदर्शन यतींद्र मिश्र डॉ नलिन विकास एवं उत्कर्ष शुक्ल शामिल थे। इफको के प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी ने चन्द्र किशोर जायसवाल को बधाई देते हुए कहा कि श्री जायसवाल गहरे सामाजिक सरोकारों के रचनाकार हैं। उन्होंने पूर्णिया अंचल और ग्रामीण जीवन के विषयों पर कुशलता के साथ अपनी लेखनी चलाया है।

डॉ अवस्थी ने चन्द्र किशोर की रचनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अपने कथा संसार में उन्होंने ग्रामीण परिवेश की जटिलताओं को पकड़ने की कोशिश की है। सम्मान चयन समिति के अध्यक्ष प्रो असगर वजाहत ने चयन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नारद मोह मंचन के साथ बीजपुर में रामलीला का हुआ शुभारम्भ

बीजपुर, सोनभद्र। श्री श्री दुर्गा पूजा एवं रामलीला समिति 2024 के तत्वावधान में बीजपुर बाजार में चालू माह अक्टूबर की एक तारीख से 13 तारीख तक आयोजित किए जाने वाले रामलीला सामारोह का भव्य शुभारंभ हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में मंगलवार की रात्रि पूजा समिति के अध्यक्ष बृजकिशोर मोदनवाल ऊर्फ पप्पू एवं समिति के अन्य पदाधिकारियों के आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में संविदाकार डी पी सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रुप मे प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश कुमार मिश्र ने अन्य सह अतिथियों के साथ रामलीला मंच का फीता काटने के पश्चात भगवान श्री राम का मुकुट पूजन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अतिथिद्वय श्री मिश्र व श्री सिंह ने सम्बोधन के जरिए उपस्थित जन समुदाय को भगवान श्री रामचंद जी के दिखाए हुए मार्ग पर चलकर अपने व अपने समाज को आदर्श बनाने के लिए आगाह किया। इसके पूर्व समिति के अध्यक्ष, पदाधिकारियों व अन्य संभ्रांत नागरिकों द्वारा आए हुए अतिथियों को माल्यार्पण करके करतल ध्वनि के बीच उन सभी का स्वागत किया गया।

ईरान-इस्राइल टकराव

चिन्ता का विषय

ईरान-इस्राइल टकराव ईरान के हालिया मिसाइल हमलों के कारण गंभीर हो गया है और यह सारी दुनिया की चिन्ता का विषय बन गया है। ईरान द्वारा इस्राइल के खिलाफ भारी संख्या में मिसाइल हमले से पश्चिम एशिया में शांति को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इससे क्षेत्र में व्यापक टकराव की आशंका है। मंगलवार रात को ईरान ने 181 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं जिससे लगभग 10 मिलियन इस्राइलियों को 'बम शेल्टरों' में जाने को मजबूर होना पड़ा। इस्राइली रक्षा बलों-आईडीएफ ने हमले को नाकाम करने के प्रयास किए। जहां इस्राइल के 'आयरन डोम' व 'ऐरो डिफेंस सिस्टम' ने अधिकांश मिसाइलों को बेकार कर दिया, वहीं कुछ मिसाइलें रक्षा आवरण भेदने में सफल रहीं जिनसे मामूली नुकसान हुआ। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू ने फौरन इस हमले की निन्दा करते हुए इसे ईरान की 'भारी गलती' बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान को इसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे, हालांकि उन्होंने पूर्ण युद्ध की घोषणा नहीं की है। यह ईरान का इस साल अप्रैल में किए हमले के बाद इस्राइल के खिलाफ दूसरा मिसाइल हमला है। ईरानी अधिकारियों ने दावा किया कि यह मिसाइल हमला हाल में हिजबुल्ला नेता हसन नसरुल्ला व हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्याओं का बदला है जिन पर इस्राइली सेना ने निशाना लगाया था।

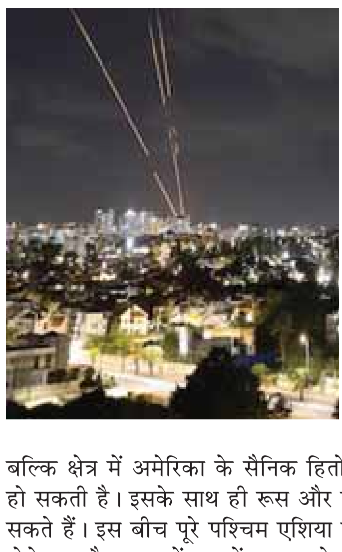

इस मिसाइल हमले पर फौरन अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियायें सामने आईं। अमेरिका ने ईरान को कठोर चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आश्वासन दिया है कि ईरान द्वारा किसी अन्य हमले के खिलाफ संयुक्त सैनिक कार्रवाई का समर्थन किया जाएगा। इस टकराव में अमेरिका के शामिल होने से पहले से ही अस्थिर यह क्षेत्र और अस्थिर हो जाएगा। इससे न केवल इस्राइल, बल्कि क्षेत्र में अमेरिका के सैनिक हितों पर ईरानी बदले की कार्रवाई हो सकती है। इसके साथ ही रूस और चीन भी टकराव में शामिल हो सकते हैं। इस बीच पूरे पश्चिम एशिया में मानवीय संकट बढ़ रहा है। लेबेनान और गाजा में हजारों-हजार लोग विस्थापित हुए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने से क्षेत्रीय स्थायित्व संकट में है क्योंकि भौगोलिक रूप से टकराव क्षेत्रों के निकट स्थित ईराक और जार्डन भी हिंसा का शिकार हो सकते हैं। विश्व समुदाय इस क्षेत्र में तनाव घटाने की मांग कर रहा है तथा संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव एंटोनियो गुटरेस ने तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया है। हालांकि, राजनयिक प्रयास जारी हैं, पर स्थाई शांति की संभावना अभी दूर है क्योंकि इस्राइल और ईरान दोनों और टकरावों की तैयारी कर रहे हैं। इससे क्षेत्र और दुनिया में शांति स्थापना का समय बीतता जा रहा है। यदि अमेरिका और पश्चिमी देश युद्ध में ज्यादा संलिप्त होते हैं तो जल्द ही रूस और चीन भी इसमें कूद सकते हैं। वर्तमान स्थिति में तनाव घटाने का दायित्व प्रमुख विश्व शक्तियों का है जिसमें खासकर अमेरिका, रूस और यूरोपीय देश शामिल हैं। इस परिदृश्य में भारत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है क्योंकि वह तटस्थ देश है और उसकी मित्रता रूस और अमेरिका के साथ ही इस्राइल और ईरान के साथ भी है। फिलहाल टकराव क्षेत्रों में फंसे सिविलियनों के लिए 'मानवीय गलियारे' बनाने पर तत्काल ध्यान देना और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लेबेनान, गाजा और इस्राइल में हिंसा के शिकार लोगों तक सहायता पहुंचे। 'उड़ान वर्जित क्षेत्र' की स्थापना तथा सैनिक कार्रवाइयों पर अस्थाई विराम लगा कर शांति वार्ताओं के लिए उपयुक्त परिवेश तैयार किया जा सकता है।

लड्डुओं पर राजनीतिक संग्राम

तिरुपति में लड्डुओं के मुद्दे पर पूरी देश में गुस्सा पैदा हुआ। इससे धर्म, राजनीति और विश्वास के बीच नाजुक संतुलन पर सवाल उठ रहे हैं। राजनेताओं को ऐसे मुद्दों पर संवेदनशीलता बरतनी चाहिए।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

तिरुपति में लड्डुओं के प्रसाद में मिलावटी घी प्रयोग करने के मुद्दे पर पूरी देश में गुस्सा पैदा हुआ। इससे धर्म, राजनीति और धार्मिक विश्वास के बीच नाजुक संतुलन पर सवाल उठ रहे हैं। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम द्वारा बिक्री किए जाने वाले 'श्रीवारी लड्डू' जैसी मिठाई पर उपजे विवाद और संदेह का विगत दिनों में काफी विस्तार हुआ है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू द्वारा तिरुपति प्रसाद के लड्डुओं में नकली घी के प्रयोग से मामला बहुत गरम हो गया, पर यह यहीं समाप्त होने वाला नहीं है। पिछले सप्ताह इस मामले ने और तूल पकड़ ली और यह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के हाथ में एक 'राजनीतिक हथियार' के रूप में सामने आ गया। इस हथियार से वे अपने पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर हमला बोल रहे हैं।

कांग्रेस और भाजपा जैसी दूसरी राजनीतिक पार्टियों ने भी इसे अपने लाभ के लिए उठाने का प्रयास किया। कुछ लोग इस प्रकरण को एक धार्मिक मुद्दे की तरह देख रहे हैं, जबकि दूसरों का कहना है कि यह व्यापक रूप से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का मामला है। आध्यात्मिक नेताओं का कहना है कि लड्डू ईश्वर का भोजन है और देवताओं को मिलावटी लड्डू नहीं चढ़ाए जाने चाहिए। लड्डुओं से जुड़ा विवाद एक प्रकार से राजनीति, धर्म, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता तथा जनता के बीच नाजुक संतुलन को अस्थिर करता लग रहा है। तिरुपति देवस्थानम में प्रसादम के रूप में प्रयोग होने वाले स्वादिष्ट लड्डू शुद्ध घी, चीनी, इलायची, मेवों, काजू और बेसन से बनाए जाते हैं। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम की आधुनिक रसोई में लड्डू प्रसादम बनाने के लिए रोज 14 टन गाय का घी प्रयोग किया जाता है।

पहले इनको देवता को अर्पित किया जाता है और इसके बाद भक्तों को ईश्वरीय प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। भक्तों को लड्डू बेच कर हर साल लगभग 500 करोड़ रुपये की आमदनी होती है। आंध्र प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री तेलगू देशम पार्टी-टीडीपी के नेता चंद्रबाबू नायडू ने लड्डू विवाद उठा कर अपने पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री वाईएसआर कांग्रेस के जगन मोहन रेड्डी पर राजनीतिक हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि रेड्डी सरकार ने प्रसाद के रूप में मिलावटी लड्डू का प्रयोग होने दिया जिसे बनाने में प्रयोग होने वाले घी में पशु चर्बी मिली थी।

चंद्रबाबू नायडू ने यह विवादास्पद मुद्दा ऐसे दिन उठाया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे कर रही थी। टीडीपी केन्द्र सरकार में शासन करने वाली राजग गठबंधन सरकार का हिस्सा है। हालांकि, तिरुपति के प्रसाद के रूप में लड्डू के प्रयोग पर साठ और सत्तर के दशक में भी लोगों का ध्यान गया था। उस समय लड्डू बनाने में घी के स्थान पर वनस्पति घी-डालडा के प्रयोग पर चिन्ता जताई गई थी। उस समय विवाद के कारण वनस्पति घी का आयात करने वाले जहाजों को अस्वीकार कर दिया गया था और उसके सप्लायरों को काली सूची में डाल दिया गया था।

एक अन्य मामले में दो वैष्णव समूहों के बीच भगवान वैंकटेश्वर को तिलक लगाने के मुद्दे पर विवाद पैदा हुआ था। यह मुद्दा सर्वोच्च न्यायालय तक गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला किया था कि दोनों वैष्णव समुदायों को भगवान वैंकटेश्वर को तिलक करने का अधिकार है और वे हर महीने 15-15 दिन तिलक करेंगे। आंध्र प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि टीडीपी ने जून में आंध्र प्रदेश विधानसभा के चुनाव जीते और जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी-वाईएसआरसीपी की भारी पराजय हुई। विधानसभा चुनाव जीतने के बाद टीडीपी ने लड्डू मुद्दे का इस्तेमाल किया।

चंद्रबाबू नायडू का दावा है कि जगन मोहन रेड्डी सरकार ने खर्च घटाने के उपाय के रूप में खराब गुणवत्ता वाला घी खरीदने की अनुमति दी जिससे तिरुमला लड्डू की गुणवत्ता प्रभावित हुई। नायडू ने जगन मोहन रेड्डी पर आरोप लगाया कि उनके शासनकाल में हिंदू धार्मिक व्यवहारों की अनदेखी की गई। इस संदर्भ में यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि जगन मोहन रेड्डी तथा उनके पिता व पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राजशेखर रेड्डी ईसाई हैं। जगन मोहन रेड्डी ने स्वयं पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बताया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिकायत की है कि नायडू उनसे राजनीतिक बदला ले रहे हैं। वाईएसआरसीपी ने नायडू की आलोचना करते हुए शुद्धीकरण समारोह का आयोजन किया। लेकिन पश्चाताप करने के लिए जगन मोहन रेड्डी को मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। पिछले सप्ताह जब लड्डू विवाद अपने शिखर पर था तब जगन मोहन रेड्डी को दूसरे दलों का समर्थन नहीं मिला।

उल्लेखनीय है कि जगन मोहन रेड्डी की बहन शर्मिला कांग्रेस में शामिल हो गई थीं और उनको आंध्र प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया गया था। शर्मिला ने यह मुद्दा आंध्र प्रदेश के राज्यपाल के समक्ष उठाते हुए सीबीआई जांच की मांग की। आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री, नायडू के गठबंधन साझीदार तथा लोकप्रिय फिल्म स्टार पवन कल्याण यह मुद्दा धार्मिक स्तर पर उठा रहे हैं।

पवन कल्याण ने खराब घी प्रयोग करने को गंभीर अपराध मानते हुए 11 दिन पश्चाताप किया। जहां नायडू राजनीतिक कार्ड खेल रहे हैं, वहीं पवन कल्याण इसे धार्मिक मुद्दे की तरह प्रयोग कर कह रहे हैं कि सनातन धर्म की रक्षा होनी चाहिए। मीडिया द्वारा आंकड़े प्रकाशित करने तथा कुछ राजनेताओं द्वारा लड्डू की गुणवत्ता पर सवाल उठाने के बाद इस विवाद ने और जोर पकड़ लिया। इस विवाद के कारण देश भर में संतों और भक्तों में भारी गुस्सा पैदा हुआ। आश्चर्य नहीं कि इसमें भाजपा के सहयोगी संगठन विहिप, अयोध्या के संतों तथा अन्य धार्मिक संस्थानों के लोग भी शामिल हो गए और उन्होंने पूरे प्रकरण की गंभीर जांच की मांग की। अयोध्या और पुरी जगन्नाथ के पुजारियों ने अपने यहां प्रयोग होने वाले प्रसाद को गुणवत्ता जांच के लिए भेजा। लड्डू विवाद के बाद इस मांग ने फिर जोर पकड़ लिया है कि मंदिरों को राज्य-नियंत्रण से मुक्त किया जाए। हालांकि, यह मांग समय-समय पर उठती रही है, पर कोई सरकार देश भर में मौजूद विशाल मंदिरों को अपने नियंत्रण से मुक्त नहीं करना चाहती है।

इस मामले के विधिक पक्ष पर गौर करें तो पता चलेगा कि हिंदू सेना समिति के सुरजीत सिंह यादव ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर इस मुद्दे की विशेष जांच समिति से जांच कराने की मांग की है। आंध्र प्रदेश राज्य सरकार ने भी इस मुद्दे की जांच के लिए एक समिति गठित की है। केन्द्र ने इस बारे में राज्य सरकार से रिपोर्ट भेजने को कहा है। इस बीच विवाद का केन्द्र रहे तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने अपनी छवि को हुए नुकसान की भरपाई के लिए अनेक प्रयास किए हैं। उसने मंदिर में एक व्यापक शुद्धीकरण अभियान चला कर भक्तों को आश्वस्त किया है कि लड्डू मिलावटी नहीं हैं। उसने लड्डू बनाने में प्रयुक्त घी के सप्लायरों पर प्रतिबंध लगा कर कर्नाटक राज्य सरकार की संस्था नंदिनी से घी खरीदने का निर्णय किया है। चूंकि लड्डू में मिलावट का मुद्दा अब अदालत पहुंच गया है, इसलिए इसके जल्दी समाधान की उम्मीद नहीं है। इस मुद्दे में नए-नए बिंदु भी सामने आ रहे हैं।

ऐसा लगता है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ ही कुछ अन्य राजनेता भी इस मुद्दे का जल्दी समाधान नहीं चाहते हैं। लेकिन ऐसा संवेदनशील मुद्दा नियंत्रण के बाहर भी जा सकता है और अनियंत्रित होने पर यह कानून-व्यवस्था की समस्या भी पैदा कर सकता है। यह मुद्दा जब तक बना रहेगा तब तक धार्मिक भावनायें भड़कने का खतरा भी बना रहेगा। इस विवाद से स्पष्ट है कि राजनीति, भोजन और धर्म के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है। राजनेताओं और धर्म गुरुओं को इस तथ्य पर गौर करना चाहिए कि समाज के विभिन्न हिस्से आध्यात्मिक मामलों को कैसे देखते हैं और उन पर प्रतिक्रिया करते हैं। विश्वास के राजनीतिकरण करने पर वह संदेह के घेरे में आ जाता है। राजनेताओं को ऐसे भावनात्मक मुद्दों पर सतर्क रहना चाहिए। इस प्रकरण में हमें प्रतीक्षा करनी और यह देखना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय क्या फैसला करता है।

बदलते ऊर्जा क्षेत्र में अवसर व चुनौतियां

> “बांग्लादेश द्वारा बिजली खरीद समझौते पर फिर से बातचीत करने के कारण अदानी समूह खुद को एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पाता है।”

सूर्य सारथी रे
(लेखक, वित्तीय पत्रकार हैं)

ऊर्जा बाजार की गतिशीलता, विशेष रूप से भारत जैसी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में, व्यापारिक और असंबद्ध क्षमताओं के लिए अद्वितीय अवसर प्रस्तुत करती है। ऊर्जा क्षेत्र में पर्याप्त पदचिह्न रखने वाले भारत के सबसे बड़े समूहों में से एक अदानी समूह के लिए, बांग्लादेश के साथ वर्तमान बिजली खरीद समझौता (पीपीए) एक अवसर और एक संभावित चुनौती दोनों है। बांग्लादेश में पीपीए पर फिर से बातचीत करने की बढ़ती आवाज़ों के साथ, परिदृश्य बदल रहा है, जो अदानी के लिए जोखिम और लाभ दोनों प्रस्तुत करता है।

अदानी और बांग्लादेश के बीच पीपीए की स्थापना लगातार बिजली की कमी और बढ़ती बिजली की मांग का सामना कर रहे देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के लिए की गई थी। इस समझौते के तहत, अदानी ने झारखंड के गोड्डा जिले में एक समर्पित 1,600 मेगावाट बिजली संयंत्र का निर्माण किया, विशेष रूप से बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति करने के लिए। आवश्यक ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर सहित 2 बिलियन डॉलर की यह परियोजना जून 2023 में पूरी तरह से चालू हो गई थी और अब यह बांग्लादेश की बेस लोड मांग का लगभग 7-10 प्रतिशत पूरा करती है, खासकर देश के उत्तरी क्षेत्रों में।

बांग्लादेशी मीडिया की हालिया आलोचनाओं में आरोप लगाया गया है कि अदानी अत्यधिक दरों पर बिजली बेच रहा है। जवाब में, अदानी ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया है कि उसकी बिजली वास्तव में अन्य समान ईंधन-आधारित बिजली संयंत्रों की तुलना में सबसे सस्ती है। हालाँकि, बांग्लादेश एक महत्वपूर्ण वित्तीय संकट का सामना कर रहा है, जिसमें अदानी को आपूर्ति की गई बिजली के लिए 800 मिलियन से अधिक बकाया है। इस बकाया ऋण के बावजूद, अदानी ने अपनी आपूर्ति जारी रखी है, लेकिन ऋणदाताओं और आपूर्तिकर्ताओं के प्रति अपने दायित्वों को देखते हुए स्थिति को लगातार अस्थिर पा रहा है। यह बढ़ता हुआ प्राप्य मुद्दा अदानी की क्रेडिट प्रोफ़ाइल को प्रभावित करने की धमकी देता है, जिससे संभावित रूप से इसके संचालन में धन की लागत बढ़ सकती है। एक महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव में, भारत सरकार ने हाल ही में बिजली निर्यात करने वाले बिजली संयंत्रों को राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़ने की अनुमति दी है।

यह कदम अदानी पावर के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि यह गोड्डा संयंत्र के लिए घरेलू बाजार खोलता है, जो वर्तमान में भारतीय ग्रिड के साथ एकीकृत नहीं है। अदानी बांग्लादेश के साथ अपने अनुबंध का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही बकाया राशि के शीघ्र निपटान का अनुरोध भी करता है।

यदि बांग्लादेश अपने भुगतान दायित्वों को पूरा करने में विफल रहता है या पीपीए को समाप्त करने का निर्णय लेता है, तो अदानी भारत के भीतर बिक्री पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकता है। इस परिदृश्य को प्रभावित करने वाले मुख्य आर्थिक कारकों में से एक भारत और बांग्लादेश के बीच बिजली दरों में असमानता है। भारतीय बिजली बाजार में मजबूत आर्थिक विकास से प्रेरित बिजली की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

भारत में बिजली की आपूर्ति को पुनर्निर्देशित करके, अदानी इन उच्च दरों का लाभ उठा सकता है, जिससे लाभप्रदता बढ़ सकती है। हाल के रुझानों से संकेत मिलता है कि बिजली की कीमतें लंबी अवधि के लिए लगभग 10 किलोवाट प्रति घंटे तक पहुंच गई हैं, कोयला आधारित बिजली की बढ़ती मांग के कारण यह आंकड़ा बढ़ने की संभावना है।

बिजली उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण कोयले की लागत वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव से प्रभावित होती है। जबकि गोड्डा संयंत्र आयातित कोयले पर काम करता है, भारत के कोयला भंडार के करीब होने के कारण रसद लागत कम हो जाती है, जिससे अदानी की परिचालन दक्षता में और वृद्धि होती है। इस संदर्भ में, अदानी बांग्लादेश के साथ मौजूदा पीपीए के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने के बजाय भारतीय बाजार में अपनी बिजली आपूर्ति को पुनर्निर्देशित करने से काफी लाभान्वित हो सकता है। विनियामक वातावरण।

भारत सरकार के आत्मनिर्भरता और ऊर्जा सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने से घरेलू बिजली उत्पादकों के लिए अनुकूल वातावरण बना है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसी पहल आयात निर्भरता को कम करने और स्थानीय उत्पादन और खपत को बढ़ावा देने का प्रयास करती हैं। इन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, अदानी भारत की बढ़ती ऊर्जा मांगों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए अपने संसाधनों का लाभ उठा सकता है।

राष्ट्रीय विद्युत योजना का अनुमान है कि भारत की अधिकतम बिजली मांग वित्त वर्ष 22 में 203 गीगावाट से बढ़कर वित्त वर्ष 27 तक 277 गीगावाट और वित्त वर्ष 32 तक 366 गीगावाट हो जाएगी। इस वृद्धि का अर्थ है कि वित्त वर्ष 32 तक अतिरिक्त 80 गीगावाट कोयला आधारित क्षमता की आवश्यकता है। गोड्डा संयंत्र में अपनी मौजूदा 1.6 गीगावाट क्षमता के साथ, अदानी इस मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

जबकि पीपीए को समाप्त करने के संभावित लाभ आकर्षक हैं, ऐसे कदम में निहित जोखिम हैं। एक अंतरराष्ट्रीय समझौते को तोड़ने से कूटनीतिक परिणाम हो सकते हैं और अदानी की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। फिर भी, अगर बांग्लादेश सरकार समझौते पर फिर से बातचीत या उसे समाप्त करने की पहल करती है, तो अदानी खुद को अधिक लाभप्रद स्थिति में पाएगा, जिससे वह पीपीए की बाधाओं के बिना आकर्षक भारतीय बाजार की ओर बढ़ सकेगा। कंपनी को समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को संतुलित करना चाहिए और साथ ही भारत में उभरते बाजार की स्थितियों का लाभ उठाने के लिए पर्याप्त रूप से चुस्त रहना चाहिए, जिससे इसकी दीर्घकालिक वृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित हो सके।

आप की बात

ईरान-इस्राइल युद्ध

हिज्बुल्ला प्रमुख हसन नसरुल्ला की मौत के बाद ईरान और इजरायल के बीच युद्ध की शुरुआत हो चुकी है। दोनों तरफसे बदला लेने की गंभीर चेतावनियां दी जा रही है तथा मिसाइल अटैक शुरू हो चुके हैं। लाल सागर क्षेत्र भारत के लिए माल लाने ले जाने का सबसे सुगम मार्ग था, पर युद्ध के चलते यह मार्ग अब खतरनाक हो गया है। भारत सहित कई देशों को लंबे रास्ते से अपना आयात निर्यात जारी रखना होगा जिससे परिवहन खर्च में भारी वृद्धि हो जाएगी। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ने लगी है। खाद्यान्न और अन्य सभी वस्तुओं के दाम बढ़ने लगे हैं। जैसे-जैसे युद्ध फैल रहा है, वैसे-वैसे युद्धग्रस्त देशों के साथ-साथ विश्व के अन्य देशों को भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। युद्धरत देशों ने संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। जिससे शांति वार्ता के सभी रास्ते लगभग बंद हो गए हैं। युद्ध के विस्तार लेने तथा उसमें अन्य देशों के शामिल होने की आशंका बनी हुई है। चीन और ईरान ने पिछले साल एक सुरक्षा संधि की थी जिससे चीन और रूस भी ईरान की ओर से युद्ध में शामिल हो सकते हैं। अमेरिका ने इजरायल का साथ देने की घोषणा पहले ही कर दी है। इस प्रकार यह युद्ध सारी दुनिया के लिए भारी मुसीबत का कारण बन सकता है।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

यहूदी राष्ट्र की एकजुटता

इजरायल और हमास के बीच युद्ध को एक वर्ष होने को है। अब इसमें हिजबुल्ला और ईरान भी कूद पड़े हैं। शायद यह युद्ध पुरे पश्चिमी एशिया को अपनी चपेट में ले ले। इजरायल यहूदियों का एकमात्र देश है, जिसकी जनसंख्या लगभग 80 लाख है। यह चारों तरफ से इस्लामिक देशों से घिरा हुआ है। संयुक्त राष्ट्रसंघ का सदस्य होने के बावजूद अब भी अनेक इस्लामी संगठन इस्राइल को मिटाने की कसमें खाते हैं और ईरान जैसे देश भी इनमें शामिल हैं। 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर अप्रत्याशित आतंकी हमला किया था जिसमें इजरायल के 1200 निर्दोष नागरिक मारे गये, महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ और 250 नागरिक बंधक बना लिए गए। यह हिटलर द्वारा किए नरसंहार के बाद इस्राइल पर सबसे बड़ा हमला था। अपने अस्तित्व पर संकट देख कर इस्राइल की पूरी जनता अपनी सेना और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू के साथ एकजुट हो गई है। इसका कारण यह भी है कि इजरायल की विदेश नीति और सुरक्षा के विषय में विपक्षी दल भारत की तरह रोड़ा नहीं बनते। यहूदी राष्ट्र की एकजुटता तथा उसकी जनता में देशप्रेम की भावना सारी दुनिया के लिए एक आदर्श है।

- नरेन्द्र टोंक, मेरठ

जी-7 बैठक

जी-7 समूह में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जापान, इटली और जर्मनी शामिल हैं। इसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुलाया जाना हमारे लिए गर्व की बात है। इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने मोदी को आमंत्रित किया है। अन्य मुद्दों के साथ प्रमुख रूप से इस बैठक में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए उस पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने हेतु दोनों देशों से बात कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरानी हमले के बाद इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू से बात कर स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया में आतंकवाद का कोई स्थान नहीं है तथा हमास के कब्जे वाले इस्राइली बंधकों की वापसी सुनिश्चित की जानी चाहिए। भारत का जी-7 बैठक में आमंत्रण दुनिया में बढ़ती हमारी आर्थिक व राजनयिक शक्ति का परिणाम है। जी-7 की आपात बैठक में संभवत: पश्चिम एशिया में युद्ध के विस्तार तथा इसके विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चर्चा होगी। उम्मीद है कि जी-7 में शामिल महाशक्तियां व भारत पश्चिम एशिया में युद्धविराम कराने तथा दीर्घकालीन शांति के लिए वार्ताओं की स्थिति बनाने में सफल होंगे। यह सारी दुनिया के लिए जरूरी है।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

स्वच्छता अभियान

सचमुच पिछले 10 वर्षों में स्वच्छता अभियान से भारत बहुत कुछ साफ -सुथरा हुआ तथा गंदगी और कचरे से मुक्त हुआ है। अब तो जनता में भी इतनी जागरुकता आ चुकी है कि सार्वजनिक स्थलों पर कोई गंदगी फैलाने का साहस नहीं कर सकता और आम लोग इसका विरोध करने लगे हैं। इसके लिए गांव से लेकर शहरों तक कचरा गाड़ियां उपलब्ध करवाना और लोगों को हर कहीं गंदगी फैलाने की आदत बदलने के लिए जागरूक करना सराहनीय कार्य है। इसमें केन्द्र व राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों, स्वयंसेवी संस्थाओं, छात्रों, नौजवानों व आम नागरिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कचरे की रिसाइक्लिंग से ईंधन व खाद बनाना स्वायत्त संस्थाओं के लिए लाभकारी हो रहा है। लेकिन इन उपलब्धियों के बावजूद स्वच्छता के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। नदियों और जल स्रोतों को पूर्ण स्वच्छ करना है। प्लास्टिक का उपयोग समाप्त करने तथा शहरों में नई-नई मलिन बस्तियां बनने से रोकने की भी जरूरत है।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

एक ही परिवार के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या

● घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल

संवाददाता। अमेठी

जिले में बड़ी घटना होने की सूचना प्राप्त हो रही है, जिसमें घर में घुसकर एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या कर दी गई है। परिवार का मुखिया शिक्षक पद पर कंपोजिट विद्यालय पन्हौना कार्यरत था। मिल रही जानकारी के अनुसार आज देर शाम अज्ञात हथियार बंद बदमाशों द्वारा घर में घुस कर शिक्षक सुनील कुमार (35) व उसकी पत्नी तथा दो छोटी छोटी बच्चियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। शिक्षक रायबरेली के जिले का मूल निवासी था। जिले के शिवरतनगंज थाना अंतर्गत अहोरवा भवानी चौराहे पर किराए के मकान पर रहता था। घटना को अंजाम देने के बाद हथियार पर बदमाश भाग निकले सभी घायलों को लोगों द्वारा सीएससी लाया गया लेकिन तब तक चारों की मृत्यु हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलती ही जिले के एसपी अनूप कुमार सिंह मौके पर पहुंचे उसके साथ ही कई थानों की फोर्स एवं पीएसी बल मौके पर तैनात कर दिया गया है। आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। इस दिल दहलाने वाली घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है वहीं जिले की पुलिस पर भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवालिया निशान लग रहे हैं द्ध

पुलिस की माने तो विगत 18 अगस्त को सुनील कुमार ने रायबरेली में चंदन वर्मा के नाम एससी एसटी एक्ट के तहत छेड़छाड़ का मुकदमा भी दर्ज कराया था। पुलिस उस मुकदमे का इस घटना से संबद्ध होने के बारे में भी जांच पड़ताल कर रही है।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटने से 16 लोग घायल, एक गंभीर

गौरीगंज, अमेठी। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन ही थाना कोतवाली क्षेत्र के गौरीगंज के टिकरिया गांव के पास श्रद्धालुओं से भरी पिकअप का टायर फटने से पिकअप सवार 16 लोग घायल हो गए आसपास के ग्रामीणों की मदद से एंबुलेंस द्वारा घायलों को मलिक मोहम्मद जायसी जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया वहीं एक को गंभीर अवस्था में एम्स रायबरेली के लिए रेफर किया गया। बृहस्पतिवार की सुबह थाना कोतवाली क्षेत्र गौरीगंज के तिलकराम पांडेय का पुरवा, विशुनदासपुर व आसपास के गांव के लोग पिकअप में सवार होकर माफीटीकर आश्रम राधा रानी सत्संग में जा रहे थे की टिकरिया गांव के पास पहुंचते ही पिकअप का एक टायर फट गया जिससे कि श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पेड़ से जा टकराई जिसमें बैठे सभी श्रद्धालु घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस विभाग के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में रामदेव निवासी पूरे कुंडलियन सराय भागमनी, धर्मा देवी, महिमा, सीता, नीलम, सोनाली, ओम प्रकाश, अनारकली, जानकी, राधेश्याम, राम सुंदर, कमला सहित अन्य घायल हुए हैं।

पुण्यतिथि पर याद किये गए पंडित सूर्य नारायण चतुर्वेदी, बंटे वस्त्र और मिष्ठान

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिले के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान सूर्या एकेडमी खलीलाबाद के परिसर में गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। पूर्वांचल के मालवीय स्व0 पं0 सूर्य नारायण चतुर्वेदी को याद करके संस्थान की सरजमीं भी नम हो उठी। दलीय निष्ठाओं से उपर उठते हुए तमाम सियासी दलों के वरिष्ठ नेताओं, शिक्षाविदों, व्यापारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्व0 चतुर्वेदी को श्रद्धांजलि अर्पित किया। सभी ने कबीर की सरजमीं से लेकर आचार्य शुक्ल की मातृ भूमि तक खड़े आधुनिक, तकनीकी, स्वास्थ्य शिक्षा के साथ ही रोजगार परक संस्थानों के संजाल को स्व0 चतुर्वेदी की दूरगामी सोच का परिणाम बताया।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए खलीलाबाद सदर के पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने कहा कि स्व0 दादा जी ने परिवार को कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प, धैर्य और समाजसेवा की भावना पूंजी के रूप में सौंपा है। उन्होंने हमेशा से ही हम सभी भाइयों को समाज के शोषित, पीड़ित और उपेक्षित तबके की मदद करने का जुनून पैदा किया। उनके द्वारा दिए गए अपनो के साथ हमेशा खड़े रहने की यह नसीहत और जरूरतमंदों की मदद का जज्बा हमेशा परिवार के सभी सदस्यों में बना रहेगा। पूर्व ब्लॉक प्रमुख और एसआर इंटरनेशनल एकेडमी के एमडी राकेश चतुर्वेदी ने अपने स्व पिता को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

कार्यक्रम का संचालन उप प्रधानाचार्य शरद त्रिपाठी ने किया। इससे पहले एसआर इंटरनेशनल एकेडमी के नौनिहालों और शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी संस्थान के गॉडफादर को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। श्रद्धांजलि सभा में जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव, सपा के प्रदेश सचिव नित्यानंद यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष गौहर अली खान, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप सिंह सिसौदिया, आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकता को अखंडित करने वालों की जमानत अर्जी खारिज

संतकबीरनगर। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि थाना मेहदावल के उप निरीक्षक अनिल प्रकाश पांडे ने थाना मेहदावल में प्रार्थना पत्र दिया कि गत 16, सितम्बर, 24 को उनकी ड्यूटी वारावफात जुलूस संपन्न कराने हेतु कस्बा मेहदावल में लगी थी। ड्यूटी के दौरान मोहल्ला ठठराही पहुंचे तो देखे की रोड पर बने गेट में एक बैनर बधा हुआ है जिसमें मुफ्ती सलमान अजहरी व मौलाना खादिम हुसैन रिजवी पाकिस्तानी मौलवी, पीर अजमल कादरी पाकिस्तान मौलवी का फोटो लगा हुआ है।

उक्त दोनों पाकिस्तानी मौलवी भारत की संप्रभुता एकता एवं अखंडता को खतरे में डालने वाले वक्तव्य देते रहते हैं जिससे उनके बोले गए शब्दों से अन्य धर्म के समूह के व्यक्तियों में शत्रुता, घृणा व सौहार्द बिगड़ने की पूर्ण संभावना है। ऐसे भारत विरोधी व्यक्तियों को महिमा मंडित किया गया है। इस प्रकार के दृश्यरूपण से सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की प्रबल संभावना है एवं लोक शांति में विघ्न पड़ रहा है। इस संबंध में जांच किया गया तो जानकारी मिली कि समीर पुत्र आलम मुस्तफा उर्फ गब्बू तथा अमजद पुत्र अब्दुल रहमान कादरी व आलम उर्फ पुतुल पुत्र आलमगीर उर्फ गब्बू निवासीगण हरदी हटा उत्तर पट्टी कस्बा मेहदावल थाना मेहदावल उक्त बैनर जानबूझकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने एवं राष्ट्रीय संप्रभुता को खतरे में डालने के उद्देश्य से लगाए हैं। मामले में थाना मेंहदावल में मुकदमा पंजीकृत हुआ तथा अभियुक्तगण अमजद और आलम को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। आरोपी अमजद और आलम ने जमानत प्रार्थना पत्र सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम के समक्ष प्रस्तुत किया जिसका जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने प्रबल विरोध किया और तर्क दिए कि ऐसे कृत्य से सामाजिक सौहार्द बिगड़ता है।

पुनः व्यापार मंच के प्रदेश अध्यक्ष बने पुष्कर चौधरी

संतकबीरनगर। संतकबीरनगर से विलान रखने वाले एवं व्यापारियों में मजबूत पैठ व्यवहारिक व सभी के हित में कार्य करने वाले पुष्कर चौधरी पर भरोसा जताते हुए अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अशीष पटेल ने संयुक्त रूप से व्यापार मंच के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। इस पद पर वह पूर्व में भी रहे उनके कार्य कुशलता को देखते हुए कमान सौपा गया। लोकसभा चुनाव में महाराजगंज जनपद में चुनाव के लिए भी लगाये गये थे जहॉ भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी पंकज चौधरी की जीत हुई। प्रदेश में भ्रमण करके लगातार अपना दल (एस) को मजबूत करने का कार्य पुष्कर चौधरी करते है व्यापारियों के हित में जनपद सहित प्रदेश स्तर के व्यापारियों की समस्याओं का निदान करते है। पुष्कर चौधरी ने दोबारा व्यापार मंच का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी के प्रति आभार प्रकट किया।

एनटीपीसी ऊंचाहार के परियोजना प्रमुख छाबड़ा ने माउंट एवरेस्ट पर फहराया झंडा

संवाददाता। ऊंचाहार

संकल्प शक्ति हो और लीक से हटकर कुछ नया करने की जिजीविषा हो तो व्यक्ति चंद्रयान तक पहुंच सकता है। कुछ ऐसा ही हुआ है एनटीपीसी ऊंचाहार में। बढ़ती उम्र में जब लोग सीढी चढने से बचते हैं, उस उम्र में एनटीपीसी ऊंचाहार के परियोजना प्रमुख मनदीप सिंह छाबडा ने हिमालय की दुर्गम चट्टानों से लोहा लेते हुए विश्व की सबसे ऊंची माउंट एवरेस्ट पहाडी पर चढकर एनटीपीसी कंपनी की प्रतिष्ठा में एक नयाकीर्तिमान स्थापित कर दिया।

उनके जज्बे और इच्छाशक्ति ने इस बात को निरर्थक साबित कर दिया है कि उम्र किसी भी मिशन या संकल्प को पूरा करने में अवरोध बन सकती है। श्री छाबडा ने लगातार 35 घंटे तक बेमौसम बर्फबारी के साथ-साथ लगातार बारिश के बावजूद हिम्मत और धैर्य का परिचय देते हुए अपनी चढाई जारी रखी जबकि एवरेस्ट पर चढने वाला रास्ता बर्फबारी की वजह से क्षतिग्रस्त था तथा पर्वतारोहियों के चढ़ने लायक नहीं था। इतना ही नहीं मौसम खराब होने के कारण संचार सेवाएं पूरी तरह बाधित थीं।

माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप पर भारत और एनटीपीसी का झंडा फहराकर एनटीपीसी ऊंचाहार के परियोजना प्रमुख श्री छाबडा ने यह साबित किया कि एनटीपीसी कर्मचारी केवल बिजली उत्पादन में ही दक्ष नहीं हैं बल्कि अन्य क्षेत्रों में कुछ नया करने का हौसला रखते हैं।

इस प्रकार श्री छाबड़ा ने न केवल ऊंचाहार परियोजना का बल्कि सम्पूर्ण एनटीपीसी कंपनी के नाम एक विशेष प्रकार का रिकॉर्ड स्थापित कर दिया है। 59 वर्ष की उम्र में लीक से हटकर बिजली उत्पादन से जुड व्यक्ति ने पहाड पर चढकर जो कीर्तिमान स्थापित किया है, इससे एनटीपीसी परिवार का प्रत्येक कर्मचारी न केवल गौरवान्वित है बल्कि इसे अपने लिए प्रेरणादायी मान रहा है।

क्विक न्यूज

एनएसपीएस त्रिपुला में हुई मां आदिशक्ति की आराधना

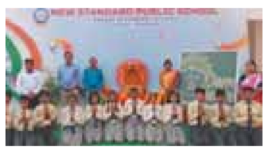

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में शारदीय नवरात्रि की शुरुआत माँ शैलपुत्री की पूजा अर्चना के साथ हुई , बुराई पर अच्छाई की जीत के इस पर्व पर प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों संग माँ के चित्र पर टीका और माल्यार्पण कर माँ आदिशक्ति का आवाहन किया। प्रधानाचार्य ने शारदीय नवरात्रि की सभी को बधाई देते हुए कहा कि नौ दिनों तक चलने वाला यह पर्व बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है, इन दिनों माँ के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है,और दसवें दिन रावण वध के साथ दशहरे के पर्व पर इस उत्सव की समाप्ति होती है। श्री प्रजापति ने विद्यार्थियों को बताया कि शिक्षा के साथ-साथ हमें अपनी संस्कृति और परम्परा का भी ज्ञान होना चाहिए जिससे हमें अपने जीवन में आने वाली भविष्य की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्राप्त हो।

बालिका विद्या मंदिर रायबरेली में हुआ नवरात्र पर आयोजन

रायबरेली। बालिका विद्या मंदिर रायबरेली में विवेकानंद हाउस के सौजन्य से शारदीय नवरात्रि का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।नवरात्रि के प्रथम दिन पर विद्यालय के विशाल प्रांगण में मां शैलपुत्री का बहुत ही भव्य एवं आकर्षक दरबार सजाकर स्कूल की छात्रा वृद्धि जैन को 'मां शैलपुत्री' के जीवन्त रूप में विराजमान किया गया। इस मनमोहक झांकी को देखकर उपस्थित अभिभावक एवं अन्य सभी आगंतुकों का मन- मुग्ध हो गया। विद्यालय प्रधानाचार्य श्री तारकेश्वर सिंह एवं हेड-मिस्ट्रेस संध्या अग्रवाल सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और बच्चों ने मातारानी का पूजन-अर्चन संपन्न कर उनका आशीष प्राप्त किया। कार्यक्रम में माता रानी के भक्ति पूर्ण गीतों, आरती और मां के जयकारों से विद्यालय प्रांगण गूंज रहा था। इस संपूर्ण कार्यक्रम को आकर्षक रूप देने में एक्टिविटी इंचार्ज प्रमांशु श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में सार्थक शुक्ला, भावना श्रीवास्तव, नेहा सिंह, पूनम श्रीवास्तव और उनके सहयोगी साथियों का सराहनीय योगदान रहा।

भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

गोंडा। सरस्वती देवी नारी ज्ञानस्थली पी0जी0 कॉलेज में स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 25 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम अधिकारी डा0 मौसमी सिंह एवं डा0 नीतू सिंह के निर्देशन में संपन्न हुई। इसमे प्रथम स्थान अंजली सोनी, द्वितीय स्थान उमरा मेराज तथा तृतीय स्थान प्रतिष्ठा मिश्रा को प्राप्त हुआ। निर्णायक मंडल में डा0 अमिता श्रीवास्तव एवं डा0 आशु त्रिपाठी ने अपनी भूमिका निभायी।

भीड़ ने चोरी के दो आरोपियों को पकड़ किया पुलिस के हवाले

लालगंज, रायबरेली। एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा है। कोतवाली प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि लोगो की सूचना पर पुलिस ने दो लोगो को पकडा है जिनकी पहचान सुधांशू सिह व शमीम खान निवासी इटौरी सगरा लीलापुर प्रतापगढ़ के रूप में हुई है। वह अपने दो अन्य साथियों के साथ क्षेत्र में धोखाधडी व एटीएम बदलकर पैसे ऐठने का काम करते है। फतेहपुर की ओर जाते समय उनकी गाड़ी एक बाईक से टकरा गई जिसके बाद भीड़ ने उनका पीछा किया जिससे घबराकर वह अपनी गाडी एक ढाबे में खड़ा कर जंगल की ओर भागने लगे। इसी बीच भीड़ को पीछे आता देख चारो लोग लोन नदी में कूद गये जिसके बाद दो लोगो को भीड़ ने पकड लिया जबकि दो अन्य साथी फरार हो गये। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 53 एटीएम, देशी तमंचा व जिंदा कारतूस के साथ उनका पोलो वाहन भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है।

माध्यमिक शिक्षक संघ का विशाल धरना 5 को

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आगामी 5 अक्टूबर को आंदोलन के तीसरे चरण के तहत एक दिवसीय धरना आयोजित किया जा रहा है। यह धरना संयुक्त शिक्षा निदेशक बस्ती मंडल बस्ती के कार्यालय पर अपराह्न 12 बजे से होगा, जिसके माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित 26 सूत्रीय मांग पत्र संयुक्त शिक्षा निदेशक को सौंपा जाएगा। धरने का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों को सरकार के समक्ष प्रस्तुत करना और उनके समाधान की मांग करना है।

ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना का भ्रष्टाचार हर रोज छू रहा नये आयाम

● अनेक गांवों में बगैर काम कराये ही निकाल लिया गया लाखों का भुगतान

● अहेता में 1 जून को मृत श्रमिक प्रमोद कुमार के खाते में पहुंचा दी मजदूरी

● सर्र में एक ही काम के नाम बदलकर तीन बार कर दिया भुगतान

संवाददाता। उरई, जालौन

भारत सरकार की मनरेगा योजना ग्रामीणांचल का विकास कराने का दावा करने वाले अधिकारियों ने किस तरह से भ्रष्टाचार का तड़का लगाया इसके नमूने तो आये दिन समाचार पत्र की सुर्खियां बनते ही रहते हैं। लेकिन ताज्जुब की बात तो यह है कि जिम्मेदार अधिकारियों की नजरों में मनरेगा योजना में किसी भी तरह की खामी नजर नहीं आती।

यह स्थिति तब है जब अनेकों ग्राम पंचायतों में मूसालाधार बारिश में भी मनरेगा मजदूरों को रोजगार के अवसर मुहैया कराये गये तो कई ग्राम पंचायतें ऐसी भी है जिन्होंने बगैर कोई काम कराये ही दूसरी ग्राम पंचायतों की पुरानी फोटो अपलोड कराकर कच्चे काम का लाखों रुपयों का भुगतान निकालकर हजम कर गये। मनरेगा योजना में जिस तरह से कागजी काम कराये जा रहे है उससे जिम्मेदार अधिकारी जरूर आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं लेकिन मनरेगा मजदूर रोजगार की तलाश में गांव से पलायन करने को विवश देखे जा रहे हैं। यह ढर्रा कोई एक विकासखंड का नहीं बल्कि जनपद के सभी नौ विकासखंडों में धड़ल्ले से चल रहा है।

केंद्र सरकार की मनरेगा योजना कमाल की है, इस योजना के तहत आपको काम पर भी नहीं जाना और मजदूरी पक्की क्योंकि प्रधान, रोजगार सेवक और सचिव की मिलीभगत में सब बेरोक-टोक चलता है। बिना काम पर जाए ही मजदूरों की उपस्थिति दर्ज कर दी जाती है। यही नहीं मृतक के खाते में भी मजदूरी का पैसा भेज दिया जाता है। इसे कहते हैं जादू की योजना।

विकास खण्ड माधौगढ़ के असहना में कुंजबिहारी के खेत से भगवान सिंह के खेत तक चकबन्ध निर्माण चल रहा है। जिसमें 17 से लेकर अधिकतम 25 मजदूर ही काम कर रहे हैं लेकिन रोजगार सेवक प्रतिदिन 72 से 74 मजदूरों की फर्जी हाजिरी भरे जा रहा है। गांव में कोई पहला फर्जी काम नहीं है, ज्यादातर कामों पर जांच ठंडे बस्ते में डली है।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मुसाफिरखाना, अमेठी। क्षेत्र के पूरे ठकुराइन गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई।सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष ने मौत को लेकर सवाल खड़ा करते हुए भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजवाया। गुरुवार की रात थाना क्षेत्र भाले सुल्तान शहीद स्मारक अंतर्गत पूरे ठकुराइन गांव में महफूज की पत्नी सबीहुंन निशा उम्र करीब 30 वर्ष की मौत हो गई। ससुराल पक्ष के लोग मौत की वजह हार्ट अटैक बता रहे थे। वहीं सूचना पर पहुंचे मायका पक्ष ने पूरी घटना को संदिग्ध मानते हुए डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ अतुल सिंह थानाध्यक्ष तनुज पाल मय पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच कर घटना के संबंध में जानकारी हासिल की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के जिला अस्पताल भेजवाया ।

अवैध रूप से रखी पटाखा निर्माण सामग्री पुलिस ने की बरामद

जालौन, उरई। नगर में स्तिथ एक मकान में अवैध रूप से रखी पटाखा निर्माण सामग्री को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बरामद किया। आरोपी पुलिस को देखकर मौके से भाग निकला।

पुलिस सामग्री को कोतवाली लेकर पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वाराणसी में अवैध पटाखा फेक्ट्री में विस्फोट के बाद प्रशासन अलर्ट मोड पर है। सीओ शैलेंद्र कुमार बाजपेई को सूचना मिली कि नगर के मोहल्ला नारोभास्कर स्तिथ एक मकान में अवैध रूप से पटाखा निर्माण की सामग्री रखी है। सूचना मिलते ही कोतवाल वीरेंद्र पटेल, चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। जहां पुलिस को देखते ही आरोपी धीरू उर्फ धीरेंद्र साहू मौके से भाग निकला। मकान की तलाशी लेने पर पुलिस ने मौके से विस्फोटक समाग्री निर्माण में इस्तेमाल होने वाला माल शोरा 150.390 किग्रा, ढोंका (लोहे का बुरादा) कुल 84.250 किग्रा, मनसिन लाल पत्थर 118.960 किग्रा, कलमी सोडा कुल 127.20 किग्रा, गंधक 28.670 किग्रा, मेटल क्रिस्टल धातु के टुकड़े 7.260 किग्रा, कोयला कुल 105.940 किग्रा, 400 ग्राम सूत, 5 लोहे की चद्दर के खोंचे, एक इलेक्ट्रिक कांटा बरामद किया। जिसे कोतवाली लाकर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

मोंटी कारलो एंजेसी की खराब प्रगति देखकर नोटिस जारी करने के डीएम ने दिये निर्देश

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति को लेकर विभाग सजगता बरतें। जिससे कि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। विभागीय कर्मचारी पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करें। इसके अलावा मोंटी करलो एंजेसी द्वारा बार बार निर्देश के बावजूद समयान्तर्गत कार्यों न करने और मात्र 58 प्रतिशत ही प्रगति होने कई मदों में अत्यधिक खराब प्रगति से जर्जर तार न बदलने आदि व कार्यों में शिथिलता बरतने पर उक्त संस्था के विरुद्ध नोटिस जारी कर कार्यवाही के निर्देश अधीक्षण अभियंता बिद्युत को दिये गये।

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति को लेकर विभाग सजगता बरतें, जिससे कि लोगों को त्योहार के समय परेशानी का सामना न करना पड़े। विभागीय कर्मचारी पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करें कोई भी फॉल्ट होने पर तत्काल उसे ठीक किया जाये मंदिरों एवं पंडालों में विद्युत व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रहे।

खराब ट्रांसफार्मर सूचना प्राप्त होते ही 24-48 घंटे के अंदर अनिवार्य रूप से बदल दिये जाये। अत्यधिक लोड के कारण ग्रामीणक्षेत्र में भी विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो रही है और बार बार ट्रांसफॉर्मर खराब हो रहे है, उक्त सभी स्थानों पर क्षमता वृद्धि का आकलन कर उसके सापेक्ष उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर शहर एवं ग्राम में स्थापित किया जाये।

इसके अलावा विद्युत विभाग के अधिकारी जर्जर तार, खराब तार लटके पोल और खुले में ट्रांस्फार्मर को बेरिकाडिंग कर सुरक्षित रखने की कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि कोई जन व पशु हानि न होने पाये। उन्होंने कहा कि विद्युत अधिकारी व कर्मचारी पूरी मुस्तैदी एवं तत्परता के साथ कार्य करें। ताकि जन सामान्य को विद्युत उपलब्धता को लेकर परेशानियों का सामना न करना पड़े। न्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जहां तार टूटने व बार-बार ट्रांसफार्मर करने की शिकायतें आ रही हैं, ऐसे स्थानों पर क्षमता संवर्धन कराया जाए।

पीस कमेटी की बैठक में डीएम-एसपी ने दिये निर्देश

संवाददाता। उरई, जालौन

आगामी दशहरा और दुर्गापूजा व दीपावली के मद्देनजर जिले में त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में पीस कमेटी की गई। बैठक में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए संभ्रांत नागरिकों की समस्याएं और सुझाव सुने गए, और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि दुर्गापूजा समिति अपने अपने पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाना सुनिश्चित करें ताकि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रहे। साथ ही पंडालों में प्रवेश और निकासी के लिए अलग-अलग रास्ते बनाने पर भी जोर दिया गया। स्वच्छता की दृष्टि से पंडालों में डस्टबिन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि त्योहारों के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति, सड़कों की मरम्मत और साफ-सफाई का खास ध्यान रखा जाएगा। जिलाधिकारी ने अराजक तत्वों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पण्डाल स्तर पर पर्याप्त संख्या में स्वंयसेवक वॉलिंटियर्स की तैनाती करना जो भीड़ के संचालन में सहयोग करेंगे, पण्डाल लगाने में ज्वलनशील मैटेरियल का उपयोग नहीं किया जायेगा, ज्योति प्रज्जवलन तथा उसकी सुरक्षा के पर्याप्त इन्तजाम किए जाएं।

महिलाओं एवं पुरुषों को अलग-अलग पंक्तियों में बैठाने की व्यवस्था की जाए। पण्डाल में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।पण्डाल में ध्वनि विस्तारक यंत्रों को शासन द्वारा निर्धारित ध्वनि सीमा तक ही बजाया जाए। पण्डाल में विद्युत व्यवस्था, जनरेटर की व्यवस्था में प्रयोग किये जाने वाले तार उच्च क्वालिटी के लगाये जाएं, जिससे विद्युत संबंधी दुर्घटनाओं यथा-करेन्ट लगना, स्पार्किंग आदि की सम्भावना न रहे, सम्पूर्ण विद्युत व्यवस्था में अर्थिंग का स्थान अत्यन्त आवश्यक है, अतः विद्युत नियंत्रित करने वाले स्विच बोर्ड की अर्थिंग सुनिश्चित की जाए।

यह भी सुनिश्चित किया जाए कि पण्डाल में लगे हुए पंखे, कूलर, एसी अथवा ऐसा कोई भी विद्युत उपकरण जिसके किसी व्यक्ति के सम्पर्क में आने से करन्ट आ सकता है, उसे उचित दूरी पर रखा जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि पण्डाल के निकट समुचित स्थान पर पार्किंग की व्यवस्था की जाए और वहां पर स्वंयसेवक वॉलिंटियर्स तैनात किये जाएं, साथ ही कोई भी पण्डाल सड़क के किनारे न लगाया जाए। उन्होंने कहा कि पण्डाल में यथास्थान पर पुलिस, प्रशासन, फायर ब्रिगेड, निकट थाना, चौकी प्रभारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिला अस्पताल, एम्बुलेन्स के नम्बर प्रदर्शित किये जाएं, आयोजकों को यह जानकारी हर समय उपलब्ध होनी चाहिए।

मूर्ति का विसर्जन प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थल पर ही किया जाएगा। मूर्ति विसर्जन के धार्मिक जुलूस नियत मार्गो से ही निकाले जाएं, जिसकी सूचना पूर्व से आयोजकों एवं प्रशासनिक, पुलिस अधिकारियों के पास होनी चाहिए, ताकि मूर्ति विसर्जन के समय किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

एक सप्ताह में गुलजार हो जायेंगे मौरंग घाट

कालपी, जालौन। तीन महीने की अवधि खत्म हो जाने के बाद अब फिर से बेतवा तथा यमुना नदी की खदानों से बालू खनन का कार्य शुरू होने की तैयारियां की जा रही हैं। खनन का कारोबार शुरू हो जाने से जोल्हूपुर मोड़, कालपी, कदौरा, इटौरा के मोटर मालिकों तथा बालू व्यवसाय में दिन रात रौनक बढ़ने लगी है। विदित हो कि शासन के नियमों के तहत नदियों में एक जुलाई से 3 माह के लिए बालू खनन करने पर रोक लगी हुई थी, इसकी अवधि 30 सितंबर को खत्म हो चुकी हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए बालू ठेकेदार तथा खदान संचालक सक्रिय हो गए है। दरअसल बरसात तथा बाढ़ की वजह से नदियों से खनन क्षेत्र डूब गए तथा खदानों से आने जाने वाले सड़के क्षतिग्रस्त हो गई। इसी को ध्यान में रखते हुए खदान संचालक नदियों तथा वाहन पहुंचने वाले मार्गों को दुरुस्त करने में जुट गए हैं। चूंकि सप्ताह भर के अंदर खदान की रास्ताये ठीक की जाएगी। इसके बाद जेसीबी मशीन खनन क्षेत्र में उतर जाएगी।

दुर्गा पांडालों में न हो प्लास्टिक-थर्माकोल का प्रयोग: डीएम

- अग्नि सुरक्षा के मानकों को भी पूरा किए जाने के निर्देश
- डीएम व एसपी ने संयुक्त रूप से ली पीस कमेटी की बैठक

फतेहपुर। शारदीय नवरात्रि, रामलीला, दशहरा आदि त्योहारों को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए गुरुवार को डीएम रविंद्र सिंह एवं एसपी धवल जायसवाल के संयुक्त तत्वाधान में संबंधितों के साथ पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें डीएम ने जहां अधिकारियों के लिए दिशा निर्देश जारी किए तो वहीं गणमान्य लोगों से भी प्रशासन का सहयोग करते हुए आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पण्डाल बनाने में कहीं भी प्लास्टिक, थर्माकोल, पॉलीथीन या जल्द आग पकड़ने वाली किसी भी समाग्री का प्रयोग नहीं किया जाए। विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ने आयोजकों, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों, जनता जनार्दन से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी समस्याओं व सुझावों को जाना। डीएम ने सभी एसडीएम, अधिशासी अभियन्ता पीडब्लूडी, विद्युत, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय, थानाध्यक्ष को निर्देशित करते हुए कहा कि रामलीला आयोजकों, दुर्गापूजा पंडाल व्यवस्थापकों, पदाधिकारियों के साथ मीटिंग करते हुए आयोजन स्थल व रूट पर पैदल भ्रमण करते हुए सभी आवश्यक बिन्दुओं निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि परम्परागत जो आयोजन जिस रूप में अनवरत चले आ रहे हैं, उसी रूप में होंगें। किसी भी नई परम्परा-परिपाटी की शुरूआत नहीं होगी। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में निर्देश दिए। सीडीओ पवन कुमार मीना, अपर जिलाधिकारी वित्त-राजस्व अविनाश त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप, समेत अन्य सम्बंधित अधिकारी, व्यापारी आयोजक मौजूद रहे।

स्ट्रीट लाइट, पानी की हो समुचित व्यवस्था: बैठक में डीएम ने ईओ से कहा कि आयोजन स्थल पर डस्टबिन रखे। स्ट्रीट लाइट, पानी आदि की समुचित व्यवस्था कराएं। साथ ही सड़कों में जल भराव की स्थिति न रहे। उन्होंने कहा कि त्योहारों में यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखी जाय एवं सभी लोग आपसी भाईचारे, सद्भाव, हर्षोल्लास के साथ मिलजुलकर त्योहारों को मनाएं।

अराजकता फैलाने पर कठोर कार्यवाही: डीएम ने कहा कि त्योहारों में असमाजिक व अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। मूर्ति विसर्जन नदी में न होकर चिन्हित तालाब या गड्ढों में ही किया जाए। शोभायात्रा, जुलूस वाले रास्तो मे पड़ने वाले मीट की दुकाने ढककर चलाये ताकि किसी की धार्मिक भावना आहट न हो।

बाइक सवार शिक्षक की ट्रैक्टर में रखे पाइप से टकराकर मौत

फर्रुखाबाद। हादसे में शिक्षक शाहरुख खान की मौत हो जाने से परिवार में मातम छा गया। 30 वर्षीय शाहरुख खान मैनपुरी थाना भोगांव के मोहल्ला मो. शहीद निवासी अशफाक खान के पुत्र थे। उनकी जनपद बदायूं के ओसावां के स्कूल में पोस्टिंग थी। शिक्षक शाहरुख खान सुबह बाइक द्वारा ड्यूटी पर जा रहे थे जब वह थाना मेरापुर के ग्राम चंदुइया पानी टंकी के सामने से गुजर रहे थे उसी समय ट्रैक्टर की ट्राली में लोहे के पाइप ले जाए जा रहे थे। शिक्षक का सिर लोहे के पाइप से टकरा गया जिससे वह सड़क किनारे जा गिरे। 108 एम्बुलेंस से घायल शिक्षक को सीएचसी कायमगंज ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने शिक्षक को मृत घोषित कर दिया। अचरा चौकी इंचार्ज ने घटना की जांच पड़ताल के बाद परिजनों को फोन पर घटना की जानकारी दी। परिजन अस्पताल पहुंचे ही शाहरुख के शव को देखकर बुरी तरह बिलखने लगे।

सड़क दुर्घटनाओं में तीन युवकों की गयी जान

संडीला (हरदोई)। दो सड़क दुर्घटनाओं में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गयी। प्रथम दुर्घटना संडीला मल्लावां मार्ग पर ग्राम कहली के पास हुई। बताया गया है कि कोतवाली कछौना के अंतर्गत ग्राम धनाखेड़ा निवासी 25 वर्षीय अवनीश कुमार गांव के ही 45 वर्षीय राम अवतार के साथ ग्राम कहली में मक्का की फ़सल की कटाई करने के लिए बाइक से गए थे। जब काम समाप्त करके दोनों लोग बाइक से ही वापस घर लौट रहे थेए तभी ग्राम कहली से थोड़ी दूरी पर पीछे से आ रही प्राइवेट बस ने दोनों बाइक सवारों को टक्कर मार दीए जिससे दोनों लोग उछलकर सड़क पर जा गिरे और मरणासन्न हो गए। ग्रामीणों ने यह हादसा देखकर पुलिस को सूचित किया और पुलिस के आने पर दोनों को उठाकर सीएचसी संडीला लाया गया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो गयी थी। मृतक अवनीश के परिवार में उसकी पत्नी तथा 4 बच्चे और राम अवतार के परिवार में उसकी पत्नी तथा एक पुत्र है। पुलिस ने इस घटना से संबंधित कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजन की तहरीर पर एफ़आईआर दर्ज की गयी है। हालांकि अभी तक किसी की गिरफ़्तारी नहीं हो पाई है।

दूसरी दुर्घटना प्रतापनगर संडीला मार्ग पर हुई। यहां बाइक सवार युवक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दीए जिससे उसकी मौत हो गयी। ग्राम अटिया निवासी 26 वर्षीय विजय कुमार अपनी बाइक से किसी काम के लिए कोथावां गया था। रात लगभग 8 बजे वापस लौटते समय जब वह ग्राम अहिरावां के पास पहुंचा तो उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दीए जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में उठाकर सीएचसी ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गयी। एक अन्य मामले में ग्राम बेहसरिया निवासी 50 वर्षीय वीरेन्द्र कुमार ग्राम गोसवा डोंगा स्थित अपने खेत पर गए थे और जब वह देर शाम तक वापस नहीं लौटे तो उनके परिजन खेत पर पहुंचे। वहां वे बेहोश पड़े थे। परिजन उन्हें उठाकर चिकित्सालय लाए जहां डॉक्टरों नें उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दुर्घटना स्थल पर मौजूद पुलिस

हादसे को दाव दे रहा टूटा सीमेंटेड विद्युत पोल

- पार्षद ने की जर्जर विद्युत पोल हटवाए जाने की मांग

गुरसहायगंज (कन्नौज)। नगर के अधिकांश मोहल्लों में जर्जर एवं छतिग्रस्त पोल के कारण कई बार जान माल के बड़े हादसे हो चुके हैं। वहीं नगर से ग्राम नंगापुर्वा जानें वाले मार्ग पर गोगा जी महाराज आश्रम के निकट लगे क्षतिग्रस्त सीमेंटेड विद्युत पोल हादसे को दाव त दे रहा है। स्थानीय सभासद नें पोल को बदलवाये जाने की मांग की है। गुरूवार को नगर के जीटी रोड से तिर्वारोड एवं ग्राम नंगापुर्वा जाने बाले मिनी बाईपास पर स्थित गोगा जी महाराज आश्रम के निकट लगा अति क्षतिग्रस्त सीमेंटेड विद्युत पोल दौड रहे करंट के कारण किसी भी समय बडा हादसा हो सकता है। स्थानीय सभासद परमजीत ने बताया कि टूटे सीमेंटेड विद्युत पोल के तार भी बेहद खतरनाक ढंग से नीचे निकले हुए हैं। उन्होंनें विद्युत विभाग से टूटे हुए सीमेंटेड विद्युत पोल को बदलवाये जाने की मांग की है। वहीं मामले के संबन्ध में एसडीओ बृजेश कुमार सिरोही का कहना है कि टूटे विद्यृत पोल की जानकारी नही थी। चौबीस घण्टे के अंदर टूटे विद्युत पोल को बदलवाया जायेगा।

हादसे को दावत दे रहा टूटा सीमेंटेड विद्युत पोल।

डीएम ने त्योहारों नवरात्र, दशहरा, दीपावली, भाई दूज छठ पूजा के दृष्टिगत की शांति समिति की बैठक

- सभी संबंधित अधिकारी अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं को रखे दुरूस्त, ना हो कोई लापरवाही: जिलाधिकारी

कानपुर देहात। आगामी त्योहार नवरात्र, दशहरा, दीपावली, भाई दूज, छठ पूजा के दृष्टिगत जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक जिलाधिकारी आलोक सिंह के अध्यक्षता में मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। डीएम ने सभी अधिकारियों व आए हुए गणमान्य आयोजकों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़क पर पंडाल की स्थापना नही की जायेगी, मुख्य सड़क से हटकर पार्क या किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर जहां परम्परागत रूप से मूर्ति की स्थापना होती रही हैए वहीं पंडाल स्थापित किया जाये। पंडालों में सीसीटीवी कैमरें लगायें जाये, फायर एनओसी ली जाये। आयोजक अपने वालेन्टीयर लगायेए उन्हें पहचान पत्र जारी करें तथा उनकी सूची स्थानीय एसएचओ को भी उपलब्ध करायें। नदियों में मूर्ति विसर्जन नहीं किया जाएगा, नदियों से अलग चिन्हित स्थल पर मूर्ति विसर्जन संपन्न कराया जाए, विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। विसर्जन स्थलों पर गोताखोर भी तैनात रखे जाये।आयोजकों से कहा प्रतिमा विसर्जन के लिए जो स्थान चिन्हित किए गए हैं, उन्हीं स्थानों पर विसर्जन संपन्न करायें। डीएम ने पंडाल के आस.पास साफ सफाई, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। सभी आयोजन स्थलों, विसर्जन के समय शोभा यात्रा में डीजे निर्धारित मानक के अनुरूप ही बजायें जाये। धार्मिक आयोजनों के दौरान अश्लील नृत्य, गाने न बजायें जाये। शोभा यात्रा, विसर्जन यात्रा पूर्व निर्धारित रूटों पर ही निकाली जाये। जो भी कार्यक्रम होते रहे हैं वही आयोजित किए जाएं, कोई भी नई परंपरा न जोड़ी जाए। डीएम ने कहा कि त्योहारों के दृष्टिगत विद्युत आपूर्ति निर्वाधरूप से संचालित रहेए इसके लिए विद्युत विभाग के अधिकारी संपूर्ण व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ले तथा सभी पंडाल या अन्य आयोजन स्थलों पर विद्युत कर्मियों की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। डीएम ने सभी थाना प्रभारी, क्षेत्राधिकारी व एसडीएम से उनकी तैयारियों की समीक्षा कर विस्तृत दिशा निर्देश दिए।

निवेश मेले में कृषकों को नि:शुल्क मिलेगें बीज

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में जिला उद्यान अधिकारी बल्देव प्रसाद ने बताया कि जनपद कानपुर देहात के कृषक बन्धुओं को राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत वर्ष 2024.25 में अधिकृत बीज कंपनियों द्वारा 04.10.2024 को राजकीय अलंकृत उद्यान आलमचन्द्रपुर कानपुर देहात में स्टाल लगाकर शाकभाजी फसलों यथा शिमला मिर्च, टमाटर, पत्तागोभी, फूलगोभी, कद्दूवर्गीय (लौकी, तरोई, कद्दू करेला) मसाला कार्यक्रम में मिर्च, प्याज का बीज कृषकों को नि:शुल्क उपलब्ध कराया जायेगा। 25 से 50 प्रतिशत तक अनुमन्य अनुदान डीबीटी माध्यम से निवेश के रूप में प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर दिया जायेगा। कृषक अतिशीघ्र ऑनलाइन उद्यान विभाग की वेबसाइट पर पंजीकरण कराते हुये मूल आवेदन पत्र के साथ खतौनी, बैंक पासबुक, आधारकार्ड की छायाप्रति एवं दो फोटो के साथ राजकीय अलंकृत उद्यान आलमचन्द्रपुर कानपुर देहात पहुँच कर बीज प्राप्त कर सकतें हैं।

क्विक न्यूज

एसपी ने अपराध गोष्ठी में अधीनस्थों को दिये निर्देश

कानपुर देहात। पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति द्वारा मासिक अपराध गोष्ठी कर कानून.व्यवस्था की समीक्षा की गयी। अपर पुलिस अधीक्षक कानपुर देहातए समस्त क्षेत्राधिकारी गण तथा समस्त थाना प्रभारी गोष्ठी में शामिल हुए तथा गोष्ठी में भा.द.वि./बीएनएस के अपराधए महिला उत्पीड़नए अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति से संबंधी अपराध व निरोधात्मक कार्यवाही की मासिक समीक्षा व प्रगतिशील सूचना एवं नवरात्रि तथा दशहरा त्यौहार के संबंध में दिशा निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक द्वारा 24 बिन्दुओं पर समीक्षा की गयी व थाने पर प्राप्त प्रत्येक छोटी से छोटी घटना का संज्ञान लिया जाये तथा उसका उसी स्तर पर तत्काल एवं यथोचित निराकरण किया जाये। महिला संबंधी अपराधों का तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत जनपद में महिला बीट बनायी गयी है, प्रत्येक बीट पर महिला बीपीओ की नियुक्ति की गयी है जिनकी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये गये ।

युवक की संदिग्ध हालत में खेत पर हुई मौत

फर्रुखाबाद। युवक की संदिग्ध हालत में खेत में मौत हो गयी। खेत में गये युवक की हालत बिगड़ गयी। स्वजन उसे लेकर लोहिया अस्पताल पंहुचे, जहाँ चिकित्सक नें उसे मृत घोषित कर दिया। थाना शमसाबाद के ग्राम फरीदपुर नौखंडा निवासी 18 वर्षीय शिवम जाटव पुत्र होते राम शाम 3 बजे खेत पर गया थ। जहाँ शाम को 4. 30 बजे उसके खेत में पड़े होनें की सूचना परिजनों को मिली। परिजन उसे लेकर लोहिया अस्पताल पंहुचे। अस्पताल में चिकित्सक नें उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की माँ उमा देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक चार भाईयो में सबसे छोटा था।

ग्रामीण ने आम के पेड़ में फांसी लगाकर दी जान

फर्रुखाबाद। घर से निकलनें के दो घंटे बाद ही ग्रामीण युवक का शव फांसी के फंदे पर झूलता हुआ मिला। पुलिस नें शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना कंपिल क्षेत्र के ग्राम भोगपुर निवासी 18 वर्षीय वर्ष पुत्र गुड्डू जाटव खेती का कार्य करता था। गत शाम को वह घर से निकला। शाम 8 बजे उसका शव गांव से करीब 400 सौ मीटर दूर जोगपाल के खेत में खड़े आम के पेड़ में डूपट्टे से फांसी पर झूलता हुआ मिला। मृतक माँ सुनीता देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

लोडर की टक्कर से घायल किशोर की मौत

फतेहपुर। हथगाम थाना क्षेत्र के चकहसनपुर गांव निवासी जुगराज सिंह का 16 वर्षीय पुत्र राहुल घर में खड़ी बाइक पर सवार होकर निकला तभी रस्ते में उसको जुबेरी गाँव के समीप लोडर ने टक्कर मार दिया। जिससे राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना सरकारी 108 एंबुलेंस को दी गई। एंबुलेंस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने किशोर की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के सुकेती गांव निवासी रामराज पासवान की 65 वर्षीय पत्नी कलुईया बुधवार की शाम घर से किसी काम के लिए निकली थी। तभी गांव के समीप अज्ञात वाहन उसको टक्कर मारते हुए निकल गया। जिससे उसकी मौके पर दर्दनाक मौत हो गई हादसे की जानकारी परिजनों को हुई तो घर में कोहराम मच गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाइक सवार डिवाइडर से टकरा कर घायल

फतेहपुर। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के चुरमन खेड़ा गांव निवासी विशाल का 36 वर्षीय पुत्र संजय बुधवार की शाम बाइक पर सवार होकर घर से किसी काम के लिए निकला था। जब वह कल्याणपुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे 2 पर मुरादीपुर गाँव के समीप पहुंचा तभी अचानक सामने ट्रक आ गया। ट्रक से खुद को बचाने के प्रयास में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

नवरात्र पर सफाई व्यवस्था में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्तः चेयरमैन

संडीला (हरदोई)। नगर पालिका परिषद के चेयरमैन मोस रईस अंसारी ने नवरात्र के अवसर पर विशेष सफ़ाई अभियान चलाने और पूजा स्थलों के इर्द गिर्द किसी भी दशा में गंदगी पाए जाने पर उसे अक्षम्य बताते हुए कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। चेयरमैन हाजी मो. रईस अंसारी ने सफ़ाई निरीक्षक राजमंगल सिंह, समस्त सफ़ाई नायकों को निर्देश देते हुए कहा कि शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर सारे नगर में विशेष सफ़ाई अभियान चलाया जाए। नगर के सभी मंदिरों विशेष रूप से शीतला मंदिर, दुर्गा मंदिर, प्रभातफ़ेरी मंदिर, भुइयन देवी मंदिर समेत नगर के समस्त मंदिरों तथा अन्य पूजा स्थलों पर सफ़ाई को लेकर विशेष नज़र रखने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन स्थानों पर सफ़ाईकर्मियों की तैनाती की गयी हैए वे पूरी ज़िम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वाह करें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

छात्रा प्रिया की मौत पर सामाजिक संगठनों ने किया प्रदर्शन

फतेहपुर। खागा कस्बे के सरस्वती बाल मंदिर इंटर कालेज की तीसरी मंजिल से कूदकर जान देने वाली छात्रा प्रिया मौर्या की मौत का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। फरार चल रहे प्रधानाचार्य को अब तक गिरफ्तार न किए जाने व कैंडिल मार्च निकाल रहे लोगों पर पुलिस की ओर से दर्ज किए गए फर्जी मुकदमें से नाराज सामाजिक संगठनों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर प्रधानाचार्य को तत्काल गिरफ्तार किए जाने की मांग की। मौर्या कुशवाहा उत्थान समिति के बैनर तले विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया तत्पश्चात राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर कहा कि सरस्वती बाल मंदिर इंटर कालेज खागा में अध्ययनरत बेटी प्रिया मौर्या की असामायिक मृत्यु की न्यायिक जांच व गिरफ्तारी होनी चाहिए। खागा पुलिस प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण कैंडिल मार्च में शामिल लोगों पर दबाव बनाने के उद्देश्य से की जा रही कार्रवाई बेहद निराशाजनक है। घटना के आठ दिन हो जाने के बाद भी प्रधानाचार्य को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। इससे सभी समाज में पुलिस प्रशासन पर नाराजगी है। घटना के समय विद्यालय की छत पर प्रिया के अलावा एक व्यक्ति और भी सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है। छत पर और लोग भी मौजूद थे। जिससे बेटी के साथ कोई गलत कार्य का अंदेशा है। प्रधानाचार्य ने बेटी बचाओ व बेटी पढ़ाओ के नारे का खुलेआम कत्ल किया है। पुलिस प्रशासन जानबूझकर गिरफ्तारी में देरी कर रही है। मांग किया कि बेटी प्रिया मौर्या की घटना की तत्काल जांच कराकर उचित न्याय दिलाया जाए। यदि प्रधानाचार्य को जल्द गिरफ्तार न किया गया तो सभी सामाजिक संगठन बड़े पैमाने पर आंदोलन के लिए विवश हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं के प्रति अपराधों को लेकर सभी जिलों को किया अलर्ट कर दिया निर्देश

बांदा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं के प्रति अपराधों को लेकर सभी जिलों को अलर्ट कर दिशा निर्देश जारी किए हैंए उसी क्रम में बांदा जिले में महिला सुरक्षा को लेकर एक नई पहल की शुरुआत की गई है, इसका उद्देश्य है कि महिला अपराध को रोका जा सके और अपराधी का आसानी से पता चल सकेण् जिसको लेकर बांदा पुलिस ने सभी ई रिक्शा का क्यूआर कोड जारी करने का निर्देश जारी किया है, जिसमे उस रिक्शा चालक और मालिक का पूरा डिटेल दर्ज रहेगाए जिससे हर बैठने वाले पैसेंजर उस रिक्शा चालक का पूरा डिटेल क्यूआर कोड से जान सकेंगे।

एसपी ने ट्रैफिक पुलिस टीम के साथ ई रिक्शा चालकों के साथ बैठक की है और आज नवरात्रि के पहले दिन से ही इसकी शुरू की गई है। आपको बता दें पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल जी से बात हुई उन्होंने बताया की इस कर कोड से अकेले महिला या बच्चियों जो ई.रिक्शा में सफर कर रही है उन्हें कर कोड से जिस की पूरी डिटेल किसी का रिक्शा है कौन चालक है यह प्राप्त हो जाएगी मैं सभी बांदा महिलाओं और बच्चियों से अपील करता हूं कि जैसे ई रिक्शा में बैठे अपने मोबाइल से कर कोड स्कैन कर ले और उसे अपने परिजनों को तथा पुलिस को शेयर कर दे इससे उनकी लोकेशन ट्रेस होती रहेगी क्योंकि सभी में चिप लगाई जाएगी जिसमें पूरा लोकेशन और नक्शा दिखाएगा जिले में हजारों ई रिक्शे हैं, जो चलते हैं। कई बार अप्रिय घटनाएं भी सामने आती हैं या रिक्शा चोरी होने पर उसको दूसरी जगह बेच दिया जाता हैण् उसी क्रम में बांदा के एसपी अंकुर ने सुरक्षा की दृष्टि से एक नई पहल की शुरुआत की हैण् खबर के मुताबिक बांदा पुलिस परिवहन विभाग के साथ मिलकर क्यूआर कोड जारी करेगी।

त्योहारों को लेकर आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सौहार्द के साथ मनाये जाने के संबंध में जिला शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न

बाँदा। जिलाधिकारी नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी दुर्गापूजा, दशहरा व अन्य त्यौहारों को शान्तिपूर्ण एवं कुशलता पूर्वक तथा आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सौहार्द के साथ मनाये जाने के सम्बन्ध में जिला शान्ति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि परम्परागत रूप से जो कार्यक्रम व जुलूस आदि आयोजित किये जाते रहे हैंए उसी अनुरूप शान्तिपूर्णढंग से कार्यक्रम आयोजित किये जायें। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जुलूस के मार्गों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं को चेक कर लें तथा उन्हें समय से सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों से सम्पर्क करते हुए कार्यों को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि मूर्ति विसर्जन के लिए तय किये गये रूट को भी देख लिया जाए तथा विसर्जन स्थानों पर लाइट एवं साफसफाई के साथ ही अन्य आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित कर ली जायें। उन्होंने त्यौहारों के अवसर पर पुलिस अधिकारियों को व्यापक सुरक्षा व्यवस्था एवं सतर्कता बरतने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंताओं को निर्देशित किया कि त्यौहारों के अवसर पर समुचित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ जर्जर विद्युत के तारों व यदि कोई विद्युत पोल खराब हो तो उसको तत्काल ठीक कराये जाने के साथ विसर्जन रूट में यदि कोई तार नीचे हैं तो उसे ऊपर करने के निर्देश दिये। अधिशाषी अभियंता जल संस्थान एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वर्षा के कारण जहां कहीं सड़क में गड्ढे हो गये हैं उनकी मरम्मत कराकर ठीक किया जाए तथा जल संस्थान द्वारा पेयजल की नियमित आपूर्ति की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए पूजा पंडालों सहित नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाकर सफाई की व्यवस्था की जाए। नगरपालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि आवारा जानवर सुअर आदि को बाडों में बन्द करायें। उन्होंने दुर्गा पूजा पण्डालों के पदाधिकारियों को निर्देश दिये कि त्यौहारों को शान्तिपूर्वक एवं कुशलता से मनाये जाने हेतु अपने वालेन्टियर्स भी लगायें तथा पार्किंग आदि कि व्यवस्था भी सड़क से हटकर कराना सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने शान्ति समिति के पदाधिकारियों से त्यौहारों को शान्तिपूर्णढंग से मनाये जाने हेतु उनके सुझावों को आमंत्रित करते हुए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को उनकी समस्याओं के निस्तारण हेतु कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये।

कलयुगी बेटे ने पिता को पीट कर घर से निकला

ढखेरवा (लखीमपुर)। पुलिस से लोग न्याय की उम्मीद तो रखते हैं लेकिन जब पुलिस ही बड़े.बड़े अपराधिक मामलों को नजर अंदाज करती रहे तो फिर आमजन का पुलिस से विश्वास ही रूठ जाता हैस ऐसा ही एक मामला पढुआ थाना क्षेत्र में सामने आया हैस जहां एक बुजुर्ग को उसके ही बड़े बेटे ने जमकर पिटाई कर घर से निकाल दिया और वह न्याय पाने के लिए पिछले कई दिनों से थाने के चक्कर लगाने को मजबूर है। पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में गांव सुजानपुर निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग बृजमोहन ने बताया है कि उसका बड़ा पुत्र रामप्रसाद ने पैसों को लेकर उसकी लाठी से जमकर पिटाई कर दिया इस दौरान बचाने गए बुजुर्ग के छोटे पुत्र प्रेम कुमार को भी उसने नहीं बक्सा और पिटाई कर दिया स आरोपित पुत्र पर कार्रवाई को लेकर बुजुर्ग बृजमोहन थाने के चक्कर लगा रहा है लेकिन उसकी फरियाद सुनने वाला कोई नहीं है।

जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को बांटे गए फल

लखीमपुर खीरी। महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर ओयल स्थित जिला पुरुष चिकित्सालय एमसीएच विंग में सीएमएस डॉ आरके कोली द्वारा दोनों ही महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किए गए। वहीं दोनों महापुरुषों के जीवन पर अधिकारियों कर्मचारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान समस्त कर्मचारियों को तंबाकू मुक्त युवा अभियान के अंतर्गत तंबाकू उत्पादों का सेवन न करने व लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की शपथ भी दिलाई गई। इसके उपरांत जिला चिकित्सालय के आइसोलेशन वार्ड जिरियाट्रिक वार्ड, एनआरसी, चिल्ड्रन वार्डए सर्जिकल वार्ड, आयुष्मान वार्ड में भर्ती मरीजों को फल वितरण किया गया।

इस दौरान बाल रोग विशेषज्ञ डॉ आरपी वर्मा, डॉ हर्ष देव भारती, डॉ सतीश वर्मा, डॉ एके द्विवेदी, डॉ कमलेंद्र वर्मा, डॉ विजय वर्मा, मैट्रन रजनी मसीह, लैब टेक्नीशियन महंत सिंह, फार्मासिस्ट विमल सिंह, अमरेंद्र सिंह, काउंसलर देवनंदन श्रीवास्तव, मनीष कुमार, सुरेंद्र कश्यप, पंकज शुक्ला, मनोज मौर्य, अनुज त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में जिला चिकित्सालय में तैनात अधिकारियों कर्मचारियों सहित अन्य शामिल हुए।

युवाओं को रोजगार के काबिल बनाने को पायलट आधार पर प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना आरंभ

नई दिल्ली। सरकार ने युवाओं को रोजगार के काबिल बनाने के मकसद से बृहस्पतिवार को पायलट आधार पर प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना शुरू की। योजना के तहत इंटर्नशिप के लिए चयनित युवाओं को 5,000 रुपए मासिक वित्तीय सहायता मिलेगी। इसके अलावा, उन्हें इंटर्नशिप जॉइन करने को लेकर एकबारगी 6,000 रुपए की सहायता दी जाएगी। सरकारी सूत्रों ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में 1.25 लाख इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराने की योजना है। इस पर 800 करोड़ रुपए का खर्च आने का अनुमान है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के अपने बजट भाषण में कहा था कि सरकार इंटर्नशिप प्रदान करने के लिए एक व्यापक योजना शुरू करेगी। इसके तहत पांच साल में एक करोड़ युवाओं को 500 शीर्ष कंपनियों में प्रशिक्षण का अवसर दिया जाएगा। उन्हें वास्तविक रूप से कारोबारी माहौल, विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में 12 महीने कामकाज के गुर सीखने का मौका मिलेगा और साथ ही रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

योजना को ऑनलाइन पोर्टल...डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट पीएमइंटर्नशिप डॉट एमसीए डॉट जीओवी डॉट इन... के जरिए लागू किया जाएगा। पोर्टल का विकास कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने किया है। इंटर्नशिप के लिए चयनित युवाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत बीमा कवर दिया जाएगा। इसके लिए प्रीमियम का भुगतान सरकार करेगी। कंपनियां चयनित उम्मीदवार को अतिरिक्त दुर्घटना बीमा उपलब्ध करा सकती हैं। सूत्रों ने कहा कि पायलट परियोजना दिसंबर के पहले सप्ताह में पूरी होने की उम्मीद है। उसके बाद इसे पूर्ण रूप से लागू किया जाएगा। केंद्र सरकार की नौकरियों में आरक्षण का नियम इस योजना में भी लागू होगा। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से भागीदार कंपनियां इंटर्नशिप के अवसर प्रदान कर सकती हैं। पायलट परियोजना के लिए शीर्ष कंपनियों की पहचान पिछले तीन साल में उनके सीएसआर (कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व) व्यय के औसत के आधार पर की गई है।

जो उम्मीदवार प्रशिक्षण चाहते हैं, वे अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से पोर्टल पर पंजीकरण करा सकते है। इंटर्नशिप एक साल के लिए होगी। कोई भी अन्य कंपनीबैंकावित्तीय संस्थान मंत्रालय की मंजूरी से इस योजना में भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षुओं को प्रति माह 5,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। कुल राशि में से 4,500 रुपए सरकार सीधे चयनित उम्मीदवार के बैंक खाते में डालेगी जबकि 500 रुपए कंपनी अपने सीएसआर कोष से भुगतान करेगी।

योजना के तहत प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण से जुड़ा खर्च कंपनी अपने सीएसआर कोष से उठाएगी। पूर्णकालिक नौकरी और पढ़ाई नहीं कर रहे 21 साल से 24 साल के युवा इसके लिए पोर्टल के जरिए आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइनादूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों से जुड़े उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं। पात्रता मानदंड के बारे में सूत्रों ने कहा कि जिन उम्मीदवारों ने हाई स्कूल, उच्च माध्यमिक स्कूल से उत्तीर्ण की है, आईटीआई का प्रमाण पत्र है, पॉलिटेक्निक संस्थान से डिप्लोमा है, या बीए, बी.एससी, बी.कॉम, बीसीए, बीबीए, बी.फार्मा जैसी डिग्री के साथ स्नातक हैं, वे इसके लिए पात्र होंगे।

बौद्ध धर्म से जुड़े नए तथ्यों को जानने में सहायक होगा बौध अध्ययन केंद्रः उपमुख्यमंत्री

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि राजीव गांधी विवि (आरजीयू) में बनने वाले बौद्ध अध्ययन केंद्र से बौद्ध धर्म का शाश्वत दर्शन, सिद्धांतों का अध्ययन करने और इससे जुड़े नए तथ्यों को जानने में मदद मिलेगी। मीन ने छात्र गतिविधि केंद्र का उद्घाटन और बौद्ध अध्ययन केंद्र की आधारशिला रखते हुए कहा कि महायान और हीनयान दोनों संप्रदायों के कई बौद्ध छात्र और विद्वान वर्तमान में अध्ययन के लिए म्यांमार, थाईलैंड और बोधगया स्थित नालंदा विश्वविद्यालय जाते हैं। इस नए केंद्र के जरिए छात्र स्थानीय स्तर पर बौद्ध धर्म का अध्ययन कर सकेंगे और नई-नई बातें जान सकेंगे। निवर्तमान कुलपति प्रोफेसर साकेत कुशवाहा के कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए मीन ने कहा कि पिछले छह वर्षों में शैक्षणिक विभागों की संख्या दोगुनी हो गई है।

आतंकवादियों के इंक्रिप्टेड हैंडसेट का जल्द तोड़ निकाल लेगी सेनाः लेफ्टिनेंट जनरल राजीव

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में सेना के शीर्ष अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बृहस्पतिवार को कहा कि सेना जल्द ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले इंक्रिप्टेड हैंडसेट का तोड़ निकालने में सक्षम होगी। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए माना कि आंतकवादियों के बीच संचार आतंकवादी समूहों को गोपनीयता प्रदान कर रहा है उन्होंने आश्वासन दिया कि इसका तोड़ निकालने का काम प्रगति पर है। उन्होंने कहा, आंतकवादियों के बीच संचार में इंक्रिप्शन की विभिन्न परतें हैं और वर्तमान में यह उन्हें वह गोपनीयता प्रदान कर रहा है जो वे चाहते हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कोर के कमांडर के रूप में अंतिम बार संवाददाताओं को संबोधित करते कहा, लेकिन मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि इस संबंध में काम जारी है और जल्द ही हम उस इंक्रिप्शन का तोड़ निकालने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि इससे आतंकवादी नेटवर्क पर और भी अधिक असर पड़ेगा। घई जल्द ही सैन्य संचालन के महानिदेशक का पदभार संभालेंगे।

इजराइल-लेबनान संघर्ष में मोबाइल फोन को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने को लेकर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा, जब भी दुनिया भर में किसी भी सैन्य बल द्वारा कोई नया तरीका अपनाया जाता है तो हम हमेशा सबक सीखने के लिए उस पर ध्यान देते हैं ताकि हम अपने लिए प्रासंगिक चीजों को शामिल कर सकें और अपनी सेना व सशस्त्र बलों को उसी के अनुसार तैयार कर सकें। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया में जो कुछ हम देख रहे हैं वह स्पष्ट रूप से एक नया चलन है और जिस तरह से यह सामने आ रहा है, वह काफी अनोखा है। इसलिए हम निश्चित रूप से इसका विश्लेषण करेंगे और इस बारे में निष्कर्ष निकालेंगे कि क्या प्रासंगिक है तथा यह हमें कैसे प्रभावित कर सकता है।

ये अल्ट्रा हेंडसेट कश्मीर घाटी में कुछ मुठभेड़ों से बरामद किए गए थे। पाकिस्तानी सेना के लिए विशेष रूप से चीनी कंपनियों द्वारा निर्मित इन विशेष हैंडसेट को पिछले साल 17-18 जुलाई की मध्यरात्रि में जम्मू क्षेत्र के पुंछ जिले के सुरनकोट के सिंदाराह शीर्ष क्षेत्र में और इस साल 26 अप्रैल को उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर के चेक मोहल्ला नौपोरा इलाके में मुठभेड़ के बाद जब्त किया गया था। डिवाइस संदेश प्रसारण और रिसेप्शन के लिए रेडियो तरंगों पर काम करता है। प्रत्एक अल्ट्रा सेट सीमा पार स्थित एक नियंत्रण स्टेशन से जुड़ा होता है और दो अल्ट्रा सेट एक दूसरे तक नहीं पहुंच सकते हैं।

जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ लड़ाई रातोंरात नहीं जीती जा सकतीः उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ लड़ाई कोई ऐसी लड़ाई नहीं है जिसे रातोंरात जीता जा सके, इसके लिए निरंतर प्रयास, समर्पण और असमानता को कायम रखने वाले सामाजिक मानदंडों का सामना करने तथा उन्हें चुनौती देने की इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि संविधान ऐतिहासिक अन्याय के खिलाफ लड़ाई का प्रमाण है और जाति के व्यापक प्रभाव को देखते हुए सभी नागरिकों के लिए समानता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उच्चतम न्यायालय ने करीब 11 राज्यों की जेल नियमावली के भेदभावपूर्ण प्रावधानों को खारिज कर दिया तथा जाति के आधार पर काम के बंटवारे और कैदियों को अलग-अलग वार्ड में रखने के चलन की निंदा की। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि संविधान में मौलिक गलतियों के स्थान पर मौलिक अधिकारों को स्थापित करने का प्रावधान है।

संविधान के प्रावधानों के माध्यम से इसने सदियों पुरानी जाति-आधारित पदानुक्रमित सामाजिक व्यवस्था को हटा दिया, जो व्यक्तिगत समानता के सिद्धांत को मान्यता नहीं देती थी। शीर्ष अदालत ने कहा, जाति-आधारित भेदभाव के खिलाफ लड़ाई कोई ऐसी लड़ाई नहीं है जिसे रातोंरात जीता जा सके, इसके लिए निरंतर प्रयास, समर्पण और असमानता को कायम रखने वाले सामाजिक मानदंडों का सामना करने और उन्हें चुनौती देने की इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। पीठ ने कहा, जाति-आधारित भेदभाव की कुप्रथाओं का सामना करने पर इस न्यायालय को सक्रिय रुख अपनाना चाहिए। मौजूदा याचिका पर विचार करके यह न्यायालय जाति-आधारित भेदभाव को समाप्त करने के लिए चल रहे।

संघर्ष में अपना योगदान दे रहा है। पीठ ने कहा कि आधुनिक समय में आपराधिक कानूनों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण से इनकार न करें। आपराधिक कानूनों को औपनिवेशिक या पूर्व-औपनिवेशिक दर्शन का समर्थन नहीं करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा, संविधान लागू होने के बाद समाज में, सभी नागरिकों को कानून का समान संरक्षण प्राप्त हो, इसके लिए सकारात्मक कदम उठाने चाहिए।

किसानों का दो घंटे का रेल रोको आंदोलन, ट्रेन सेवा प्रभावित

होशियारपुर, लुधियाना। लखीमपुर खीरी कांड (2021) के पीड़ितों को न्याय दिलाने समेत विभिन्न मांगों के समर्थन में बृहस्पतिवार को किसानों ने दो घंटे के रेल रोको विरोध प्रदर्शन के तहत रेल की पटरियों पर धरना दिया, जिससे पूरे पंजाब में कई ट्रेन की आवाजाही प्रभावित हुई। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा की ओर से आयोजित यह विरोध प्रदर्शन राज्य में 33 स्थानों पर मध्याह्न साढ़े 12 बजे शुरू हुआ। यह लखीमपुर खीरी में 2021 में तीन कृषि कानूनों (अब निरस्त किए जा चुके) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत की घटना की तीसरी बरसी है। फिरोजपुर मंडल के रेलवे अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन के कारण 17 ट्रेन रोकी गईं लेकिन किसी भी ट्रेन को रद्द या फिर किसी भी ट्रेन का मार्ग परिवर्तित नहीं किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन केवल उन्हीं स्टेशनों पर रोकी गईं, जहां यात्रियों को आसानी से भोजन और अन्य सुविधाएं मिल सकती थीं। जिन ट्रेन को रोका गया उनमें लुधियाना-फिरोजपुर कैंट एक्सप्रेस, फिरोजपुर कैंट-लुधियाना एक्सप्रेस, सूर्य नगरी एक्सप्रेस, दुर्ग-जम्मू तवी स्पेशल, अमृतसर-जयनगर शहीद एक्सप्रेस, अमृतसर-अजमेर एक्सप्रेस, पुणे-जम्मू तवी झेलम एक्सप्रेस, जामनगर-माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस और जम्मू तवी-अहमदाबाद एक्सप्रेस शामिल हैं।

प्रदर्शनकारी किसानों ने फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, ऋण माफी, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने और लखीमपुर खीरी की घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करने की मांग की। अमृतसर में मनावाला रेलवे स्टेशन के पास किसानों के अमृतसर-दिल्ली रेल की पटरियों पर बैठ जाने से दोनों शहरों के बीच चलने वाली कई ट्रेन का मार्ग बदलना पड़ा। किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के संयोजक सरवन सिंह पंधेर ने लखीमपुर खीरी की घटना में न्याय की मांग की तथा राज्य एवं केंद्र, दोनों सरकारों पर किसानों की लंबे समय से लंबित मांगों पर ध्यान न देने तथा उनके प्रति उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया।

केंद्र सरकार द्वारा फसलों पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी देने समेत विभिन्न मांग पूरी करने के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से एसकेएम और केएमएम किसानों के दिल्ली चलो मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी किसान 13 फरवरी को सुरक्षा बलों द्वारा उनके मार्च को रोके जाने के बाद से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू तथा खनौरी सीमा पर डटे हुए हैं। होशियारपुर में भारतीय किसान यूनियन (दोआबा) के राज्य उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा मंडियाला गांव में रेलवे क्रासिंग के पास पटरियों पर धरना दिए जाने से होशियारपुर से जालंधर जाने वाली एक यात्री ट्रेन को नसराला रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। किसान मजदूर हितकारी सभा के सदस्यों ने जालंधर जिले के भंगाला में अनाज मंडी से रेलवे स्टेशन तक मार्च किया और जालंधर-जम्मू रेल खंड पर धरना देने से पठानकोट जाने वाली एक मालगाड़ी को मुकेरियां रेलवे स्टेशन पर रुकना पड़ा। जिलाध्यक्ष परमजीत सिंह भुल्ला के नेतृत्व में किसान मजदूर संघर्ष समिति के सदस्यों ने टांडा रेलवे स्टेशन पर रेल पटरी पर धरना दिया, जबकि गन्ना संघर्ष समिति के सदस्यों ने दसूहा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर धरना दिया। लुधियाना में किसानों ने साहनेवाल और फिल्लौर रेलवे स्टेशनों पर रेल पटरियों पर धरना दिया।

विधायक की टिप्पणी के विरोध में ईसाई समुदाय के लोगों ने बनाई मानव शृंखला

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में ईसाई समुदाय के लोगों ने बृहस्पतिवार को लगभग 130 किलोमीटर लंबी मानव शृंखला बनाकर ईसा मसीह के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए भाजपा विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। ईसाई आदिवासी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार किस्पोट्टा ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने पत्थलगांव से लोदाम गांव तक एक-दूसरे का हाथ पकड़कर लगभग 130 किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला तैयार बनाई और विरोध प्रदर्शन किया। किस्पोट्टा ने कहा कि विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किया गया। इस दौरान ईसा मसीह के बारे में जशपुर की भाजपा विधायक रायमुनि भगत की आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई। भगत ने जिले के आस्ता पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ढेंगनी गांव में एक कार्यक्रम के दौरान स्थानीय बोली में कथित तौर पर ईसा मसीह और धर्मांतरण के बारे में टिप्पणी की थी। बाद में उनके बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद ईसाई समुदाय के लोगों ने विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए जशपुर के सभी पुलिस थानों में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। किस्पोट्टा ने कहा कि भगत के बयान को लेकर ईसाइयों में भारी आक्रोश है और इस संबंध में शिकायत करने के बावजूद अब तक पुलिस ने कोई कार्वाई नहीं की, इसलिए हमने मानव श्रृंखला बनाकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया। उन्होंने चेतावनी दी कि इसके बाद भी यदि विधायक के खिलाफ कोई कार्वाई नहीं की गई तो समुदाय के लोग सड़क जाम जैसे विरोध प्रदर्शन करने से नहीं कतराएंगे। भगत ने टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर फोन पर बताया कि मानव श्रृंखला बनाने वालों को पहले अपना वैध प्रमाण पत्र दिखाना चाहिए कि वे ईसाई हैं। भगत ने कहा कि 1905 से पहले जशपुर में एक भी ईसाई परिवार नहीं था। बाद में कई परिवारों को जालसाजी के जरिए ईसाई बना दिया गया। धर्मांतरण के लिए एक कानूनी प्रक्रिया है जिसके तहत अधिकारी को आवेदन देना होता है। उन्होंने मानव श्रृंखला विरोध को फ्लॉप शो बताते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन करने वालों को पहले ईसाई धर्म अपनाने के बारे में अपना वैध प्रमाण पत्र दिखाना चाहिए।

एयर मार्शल एसपी धारकर ने वायुसेना उप प्रमुख का पदभार संभाला

नई दिल्ली। एयर मार्शल एस पी धारकर ने वायुसेना के उप प्रमुख का पदभार संभाल लिया। वह एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लेंगे, जो 30 सितंबर को वायुसेना प्रमुख बने थे। लड़ाकू विमानों के कुशल पायलट धारकर को 3,600 घंटे की उड़ान का अनुभव है। एयर मार्शल धारकर ने विभिन्न प्रकार के लड़ाकू विमान और प्रशिक्षण विमान उड़ाए हैं और मिग-27 स्क्वाड्रन की कमान संभाली है। अनुभवी योग्य उड़ान प्रशिक्षक, लड़ाकू स्ट्राइक लीडर और इंस्ट्रूमेंट रेटिंग प्रशिक्षक हैं। 1985 में फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त करने वाले धारकर राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कॉलेज, एनडीए, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज और अमेरिकी एयर वार कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। फ्रंटलाइन लड़ाकू इकाई की कमान संभाली और रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के पहले महानिदेशक के रूप में कार्य किया। एयर मार्शल धारकर वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ का पदभार संभालने से पहले पूर्वी वायुकमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यरत थे।

जम्मू कश्मीर चुनाव में 63.88% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया

भाषा। नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे चरण में 69.69 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया। केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव में कुल 63.88 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। चुनाव आयोग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आयोग ने बताया कि कुल मिलाकर मतदान केंद्रों पर 63.88 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि लोकसभा चुनाव में 58.58 प्रतिशत लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बताया कि एक अक्टूबर को केंद्र शासित प्रदेश में 40 सीटों पर मतदान के दौरान तीसरे चरण में पुरुष मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 69.37 प्रतिशत रहा, जबकि महिलाओं का प्रतिशत 70.02 रहा।

आयोग ने बताया कि तीसरे चरण में तीसरे लिंग के करीब 44 प्रतिशत मतदाता लोकतंत्र के इस पर्व में शामिल हुए। इसने बताया कि कुल मतदान 63.88 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरुषों की भागीदारी 64.68 प्रतिशत रही। आयोग ने कहा कि राज्य की 63.04 प्रतिशत महिलाओं ने भी मताधिकार का इस्तेमाल किया। तीसरे लिंग के मतदाताओं का मतदान फीसद 38.24 रहा।

आयोग ने बताया कि डाक से प्राप्त हुए मतपत्रों की गिनती के बाद मतदान के अंतिम आंकड़ों का पता चल पाएगा। आयोग ने कहा कि डाक मतपत्रों में सेवारत, अनुपस्थित मतदाताओं (85 वर्ष से अधिक आयु के विकलांग व्यक्ति, आवश्यक सेवाओं के अंग) और चुनाव ड्यूटी पर लगे मतदाताओं को दिए गए डाक मतपत्र शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि स्थापित दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्राप्त होने वाले ऐसे डाक मतपत्रों का दैनिक विवरण सभी उम्मीदवारों को दिया जाता है।

आयोजन समिति में मुस्लिम व्यक्ति के शामिल होने पर विवाद के बाद इंदौर में गरबा कार्यक्रम रद्द

इंदौर (मध्यप्रदेश)। इंदौर में एक गरबा कार्यक्रम की आयोजन समिति में एक मुस्लिम व्यक्ति के शामिल होने को लेकर बजरंग दल द्वारा पुलिस के सामने आपत्ति जताए जाने के बाद बृहस्पतिवार को यह 10 दिवसीय कार्यक्रम ऐन मौके पर रद्द कर दिया गया। विश्व हिंदू परिषद के स्थानीय नेता राजेश बिंजवे ने बताया कि बजरंग दल ने भंवरकुआं पुलिस को सौंपे ज्ञापन में कहा था कि गणेश नगर में कथित तौर पर लव जिहाद को बढ़ावा देने और अश्लीलता फैलाने के मकसद से गरबा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बजरंग दल ने पुलिस से मांग की थी कि फिरोज खान नामक व्यक्ति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम पर रोक लगाई जाए।

लव जिहाद शब्द का इस्तेमाल दक्षिणपंथी संगठन यह दावा करने के लिए करते हैं कि मुस्लिम पुरुष अन्य धर्मों की महिलाओं को इस्लाम में धर्मांतरित करने के लिए लुभाते हैं। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने पुष्टि की कि पुलिस को गणेश नगर में प्रस्तावित गरबा कार्यक्रम के खिलाफ बजरंग दल का ज्ञापन मिला है। उन्होंने दावा किया कि आयोजकों ने अब तक इस गरबा कार्यक्रम की अनुमति के लिए पुलिस को आवेदन नहीं किया है। दंडोतिया ने कहा, अगर कोई व्यक्ति इस गरबा कार्यक्रम की अनुमति के लिए पुलिस से संपर्क करेगा, तो वैधानिक कदम उठाए जाएंगे।

उधर, गणेश नगर के शिखर गरबा मंडल के कार्यक्रम के आयोजकों में शामिल फिरोज खान ने दावा किया कि पुलिस ने उनके संगठन को 10 दिवसीय गरबा कार्यक्रम की अनुमति दे दी थी, लेकिन बाद में कुछ लोगों ने उस जमीन के मालिक परै अनुचित दबावै बनाया जिस जगह गरबा होना था, नतीजतन उन्हें यह कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। खान ने कहा, हम पिछले 36 सालों से गणेश नगर में गरबा कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। मैं बचपन से गरबा पंडाल में सेवा करता आ रहा हूं। लेकिन पहली बार कुछ लोगों को मेरे मुस्लिम होने के कारण इस गरबा कार्यक्रम को लेकर समस्या हुई है।

उन्होंने भावुक होते हुए कहा, जिन लोगों को यह समस्या हुई है, मेरा उनसे निवेदन है कि वह गरबा कार्यक्रम आयोजित होने दें ताकि कई दिनों से तैयारी कर रहीं 250 से 300 महिलाएं गरबा कर सकें। अगर लोगों को मेरे नाम से समस्या है, तो मैं गरबा पंडाल में कदम तक नहीं रखूंगा। खान ने कहा कि वह अपने मोहल्ले के इकलौते मुस्लिम हैं और ईद के साथ दीपावली भी मनाते हैं। शिखर गरबा मंडल का कार्यक्रम रद्द होने से आयोजक निराश हैं। इस गरबा मंडल की नींव रखने वाले लोगों में शामिल दीपक हार्डिया ने कहा, हमारा गरबा पंडाल सज गया था।

हिजबुल्ला प्रमुख नसरल्ला की मौत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले 30 लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई। लेबनान में इजराइली हमलों में हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला की मौत के बाद मुंबई के गोवंडी इलाके में बिना अनुमति के मोमबत्ती जुलूस निकालकर विरोध जताने के लिए पुलिस ने करीब 30 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। मंगलवार शाम को इमामवाड़ा और बैंगनवाड़ी इलाके के बीच जुलूस निकाला गया जो पुलिस उपायुक्त (ऑपरेशन) द्वारा 12 सितंबर को जारी किए गए निषेधाज्ञा का उल्लंघन है। 36 वर्षीय पुलिसकर्मी को व्हाट्सएप पर प्रदर्शन का एक वीडियो मिला, जिसमें कुछ लोग फलस्तीन के समर्थन और इजराइल के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दिखाई दे रहे थे। कैंडल मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने हाथ में नसरल्ला के पोस्टर लिए हुए थे। शिवाजी नगर थाना पुलिस ने बुधवार शाम को बीएनएस के तहत सात लोगों की पहचान की और 20 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ एक लोक सेवक के आदेश की अवज्ञा और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया। लेबनान की राजधानी बेरूत पर 28 सितंबर को इजराइली हवाई हमले में हिजबुल्ला प्रमुख नसरल्ला मारा गया था।

मंत्रिमंडल ने रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के लिए कार्यकुशलता से जुड़े बोनस को मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11.72 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारियों को 2028.57 करोड़ रुपए के 78 दिनों के कार्यकुशलता से जुड़े बोनस के भुगतान को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। यह राशि रेलवे कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों जैसे ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन , मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य कर्मचारियों को दी जाएगी।

पेज 1 का शेष

वैवाहिक...

2022 में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस बात पर विभाजित फैसला सुनाया कि वैवाहिक बलात्कार को आपराधिक अपराध माना जाना चाहिए या नहीं। इसके बाद यह मामला उसी साल सितंबर में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

दिल्ली पुलिस...

रिटर्न मिला। हालांकि, जुलाई से ऐप ने तकनीकी गड़बड़ियों, कानूनी मुद्दों, जीएसटी मुद्दों आदि का हवाला देते हुए भुगतान रोक दिया। डीसीपी तिवारी ने कहा, कथित कंपनियां उत्तर प्रदेश के नोएडा में अपना कार्यालय बंद करने के बाद गायब हो गईं। पुलिस ने कहा कि मास्टरमाइंड शिवराम को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके चार अलग-अलग बैंक खातों से 18 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। 16 अगस्त को, पुलिस को इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस में मोबाइल एप्लिकेशन के खिलाफ 29 पीड़ितों से शिकायतें मिलीं। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें उनके निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा किया गया था। 20 अगस्त को, विशेष प्रकोष्ठ ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की। जांच के दौरान, साइबर पूर्वोत्तर जिले से भी नौ लोगों द्वारा मोबाइल एप्लिकेशन के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिन्हें इसी तरह से धोखा दिया गया था।

ड्रग गिरोह...

भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने एक बयान में कहा कि संदिग्ध सरगना तुषार गोयल को 17 अक्टूबर, 2022 को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए संगठन से निष्कासित कर दिया गया था, जब भाजपा प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्षी पार्टी पर ड्रग डीलरों के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया था। पलटवार करते हुए आईवाईसी ने भाजपा पर 5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनावों को प्रभावित करने के लिए अपनी और कांग्रेस नेताओं की छवि खराब करने की कोशिश करने का आरोप लगाया, साथ ही कहा कि निष्कासन के बाद से आरोपी कांग्रेस से जुड़ा नहीं है।इसने दावा किया कि त्रिवेदी के दावे 'निराधार और भ्रामक' हैं, जो सिर्फ हरियाणा चुनावों को प्रभावित करने के लिए हैं। इसमें कहा गया है, 'अधूरी राजनीतिक कहानियां फैलाने के बजाय, भाजपा को दिल्ली पुलिस पर भरोसा करना चाहिए कि वह जांच करेगी और सच्चाई को उजागर करेगी। हम दिल्ली पुलिस से आग्रह करते हैं कि वह कथित ड्रग भंडाफोड़ में गिरफ्तार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, न कि इसे एक शातिर राजनीतिक अभियान बनने दे।' त्रिवेदी ने दिल्ली युवा कांग्रेस के आरटीआई सेल के प्रमुख के रूप में 24 मार्च, 2022 को गोयल की नियुक्ति पत्र भी पढ़ा, जिसमें दावा किया गया कि इसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व का भी उल्लेख किया गया है। भाजपा ने कई कांग्रेस नेताओं के साथ गोयल को कथित तौर पर दिखाने वाली तस्वीरें भी प्रसारित की हैं। उन्होंने कहा कि भ्रम फैलाना और नशीली दवाओं का इस्तेमाल अक्सर समाज को नष्ट करने के लिए किया जाता है, उन्होंने दावा किया कि देश को अस्थिर करने में शामिल अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ कांग्रेस के संबंध पहले ही उजागर हो चुके हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' में पहले से ही नफरत भरी चीजें दिखाई दे रही थीं। अब ड्रग्स भी उपलब्ध हैं।

दिल्ली की...

जाने वाले मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। कृपया अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनाएं। आली गांव के पास एक ट्रक के खराब हो जाने के कारण बदरपुर से सरिता विहार की ओर जाने वाले मार्ग पर मथुरा रोड पर यातायात प्रभावित रहा। यातायात पुलिस के अनुसार, प्रमुख सड़कों पर व्यस्त समय के दौरान वाहनों का खराब हो जाना एक समस्या है, जिसके कारण यातायात जाम की स्थिति बनती है। नवरात्रि उत्सव के पहले दिन झंडेवालान मंदिर और श्री आध्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर की ओर जाने वाली सड़कों पर भारी यातायात प्रवाह देखा गया। झंडेवालान मंदिर के आसपास भारी यातायात प्रवाह ने रानी झांसी रोड, फैज रोड, न्यू रोहतक रोड और डीबीजी रोड के दोनों कैरिजवे को प्रभावित किया, और श्री आध्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर के आसपास यातायात प्रवाह छतरपुर मंदिर रोड, एमजी रोड पर सीडीआर चौक, एमजी रोड पर मंडी गांव निकास, मंडी रोड, एमजी रोड पर अंधेरिया मोड़, अणुव्रत मार्ग, 100 फीट रोड, 60 फीट रोड, मेन छतरपुर रोड और आसपास के वाई-जंक्शन को प्रभावित करने की संभावना है। वर्तमान में, पीडब्ल्यूडी चिराग दिल्ली से मोदी मिल्स तक आउटर रिंग रोड के 3.5 किलोमीटर लंबे हिस्से की मरम्मत कर रहा है, जिससे यातायात की आवाजाही प्रभावित हुई है। 3 से 13 अक्टूबर तक कालकाजी मंदिर जाने वाले यात्रियों के लिए जारी किए गए परामर्श में पुलिस ने कहा कि नेहरू प्लेस से मोदी मिल्स तक सड़क के दोनों तरफ यातायात प्रभावित रहेगा। यातायात पुलिस ने कहा, आईजीआई एयरपोर्ट, नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन तथा आईएसबीटी जाने वाले यात्रियों को मार्ग पर संभावित देरी को देखते हुए पर्याप्त समय लेकर निकलना चाहिए। सड़कों पर भीड़भाड़ कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही पार्क करें तथा सड़क किनारे पार्किंग करने से बचें, क्योंकि इससे यातायात के सामान्य प्रवाह में बाधा उत्पन्न होती है।

पश्चिम एशिया में तनाव के चलते लुढ़का शेयर बाजार

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से पैदा हुई चिंता के बीच घरेलू स्तर पर शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को चौतरफा बिकवाली हुई और मानक सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक टूट गए। सेंसेक्स में।,769 अंक और निफ्टी में 547 अंक की भारी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी कोषों की सतत निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। यह शेयर बाजार में गिरावट का लगातार चौथा दिन रहा। बड़ी गिरावट के बीच निवेशकों की संपत्ति एक ही दिन में 9.78 लाख करोड़ रुपए घट गई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 1,769.19 अंक यानी 2.10% गिरकर 82,497.10 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,832.27 अंक टूटकर 82,434.02 अंक पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 546.80 अंक यानी 2.12 प्रतिशत का गोता लगाते हुए 25,250.10 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, मारुति, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स और एचडीएफसी बैंक में खासी गिरावट दर्ज की गई। बाजार की चौतरफा गिरावट का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से अकेले जेएसडब्ल्यू स्टील ही बढ़त लेने में सफल रही।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, इजराइल पर ईरान की तरफ से बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद घरेलू बाजारों में तेज गिरावट आई। दरअसल, अब इजराइल की तरफ से तेल उत्पादक ईरान पर जवाबी कार्रवाई करने की आशंका बढ़ गई है जो इस संघर्ष को बड़ा रूप दे सकता है। नायर ने कहा, वायदा एवं विकल्प खंड के लिए सेबी के नए नियमों ने भी बाजार में सौदों की संख्या कम होने से जुड़ी चिंता बढ़ाने का काम किया है। इसके साथ चीन में बाजार का मूल्यांकन आकर्षक होने से विदेशी निवेशकों ने अब अपनी पूंजी का रुख उधर मोड़ दिया है जिससे भारतीय शेयरों पर दबाव बढ़ गया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 5,579.35 करोड़ मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी। व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप सूचकांक 2.27% की बड़ी गिरावट पर रहा।

उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय से याचिका अपने पास स्थानांतरित की

भाषा। नई दिल्ली

ईशा फाउंडेशन विवाद

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर में आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा फाउंडेशन आश्रम में दो महिलाओं को कथित तौर पर अवैध रूप से बंधक बनाकर रखने के मामले की पुलिस जांच पर प्रभावी ढंग से रोक लगा दी। उच्चतम न्यायालय ने उस व्यक्ति द्वारा उच्च न्यायालय में दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया, जिसने आरोप लगाया था कि उसकी दो बेटियों को ईशा फाउंडेशन के परिसर में बंधक बनाकर रखा गया है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने तमिलनाडु पुलिस को निर्देश दिया कि वह मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश के अनुपालन में आगे कार्वाई न करे जिसमें पुलिस से आश्रम में दो महिलाओं को कथित तौर पर अवैध रूप से बंधक बनाकर रखने संबंधी मामले की जांच करने को कहा गया था। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका किसी लापता व्यक्ति या अवैध रूप से हिरासत में लिए गए व्यक्ति को न्यायालय के समक्ष पेश करने के निर्देश देने का अनुरोध करते हुए दायर की जाती है। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, आप इस तरह के प्रतिष्ठान में सेना या पुलिस को प्रवेश नहीं दे सकते। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि पुलिस मद्रास उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार उच्चतम न्यायालय के समक्ष वस्तु-स्थिति पर रिपोर्ट दाखिल करेगी। ईशा फाउंडेशन ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसमें कोयंबटूर पुलिस को निर्देश दिया गया था कि वह उसके खिलाफ दर्ज सभी मामलों का विवरण एकत्र करे और आगे विचार के लिए उन्हें अदालत के समक्ष पेश करे। ईशा फाउंडेशन ने एक बयान में कहा, हम इस मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप का स्वागत करते हैं। क्योंकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए हम इस पर और कोई टिप्पणी नहीं कर पाएंगे। फाउंडेशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया और कहा कि लगभग 150 पुलिस अधिकारियों ने फाउंडेशन के आश्रम पर छापेमारी की है और हर कोने की जांच कर रहे हैं। पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए दोनों महिलाओं से बातचीत की। दोनों महिलाओं ने अदालत को बताया है कि वे स्वेच्छा से फाउंडेशन में रह रही हैं। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने दोनों महिलाओं के पिता को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने की अनुमति दे दी।

पीठ ने कहा, पुलिस 30 सितंबर, 2024 के आदेश के पैरा चार में जारी निर्देशों के अनुपालन में इस अदालत में वस्तु-स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के अलावा कोई और कार्वाई नहीं करेगी। इसने कहा, वस्तु-स्थिति पर रिपोर्ट, जिसे उच्च न्यायालय ने पुलिस द्वारा दाखिल करने का निर्देश दिया था, इस अदालत के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि 18 अक्टूबर तय की। पीठ ने कहा कि बातचीत के दौरान दोनों महिलाओं ने बताया कि वे क्रमशः 24 और 27 वर्ष की आयु में आश्रम से जुड़ी थीं।इसने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश से पता चलता है कि उनकी वर्तमान आयु क्रमशः 42 और 39 वर्ष है। पीठ ने कहा कि दोनों महिलाओं ने कहा है कि वे आश्रम से बाहर जाने के लिए स्वतंत्र हैं और उन्होंने समय-समय पर ऐसा किया है और उनके माता-पिता भी उनसे मिलने के लिए वहां आते रहे हैं। इसने कहा कि दोनों व्यक्तियों में से एक ने बताया है कि उन्होंने हैदराबाद में आयोजित मैराथन में भी भाग लिया था।उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर गौर किया कि उसके समक्ष यह प्रस्तुत किया गया था कि दोनों व्यक्तियों की मां ने लगभग आठ वर्ष पहले ऐसी ही याचिका दायर की थी, जिसमें पिता भी उपस्थित हुए थे। न्यायालय ने कहा कि फाउंडेशन के वकील के अनुसार इन तथ्यों के आधार पर, विशेष रूप से दोनों महिलाओं की आयु, परिपक्वता और इच्छा को ध्यान में रखते हुए दूसरी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करने पर विचार नहीं किया जाना चाहिए था। पीठ ने यह भी कहा कि फाउंडेशन के वकील ने बताया कि उच्च न्यायालय के समक्ष बातचीत के दौरान दोनों महिलाओं ने कहा था कि वे स्वेच्छा से और बिना किसी दबाव के आश्रम में रह रही हैं। पीठ ने कहा, सुनवाई के दौरान हमारा विचार था कि इस अदालत के लिए दोनों संबंधित व्यक्तियों से बातचीत करना उचित होगा और ऐसा हमने कक्ष में ऑनलाइन सुनवाई के दौरान किया है। पीठ को बताया गया कि दोनों महिलाएं वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में उपस्थित थीं। पीठ ने खुली अदालत में एक महिला से संक्षिप्त बातचीत की और पूछा, क्या आप इस तथ्य से अवगत हैं कि आपके पिता ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है? महिला ने जवाब दिया, हां। हम इसी मामले में उच्च न्यायालय में उपस्थित हुए थे और हमने बताया था कि हम अपनी इच्छा से ईशा योग केंद्र में हैं।

राम मंदिर के शिखर का निर्माण हुआ शुरू, चार माह में पूरा होने की उम्मीद

अयोध्या।(भाषा) अयोध्या में राम मंदिर के शिखर का निर्माण कार्य बृहस्पतिवार को शुरू हो गया। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि 161 फुट ऊंचे राम मंदिर के शिखर का निर्माण अगले चार महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

मिश्र ने एक बयान में कहा कि मंदिर के शिखर के निर्माण की शुरुआत के साथ ही परिसर में सात ऋषियों को समर्पित सात मंदिरों के निर्माण में भी तेजी आई है और इनके भी अगले चार महीने में बनकर तैयार हो जाने की सम्भावना है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के निर्माण में तेजी लाने के लिए बृहस्पतिवार से तीन दिवसीय समीक्षा बैठक की योजना बनाई गई है जिसमें मजदूरों की कमी होने पर उनकी संख्या बढ़ाने के तरीकों और जरूरत पड़ने पर तकनीकी टीम को विस्तार देने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को की गई थी।नवंबर 2019 में उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने अयोध्या की विवादित जमीन को राम जन्मभूमि मंदिर बनाने के लिए एक ट्रस्ट को सौंपने का आदेश दिया था। वहीं, शीर्ष अदालत ने सरकार को सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद बनाने के लिए किसी अन्य स्थान पर पांच एकड़ जमीन देने का भी निर्देश दिया था।

सावरकर पर कांग्रेस नेता की टिप्पणी को भाजपा ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया: नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के बारे में कर्नाटक के मंत्री दिनेश गुंडू राव की विवादास्पद टिप्पणी को लेकर बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी का अपमान करने का आरोप लगाया।पार्टी ने कहा कि जिस पार्टी के किसी भी नेता ने एक दिन के लिए भी कालापानी की सजा नहीं झेली, वह उस व्यक्ति का अपमान कर रही है जिसे अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की सेलुलर जेल में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने एक कार्यक्रम में दावा किया था कि सावरकर मांस खाया करते थे और वह गौ वध के खिलाफ नहीं थे।उन्होंने बुधवार को कहा, सावरकर एक चितपावन ब्राह्मण थे और वह मांस खाया करते थे। वह एक मांसाहारी व्यक्ति थे तथा गौ वध के खिलाफ नहीं थे। इस लिहाज से वह आधुनिक थे।

अमरोहा के रेडियो मैन राम सिंह बौद्ध ने बेजोड़ संग्रह के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में बनाई जगह

अमरोहा। (भाषा) उत्तर प्रदेश के अमरोहा निवासी रेडियो मैन के नाम से मशहूर राम सिंह बौद्ध ने 1257 रेडियो सेट के बेजोड़ संग्रह की बदौलत गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह बनाई है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने अपनी वेबसाइट पर बताया, रेडियो का सबसे बड़ा संग्रह 1,257 रेडियो है जिसे 13 फरवरी 2024 को उत्तर प्रदेश के गजरौला में राम सिंह बौद्ध (भारत) ने तैयार किया है। वेबसाइट के मुताबिक राम को अपना रेडियो संग्रह शुरू करने की प्रेरणा भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित रेडियो कार्यक्रमै मन की बातै को सुनने के बाद मिली। अड़सठ वर्षीय राम सिंह बौद्ध उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के गजरौला क्षेत्र के नैपुरा गांव के निवासी हैं। अपने पास 1257 अनोखे रेडियो संग्रहित करने पर उनका नाम 26 सितंबर 2024 को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। बौद्ध ने पीटीआई-भाषा को बताया, 18 फरवरी 2024 को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम गजरौला स्थित नैपुरा संग्रहालय आई थी, जहां विभिन्न प्रकार के 1400 रेडियो के संग्रह में से 1257 का चयन किया गया। इसके बाद 26 सितंबर 2024 को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में मेरा नाम दर्ज किया गया और 27 सितंबर को वेबसाइट पर प्रमाण पत्र अपलोड किया गया। उन्होंने बताया कि दिल्ली के आकाशवाणी भवन स्थित संग्रहालय को 137 रेडियो उपहार स्वरूप दिए गए हैं। बौद्ध ने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर आकाशवाणी में रेडियो संग्रहालय बनाने की मांग की थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए बौद्ध की प्रशंसा करते हुए लिखा कि यह संग्रहालय रेडियो प्रेमियों की विरासत का संरक्षण है जो आने वाली पीढ़ियों को रेडियो की विकास यात्रा से परिचित कराएगा।

इससे पहले, 27 नवंबर 2023 को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में अमरोहा जिले के रेडियो मैन राम सिंह बौद्ध की रेडियो के प्रति प्रेम और संग्रहालय के लिए उनके प्रयासों की प्रशंसा की थी। बौद्ध ने कहा कि मन की बात में जिक्र होने के बाद रेडियो संग्रह में उनकी रुचि और बढ़ गई। उन्होंने बताया कि करीब 25 लाख रुपए की अनुमानित कीमत वाले इस अनूठे संग्रहालय में रेडियो के अलावा अन्य दुर्लभ वस्तुएं भी हैं। बौद्ध ने बताया कि वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीडब्ल्यूसी) में सुपरवाइजर के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वह अपना ज्यादातर समय रेडियो के साथ बिताते हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्हें जीवन भर इस बात का अफसोस रहेगा कि उन्हें शादी में रेडियो तोहफे में नहीं मिला। बौध ने बताया कि बुश, मर्फी और फिलिप्स जैसी नामी कंपनियों के अलावा उनके संग्रहालय में सोनी और पैनासोनिक के रेडियो सबसे ज़्यादा संख्या में हैं। इनमें सबसे कीमती रेडियो 1920 में बना यूएस आर्मी रेडियो है जिसकी कीमत 20 हजार रुपए है। उन्होंने बताया कि सबसे बड़ा रेडियो जर्मन ग्राउंड लिंक कंपनी का है जिसकी लंबाई डेढ़ मीटर है जबकि सबसे छोटा रेडियो सिर्फ़ एक इंच का है। इस तरह संग्रहालय में करीब।,400 रेडियो मौजूद हैं। रेडियो के अलावा बौद्ध के संग्रहालय में अनेक पुरानी चीजें भी मौजूद हैं।

भारत ने यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट को दुर्भावनापूर्ण बताकर खारिज किया

नई दिल्ली।(भाषा) भारत ने बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) की रिपोर्ट को खारिज करते हुए इसे एक राजनीतिक एजेंडा वाला पक्षपाती संगठन करार दिया। भारत ने इस रिपोर्ट को दुर्भावनापूर्ण बताया। यूएससीआईआरएफ वैश्विक स्तर पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की निगरानी करता है। यूएससीआईआरएफ ने अपनी रिपोर्ट में धार्मिक स्वतंत्रता के कथित उल्लंघन के लिए भारत की आलोचना की है। इसने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी विदेश विभाग से यह सिफारिश भी की है कि वह धार्मिक स्वतंत्रता के सदंर्भ में भारत को विशेष चिंता वाला देश (कंट्री ऑफ पर्टीकुलर कंसर्न या सीपीसी) घोषित करे। विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि यूएससीआईआरएफ को अपने समय का उपयोग अमेरिका में मानवाधिकारों के मुद्दे से निपटने में अधिक उत्पादक तरीके से करना चाहिए। इस रिपोर्ट में धार्मिक स्वतंत्रता के कथित उल्लंघन को लेकर भारत की आलोचना की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा, अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) के बारे में हमारे विचार सर्वविदित हैं। यह राजनीतिक एजेंडे वाला एक पक्षपाती संगठन है। उन्होंने कहा, यह तथ्यों को गलत तरीके से पेश करना और भारत के बारे में एक मकसद से गढ़े गए विमर्श को बढ़ावा देना जारी रखता है। हम इस दुर्भावनापूर्ण रिपोर्ट को खारिज करते हैं जो केवल यूएससीआईआरएफ को और बदनाम करने का काम करती है। वह रिपोर्ट में भारत के बारे में की गई टिप्पणियों पर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। प्रवक्ता ने कहा, हम यूएससीआईआरएफ से इस तरह के एजेंडा संचालित प्रयासों से दूर रहने का आग्रह करेंगे। यूएससीआईआरएफ को अमेरिका में मानवाधिकार के मुद्दों से निपटने के लिए अपने समय का अधिक उत्पादक ढंग से उपयोग करने की भी सलाह दी जानी चाहिए। यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में मणिपुर में कुकी और मेइती समुदायों के बीच झड़पों का भी उल्लेख किया गया है और कहा गया है कि महीनों से चल रही हिंसा के परिणामस्वरूप हजारों घर नष्ट हो गए हैं। यूएससीआईआरएफ द्विदलीय अमेरिकी संघ की एक स्वतंत्र सरकारी एजेंसी है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति, विदेश मंत्री और संसद से नीतिगत सिफारिशें करती है और इन सिफारिशों के कार्यान्वयन पर नजर रखती है। यूएससीआईआरएफ ने कहा, यह रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि किस प्रकार 2024 के दौरान सतर्कता समूहों द्वारा व्यक्तियों की हत्या की गई, उन्हें पीटा गया और उनकी हत्या की गई, धार्मिक नेताओं को मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया गया और घरों तथा पूजा स्थलों को ध्वस्त किया गया। इसमें कहा गया है कि ए घटनाएं धार्मिक स्वतंत्रता का गंभीर उल्लंघन हैं। इसमें कहा गया है कि पिछली मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के समय से ही भारत ने अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का हवाला देते हुए यूएससीआईआरएफ सदस्यों को देश में आने के लिए लगातार वीजा देने से इनकार किया है।

बलात्कार के आरोपी सपा नेता के खिलाफ अब धोखाधड़ी का मामला

अयोध्या। (भाषा) अयोध्या जिले में एक नाबालिग लड़की से सामूहिक बलात्कार के आरोप का सामना कर रहे समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता मुईद खान के खिलाफ एक बैंक को गलत जानकारी देने के आरोप में बृहस्पतिवार को धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने यहां बताया कि पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक श्रीप्रकाश ने मुईद पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। दरअसल, पंजाब नेशनल बैंक की शाखा मुईद की ध्वस्त की चुकी इमारत में स्थित थी। उन्होंने शिकायत में बताया कि मुईद के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बैंक की शाखा थी और 22 अगस्त को प्रशासन द्वारा अवैध बताते हुए कॉम्प्लेक्स को ध्वस्त कराए जाने से पहले बैंक शाखा को मजबूरन दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ा था। प्राथमिकी में यह आरोप भी लगाया गया है कि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में गलत प्लॉट नंबर देकर बैंक को हॉल और कमरा किराए पर दिया गया था और बैंक को इस बात की जानकारी अधिकारियों से नोटिस मिलने के बाद हुई, जिसकी वजह से बैंक को नुकसान हुआ और शाखा को स्थानांतरित करना पड़ा। अपर पुलिस अधीक्षक (शहर) मधुवन कुमार सिंह ने कहा, इस मामले में पूरा कलंदर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और कानूनी कार्वाई की जा रही है। मुईद खान पर पहले से ही एक नाबालिग लड़की से सामूहिक बलात्कार का आरोप है और हाल ही में उसके खिलाफ गैंगस्टर कानून के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। बलात्कार मामले में मुईद का नौकर राजू भी आरोपी है। जुलाई में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने मुईद के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी। सबसे पहले उसकी बेकरी को अवैध निर्माण बताते हुए ढहाया गया। उसी दिन उसके शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को बुलडोजर से गिराया जाना था लेकिन कॉम्प्लेक्स में बैंक शाखा होने के कारण ऐसा नहीं किया गया था। इसके बाद बैंक को खाली करने का नोटिस दिया गया था। शाखा के स्थानांतरित होने के बाद 22 अगस्त को शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को ध्वस्त कर दिया गया था। प्रशासन का आरोप है कि करीब तीन करोड़ की कीमत वाले और चार हजार वर्ग फुट में फैले इस कॉम्प्लेक्स को तालाब और सार्वजनिक सड़क पर अवैध रूप से बनाया गया था।

भेदभाव वाले नियम हट गए

सुप्रीम कोर्ट ने करीब 11 राज्यों की जेल नियमावली के जाति-आधारित भेदभावपूर्ण प्रावधानों को खारिज कर दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को करीब 11 राज्यों की जेल नियमावली के जाति-आधारित भेदभावपूर्ण प्रावधानों को खारिज कर दिया और साथ ही काम के बंटवारे और कैदियों को उनकी जाति के आधार पर अलग-अलग वार्ड में रखने की प्रथा की निंदा की। शीर्ष अदालत ने राज्यों को तीन महीने के भीतर अपने जेल नियमावली में संशोधन करने का भी निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने जेलों के अंदर जाति-आधारित भेदभाव को खत्म करने के लिए कई निर्देश जारी करते हुए कहा, राज्य का इस तरह के भेदभाव को रोकने का सकारात्मक दायित्व है। ऐसे सभी प्रावधान असंवैधानिक माने जाते हैं। सभी राज्यों को निर्देश दिया जाता है कि वे फैसले के अनुसार (जेल मैनुअल में) बदलाव करें।सीजेआई ने खचाखच भरे कोर्ट रूम में फैसला सुनाते हुए कहा 'आदतन अपराधियों के संदर्भ आदतन अपराधी विधानों के संदर्भ में होंगे और राज्य जेल मैनुअल में आदतन अपराधियों के ऐसे सभी संदर्भ असंवैधानिक घोषित किए जाते हैं यदि वे जाति पर आधारित हैं।' शीर्ष अदालत ने जेलों के अंदर जाति-आधारित भेदभाव के मामलों का भी स्वतः संज्ञान लिया और शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वे इसे तीन महीने बाद 'जेलों के अंदर भेदभाव के संबंध में' शीर्षक के साथ सूचीबद्ध करें।मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जनहित याचिका में राज्य जेल मैनुअल के प्रावधानों को उनके भेदभावपूर्ण होने के आधार पर चुनौती दी गई है। सीजेआई ने कहा कि कुछ राज्यों में कैदियों की पहचान के आधार पर जेलों के अंदर शारीरिक श्रम, बैरकों का विभाजन किया गया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मराठी, बांग्ला समेत पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने को मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, यह एक ऐतिहासिक निर्णय है और यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राजग सरकार के हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने, हमारी विरासत पर गर्व करने और सभी भारतीय भाषाओं तथा हमारी समृद्ध विरासत पर गर्व करने के दर्शन के अनुरूप है। सरकार ने कहा कि शास्त्रीय भाषाएं भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की संरक्षक के रूप में काम करती हैं, तथा प्रत्एक समुदाय के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सार को प्रस्तुत करती हैं। भारत सरकार ने 12 अक्टूबर 2004 को शास्त्रीय भाषा के रूप में भाषाओं की एक नई श्रेणी बनाने का निर्णय लिया, जिसके तहत तमिल को शास्त्रीय भाषा घोषित किया गया तथा उसके बाद संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि 2013 में महाराष्ट्र सरकार की ओर से एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ था जिसमें मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का अनुरोध किया गया था। इस प्रस्ताव को भाषा विज्ञान विशेषज्ञ समिति (एलईसी) को भेज दिया गया था। एलईसी ने शास्त्रीय भाषा के लिए मराठी की सिफारिश की। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने है और यह राज्य में एक बड़ा चुनावी मुद्दा था। बयान में कहा गया कि इस बीच, बिहार, असम और पश्चिम बंगाल से भी पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के प्रस्ताव प्राप्त हुए थे।

पटाखा इकाई विस्फोट मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, मृतकों की संख्या छह हुई

बरेली। अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में छह लोगो की मौत के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि मलबे से चार व पांच साल के दो बच्चों के शव निकाले गए, जबकि घायलों में से एक सितारा (32) ने अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिसके साथ ही मरने वालो की संख्या बढ़कर छह हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने कहा कि विस्फोट रहमान शाह नामक व्यक्ति के घर पर हुआ, जिसके बाद इलाके के कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने कहा कि मामले में मुख्य आरोपी नासिर शाह को बृहस्पतिवार को सिरौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि शाह के पास केवल पटाखे बेचने का लाइसेंस है और वह अपने ससुर रहमान शाह के मकान में अवैध पटाखा फैक्टरी का संचालन कर रहा था, जहां यह घटना हुई। बरेली जिले के सिरौली क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में स्थित पटाखा निर्माण इकाई में बुधवार को हुए भीषण विस्फोट में दो और लोगों की मौत के साथ ही इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई थी। जबकि घायलों में से एक सितारा (32) ने देर शाम अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालो की संख्या छह हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

भारत की यूपीआई की सफलता को दोहराना चाहता है जमैका: प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस

नई दिल्ली। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह डिजिटल भुगतान क्षेत्र में भारत की प्रौद्योगिकी प्रगति का लाभ उठाकर डिजिटल भुगतान में दक्षिण एशियाई देश की सफलता को दोहराना चाहते है। भारत की अपनी पहली यात्रा पर आए होलनेस ने डिजिटल व्यवस्था के ढांचे की जरूरत को समझने के लिए डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (डीआईएफ) के अधिकारियो और नीति-निर्माताओ के साथ बैठक की। उन्होने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा, जमैका ने अपने विकास के विभिन्न लक्ष्यों में से एक डिजिटल समाज बनने का लक्ष्य रखा है। हमने पहले ही अपनी राष्ट्रीय पहचान प्रणाली स्थापित कर ली है जो आपकी आधार प्रणाली के समान है। होलनेस ने कहा, उनका देश भारतीय प्रौद्योगिकी विशेषकर सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के साथ मजबूत साझेदारी विकसित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होने कहा, गोलमेज बैठक इस बात पर चर्चा करने के लिए थी कि भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और यूपीआई बुनियादी ढांचा जमैका को डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने में कैसे मदद कर सकता है।

आईटी क्षेत्र में सुधार से सितंबर में नौकरी बाजार में छह प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। दफ्तर में बैठकर काम करने वाली (व्हाइट-कॉलर) नौकरियो के लिए भर्ती गतिविधियो में सितंबर में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में छह प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में सुधार के कारण दफ्तर में बैठकर काम करने वाले कर्मियो की नियुक्तियां बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स सितंबर में सालाना आधार पर छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,727 अंक पर पहुंच गया है।यह सकारात्मक रुझान मुख्य रूप से सुधार कर रहे आईटी क्षेत्र के कारण आया। इस क्षेत्र में भर्ती गतिविधियो में 18 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई।गैर-पारंपरिक आईटी केंद्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो संभावित रूप से भौगोलिक विविधीकरण का रुझान दिखाता है। रिपोर्ट के अनुसार, आईटी क्षेत्र में भर्ती में सबसे ज्यादा 47 प्रतिशत की सालाना वृद्धि जयपुर में हुई, जिसके बाद दूसरे स्थान पर 32 प्रतिशत के साथ कोलकाता रहा।भर्ती के मामले में रोजमर्रा के घरेलू उत्पाद बनाने वाले (एफएमसीजी) क्षेत्र में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि तेल एवं गैस क्षेत्र नौकरियां 13 प्रतिशत बढ़ी।

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के कस्बों और लोगों से जगह खाली करने को कहा

बेरूत में इजराइल के हवाई हमलों में ध्वस्त हुआ बड़ा क्षेत्र

इजराइली हवाई हमले से मध्य बेरूत में सात लोगों की मौत

भाषा। बेरूत

इजराइल की सेना ने बृहस्पतिवार को दक्षिणी लेबनान के कस्बों और गांवों के लोगों से जगह खाली करने की चेतावनी दी। यह क्षेत्र 2006 के युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित बफर जोन के उत्तर में स्थित है। इस चेतावनी से दक्षिणी लेबनान में इजराइल की सैन्य कार्वाई के संभावित विस्तार का संकेत मिलता है, जो अब तक सीमावर्ती क्षेत्रों तक ही सीमित थी। इजराइल ने लोगों से प्रांतीय राजधानी नबातिएह से चले जाने को कहा। साथ ही उसने लिटानी नदी के उत्तर में रह रहे अन्य समुदायों को भी जगह छोड़ने को कहा है। वहीं, लेबनान के रेड क्रॉस का कहना है कि दक्षिण से घायल लोगों को निकालने के दौरान हुए इजराइली हमले में उसके चार स्वास्थ्यकर्मी घायल हो गए और लेबनानी सेना के एक जवान की मौत हो गई। इसने कहा कि तैबेह गांव के पास टीम को बृहस्पतिवार को निशाना बनाया गया, जिसमें लेबनानी सैनिक भी शामिल थे। इसने दावा किया कि संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के समन्वय के साथ चलाए गए अभियान के बावजूद हमला हुआ।

हालांकि, इजराइल की सेना ने इस मामले में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। लेबनानी सेना ने बताया कि दक्षिणी कस्बे बिन्त जेबील में एक सैन्य चौकी पर इजराइल द्वारा की गई गोलीबारी में एक लेबनानी सैनिक की मौत हो गई। इसके अलावा, इजराइल ने बुधवार देर रात मध्य बेरूत की एक इमारत को निशाना बनाकर हवाई हमला किया, जिससे सात लोगों की मौत हो गई। इन लोगों को हिजबुल्ला का सदस्य बताया गया है।

इजराइल सितंबर के अंत से ही देश के उन क्षेत्रों पर बमबारी कर रहा है जहां उग्रवादी समूह हिजबुल्ला की मजबूत उपस्थिति है, लेकिन राजधानी बेरूत के मध्य क्षेत्र को शायद ही कभी निशाना बनाया गया हो। बुधवार देर रात हुए हमले से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई थी, जिसमें मध्य बेरूत में एक इमारत को निशाना बनाया गया। यह इमारत संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, प्रधानमंत्री कार्यालय और संसद से ज्यादा दूर नहीं है। वहीं, हिजबुल्ला की नागरिक सुरक्षा इकाई ने कहा कि उसके सात सदस्य मारे गए हैं।

यह हमला दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के साथ झड़प में कम से कम आठ इजराइली सैनिकों के मारे जाने के बाद हुआ है। बेरूत में हमले के बाद निवासियों ने सल्फर जैसी गंध की शिकायत की जबकि लेबनान की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने बिना कोई सबूत दिए इजराइल पर फॉस्फोरस बम का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने लेबनान में हिजबुल्ला के लगभग 200 ठिकानों पर हमला किया है, जिसमें हथियार भंडारण सुविधाएं और निगरानी चौकियां शामिल हैं। इसने कहा कि हमलों में हिजबुल्ला के कम से कम 15 लड़ाके मारे गए।

हिजबुल्ला ने कहा कि जब इजराइली सेना लेबनान के सीमावर्ती गांव मारून अल-रास में घुसी तो उसके लड़ाकों ने सड़क किनारे बम विस्फोट किया, जिसमें कई सैनिक मारे गए और घायल हुए। दोनों पक्षों द्वारा किए गए दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।

गाजा में हमास के वरिष्ठ नेता को मार गिराया: इजराइल की सेना

यरूशलम। इज़राइली सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने तीन महीने पहले गाजा पट्टी में हवाई हमले में हमास के एक वरिष्ठ नेता को मार गिराया था। सेना ने कहा है कि उत्तरी गाजा में एक भूमिगत परिसर पर हमले में रवही मुश्तहा और दो अन्य हमास कमांडर- सामी सिराज और सामी उद्धा की मौत हो गई। हमास की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। सेना ने कहा है कि मुश्तहा हमास के शीर्ष नेता याह्या सिनवार का करीबी सहयोगी था, जिसने सात अक्टूबर को इजराइल पर हमले की साजिश रचने में मदद की थी। माना जाता है कि सिनवार जीवित है और गाज़ा में छुपा हुआ है।

नेपाल के पीएम ने बांग्लादेशी मंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

भाषा। काठमांडू

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और बांग्लादेश की वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और जल संसाधन मंत्री सईदा रिजवाना हसन ने बृहस्पतिवार को यहां द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। दोनों नेताओं की मुलाकात काठमांडू के बालूवातार स्थित प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर हुई। प्रधानमंत्री सचिवालय के अनुसार बैठक के दौरान ओली और हसन ने दोनों देशों के बीच मौजूदा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत और विस्तारित करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने अन्य क्षेत्रों के अलावा ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

बांग्लादेशी मंत्री सईदा बुधवार को बांग्लादेश, भारत और नेपाल के बीच त्रिपक्षीय ऊर्जा समझौते पर हस्ताक्षर करने के सिलसिले में काठमांडू पहुंचे, ताकि भारत के माध्यम से बांग्लादेश को नेपाल की बिजली का निर्यात सुगम बनाया जा सके।

ऊर्जा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि नेपाल के ऊर्जा सचिव सुरेश आचार्य और बांग्लादेश के विद्युत, ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्रालय के विद्युत प्रभाग के वरिष्ठ सचिव की संयुक्त अध्यक्षता में संयुक्त संचालन समिति (जेएससी) की बैठक में बृहस्पतिवार को काठमांडू में एक समारोह के दौरान नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए), बांग्लादेश विद्युत विकास बोर्ड और भारत के एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम के बीच विद्युत बिक्री समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया गया।

पश्चिम एशिया के संकट पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने आपातकालीन बैठक की

संयुक्त राष्ट्र। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के दौर पर ध्यान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार को एक आपातकालीन बैठक की। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि उनके देश ने मंगलवार को इजराइल पर लगभग 200 मिसाइल दागी थीं, इजराइल की हिंसा को रोका जा सके, जबकि उनके इजराइली समकक्ष ने इस हमले को आक्रामकता का अभूतपूर्व कृत्य करार दिया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार देर रात जवाबी कार्वाई करने का संकल्प व्यक्त किया, वहीं एक ईरानी कमांडर ने धमकी दी कि अगर इजराइल ने ऐसा किया तो वे बुनियादी ढांचे पर व्यापक हमले करेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को कहा कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर किए जाने वाले इजराइली हमले का समर्थन नहीं करेंगे। इजराइल ने बुधवार को तब और खलबली मचा दी जब उसके विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को देश में अवांछनीय व्यक्ति घोषित कर दिया और संगठन के खिलाफ दशकों से लग रहे यहूदी विरोधी आरोपों को दोहराया। इजराइल हाल में दो मोर्चों पर आतंकवादियों से जूझ रहा था। वह हिजबुल्ला के खिलाफ लेबनान में जमीनी स्तर पर निपट रहा था तो गाजा में भी हमले कर रहा था जिनमें बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोग मारे गए। इजराइल की सेना ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में संघर्ष में आठ सैनिक मारे गए हैं।

पिछले साल सात अक्टूबर को हमास के सीमा पार हमले के बाद से ही इजराइल और हिजबुल्ला के बीच लेबनान सीमा पर लगभग रोजाना गोलीबारी हो रही है, जिसमें 1,200 इजराइली मारे गए और 250 अन्य को बंधक बना लिया गया। जवाब में इजराइल ने गाजा पट्टी में आतंकवादी समूह के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इस क्षेत्र में 41,000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं और मृतकों में आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे थे।

संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनी डैनन ने बुधवार को कहा तनाव कम करने के लिए खोखले आह्वान करने का समय खत्म हो गया है। डैनन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक में कहा कि ईरान का असली चेहरा आतंकवाद, मौत और अराजकता का है। ईरान दुनिया के लिए एक बहुत ही वास्तविक और मौजूदा खतरा है, और अगर उसे नहीं रोका गया तो मिसाइल की अगली खेप सिर्फ इजराइल पर लक्षित नहीं होगी। डैनन ने कहा कि इजराइल तब तक नहीं रुकेगा जब तक हमास और अन्य आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोग इजराइल में वापस नहीं आ जाते।

कांगो में नौका पलटने से 50 लोगों की मौत

गोमा (कांगो)। मध्य अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में किवु झील में बृहस्पतिवार को सैकड़ों यात्रियों को ले जा रही एक नौका के पलट जाने से कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि नौका पर कितने लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने बचाव सेवाओं को पानी से कम से कम 50 शव निकालते देखा। उन्होंने बताया कि 10 लोग बचा लिए गए और उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नौका पर क्षमता से अधिक यात्री सवार थे। किटुकू बंदरगाह से कुछ मीटर की दूरी पर नौका डूब गई। यह घटना उस वक्त हुई जब नौका दक्षिण किवु प्रांत के मिनोवा से उत्तर किवु प्रांत के गोमा जा रही थी। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्य जारी है और मृतकों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। दुर्घटना के बाद दक्षिण किवु प्रांत के गवर्नर जीन-जैक्स पुरुसी ने एक स्थानीय रेडियो स्टेशन को बताया, नौका पर करीब 100 लोग सवार थे।

ब्रिटेन ने चागोस द्वीपसमूह मॉरीशस को दिया, सैन्य अड्डा अपने पास रखा

लंदन। ब्रिटेन ने हिंद महासागर में स्थित और लंबे समय से विवादित चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपे जाने के ऐतिहासिक समझौते का ऐलान किया। समझौते के तहत डिएगो गार्सिया पर ब्रिटेन-अमेरिका का संयुक्त सैन्य अड्डा बरकरार रहेगा। यह समझौता डिएगो गार्सिया में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ब्रिटेन-अमेरिका सैन्य अड्डे के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए किया गया है। चागोस, हिंद महासागर में 60 से अधिक द्वीपों का एक द्वीपसमूह है।

ब्रिटेन सरकार ने एक बयान में कहा कि इस समझौते को अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय साझेदारों का पुरजोर समर्थन प्राप्त है। इस सप्ताह घोषित समझौते के तहत, क्षेत्र की स्थिरता एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला डिएगो गार्सिया कम से कम अगले 99 वर्षों तक ब्रिटेन और अमेरिका के अधिकार क्षेत्र में रहेगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने अपने मॉरीशस समकक्ष प्रविंद कुमार जगन्नाथ से फोन पर बात की और दो वर्षों की वार्ता के बाद चागोस द्वीपसमूह पर संप्रभुता के संबंध में दोनों देशों के बीच हुए राजनीतिक समझौते का स्वागत किया।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री स्टॉर्मर ने डिएगो गार्सिया पर ब्रिटेन-अमेरिका सैन्य अड्डे के निरंतर संचालन के लिए इस समझौते पर पहुंचने के महत्व को दोहराया। राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा के प्रति अपने दृढ़ कर्तव्य को रेखांकित किया, जो आज हुए राजनीतिक समझौते का आधार है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा, आज का समझौता इस महत्वपूर्ण सैन्य अड्डे के भविष्य को सुरक्षित करता है। इससे वैश्विक सुरक्षा में हमारी भूमिका मजबूत होगी, हिंद महासागर को ब्रिटेन के लिए खतरनाक अवैध प्रवास मार्ग के रूप में इस्तेमाल किए जाने की किसी भी संभावना को समाप्त किया जा सकेगा।

अमेरिका के सिएटल सेंटर में गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया

वाशिंगटन। अमेरिका के सिएटल सेंटर में महान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महात्मा गांधी की जयंती पर उनकी आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया। सिएटल के मेयर ब्रूस हैरेल, सांसद एडम स्मिथ और भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल की उपस्थिति में बुधवार को आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया। सिएटल में स्थापित गांधी की यह पहली आवक्ष प्रतिमा है। प्रतिमा को लोकप्रिय स्पेस नीडल के नीचे तथा चिहुली गार्डन एवं ग्लास म्यूजियम के समीप स्थापित किया गया है। प्रतिमा के अनावरण समारोह का नेतृत्व सिएटल में भारत के महावाणिज्यदूत प्रकाश गुप्ता ने किया। समारोह में उत्तर पश्चिम प्रशांत में यूएस फर्स्ट कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जेवियर ब्रूनसन और मार्टिन लूथर किंग गांधी इनिशिएटिव के अध्यक्ष एडी राई भी शामिल हुए थे। गांधी जयंती समारोह में शामिल हुए गणमान्य अतिथियों ने अहिंसा, सत्याग्रह और सर्वोदय के मूल्यों को रेखांकित किया और इन मूल्यों को समकालीन समय में बेहद जरूरी बताया। इस अवसर पर, वाशिंगटन के गवर्नर जे. इंसली ने एक आधिकारिक घोषणा जारी की। उन्होंने इस प्रतिमा को गांधी के सिद्धांतों के प्रति श्रद्धांजलि बताया और कहा कि यह प्रतिमा अहिंसा के मार्ग पर चलकर परिवर्तन लाने के प्रभाव की याद दिलाएगी।

घोषणा में कहा गया है कि महात्मा गांधी की यह प्रतिमा भारत सरकार की ओर से सिएटल शहर को उपहार है, जो गांधी के सिद्धांतों के प्रति श्रद्धांजलि होगी तथा सामाजिक एवं राजनीतिक बदलाव प्राप्त करने में अहिंसा की ताकत की याद दिलाएगी। वाशिंगटन राज्य की ओर से जारी घोषणा में कहा गया है कि शांति, सहिष्णुता और ज्ञान की संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत राज्य सिएटल सेंटर में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा के अनावरण की सराहना करता है। यह भारत की ओर से एक ऐसा उपहार है, जो इन मूल्यों के प्रति हमारे समर्पण का प्रतीक है और राज्य मानवता पर गांधी के गहन प्रभाव का सम्मान करता है।

घोषणा में कहा गया है कि वाशिंगटन राज्य में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की आबादी 2,00,000 से अधिक है, जिनका राज्य के सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने में योगदान अमूल्य है। किंग काउंटी ने भी ग्रेटर सिएटल क्षेत्र के सभी 73 शहरों में दो अक्टूबर को महात्मा गांधी दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की। किंग काउंटी की घोषणा में कहा गया है कि गांधी के जीवन और शांति एवं अहिंसा के उनके मार्ग ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है। घोषणा में कहा गया है कि गांधी के विरोध के अहिंसक तरीके या सत्याग्रह के उनके दर्शन ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और न्याय, समानता एवं मानवाधिकारों को बढ़ावा देते हुए वैश्विक स्तर पर कई नागरिक अधिकार आंदोलनों को प्रभावित किया।

घोषणा के अनुसार, 1986 में किंग काउंटी काउंसिल ने महात्मा गांधी और उनके अहिंसा के सिद्धांत के प्रबल अनुयाई डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नाम पर काउंटी का आधिकारिक नाम किंग काउंटी रखने का प्रस्ताव दिया। घोषणा में मार्टिन लूथर किंग के उस वक्तव्य का जिक्र किया गया है जिसमें उन्होंने कहा था, मैं अन्य देशों में एक पर्यटक के रूप में जा सकता हूं, लेकिन भारत में मैं एक तीर्थयात्री के रूप में जाऊंगा। सिएटल में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पिछले साल नवंबर में प्रशांत उत्तर-पश्चिम के नौ राज्यों वाशिंगटन, ओरेगन, इडाहो, मोंटाना, व्योमिंग, नॉर्थ डकोटा, साउथ डकोटा, नेब्रास्का और अलास्का में वाणिज्य दूतावास के साथ परिचालन शुरू किया था। वाणिज्य दूतावास ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सिएटल में गांधी की प्रतिमा की स्थापना उसके वाणिज्य दूतावास क्षेत्राधिकार में क्रियान्वित की जा रही पहलों की श्रृंखला में से एक है। दूतावास ने एक विज्ञप्ति में कहा, भारत के महावाणिज्य दूतावास और सिएटल शहर ने महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा स्थापित करने के लिए उपयुक्त स्थान को चिह्नित करने के लिए मिलकर काम किया और प्रतिष्ठित सिएटल सेंटर के इस स्थान को उपयुक्त माना गया। हर साल यहां 1.2 करोड़ से अधिक पर्यटक आते हैं। स्थान और लोगों की पहुंच तथा शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को देखते हुए प्रतिमा की स्थापना के लिए सिएटल सेंटर को उपयुक्त समझा गया। गांधी की जयंती को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

बांग्लादेश को बिजली निर्यात के त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर

भाषा। काठमांडू

बांग्लादेश को बिजली निर्यात करने के लिए नेपाल, बांग्लादेश और भारत ने लंबे समय से प्रतीक्षित त्रिपक्षीय समझौते पर बृहस्पतिवार को हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। समझौते के अनुसार, नेपाल हर साल 15 जून से 15 नवंबर तक भारत के रास्ते बांग्लादेश को अपनी अतिरिक्त बिजली का निर्यात करेगा। भारत, नेपाल से बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति करने की व्यवस्था करेगा। पहले चरण में नेपाल भारतीय भूभाग के रास्ते बांग्लादेश को 40 मेगावाट पनबिजली का निर्यात करेगा।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के अधिकारियों ने बताया कि बिजली की प्रति यूनिट दर 6.4 सेंट तय की गई है। बिजली के निर्यात से नेपाल को सालाना करीब 92 लाख डॉलर की आमदनी होगी। समझौते की शर्तों के अनुरूप एनईए को प्रति यूनिट बिजली पर 6.40 अमेरिकी सेंट मिलेंगे। नेपाल और बांग्लादेश, भारत की पारेषण लाइन का इस्तेमाल अपने क्षेत्र में बिजली वितरण के लिए करेंगे।

नेपाल के ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर काठमांडू में एनईए के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग, एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डीनो नारन और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन मोहम्मद रिजवान करीम के बीच हस्ताक्षर किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष सईदा रिजवाना हसन भी उपस्थित थीं। पहले यह समझौता 28 जुलाई को होने वाला था लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल और सरकार बदलने के कारण इसे टाल दिया गया था।

तूफान क्रैथॉन ने ताइवान में दस्तक दी, जनजीवन अस्त व्यस्त

काऊशुंग (ताइवान)। तूफान क्रैथॉन ने बृहस्पतिवार को ताइवान के प्रमुख बंदरगाह शहर काऊशुंग में दस्तक दी, जिससे द्वीप के दक्षिणी हिस्से में मूसलाधार बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं। क्रैथॉन की वजह से चली तेज़ हवाओं के कारण पेड़ गिर गए और सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे स्कूल और कारोबारी प्रतिष्ठानों को बंद करना पड़ा। केंद्रीय मौसम प्रशासन ने बताया कि क्रैथॉन ने दोपहर करीब 12:40 बजे काऊशुंग के औद्योगिक सियाओगांग जिले में दस्तक दी। इसमें अधिकतम 126 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं निरंतर चलीं और उनकी गति बढ़ कर 162 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो गई।

इस तूफान के राजधानी ताइपे पहुंचने से पहले धीरे-धीरे उत्तर की ओर बढ़ने, शुक्रवार तक कमजोर होकर उष्णकटिबंधीय दबाव में बदलने, और फिर ताइवान जलडमरूमध्य से होते हुए चीनी तट की ओर बढ़ने का अनुमान था। ताइपे में बृहस्पतिवार को तेज हवाएं चलीं लेकिन बारिश बहुत कम हुई।

ताइवान में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के साथ तूफान क्रैथॉन ने दस्तक दी

काऊशुंग में प्रशासन ने अपने निवासियों से संभावित विनाशकारी हवाओं और बारिश से बचने के लिए सुरक्षित आश्रय लेने का आग्रह किया था। तेज हवाओं के कारण जगह जगह पानी भर गया और कई दुकान और मकान ढह गए। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

धीमी गति से चलने वाला तूफान लगभग 4 किमी प्रति घंटे (2.5 मील प्रति घंटे) की गति से ताइवान के पास पहुंचा। तूफान के कारण पिछले पांच दिनों में द्वीप के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में पानी भर गया जिससे हजारों लोगों को पहाड़ी या निचले इलाकों से निकलने पर मजबूर होना पड़ा। समझा जाता है कि दो दिनों तक कारोबारी गतिविधियां बंद होने से द्वीप की उच्च प्रौद्योगिकी वाली अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण असर पड़ा है जो विदेशी व्यापार पर काफी हद तक निर्भर करती है। काऊशुंग में तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण सड़कें खाली हो गईं, जबकि उत्तर में 350 किलोमीटर (215 मील) दूर स्थित ताइपे में व्यवधान थोड़ा कम हुआ।

कई निवासी बृहस्पतिवार को मोबाइल फोन अलर्ट से जागे, जिसमें उनसे संभावित खतरनाक हवाओं से बचने के लिए सुरक्षित आश्रय लेने का आग्रह किया गया था। मौसम प्रशासन ने काऊशुंग और पिंगतुंग काउंटी के निवासियों को चेतावनी देते हुए एक फेसबुक संदेश पोस्ट किया कि जब तूफान उनके क्षेत्र के ऊपर से गुजरे और मौसम कुछ समय के लिए शांत हो जाए तो भी वे बाहर न जाएं। ताइवान के अग्निशमन विभाग के अनुसार, क्रैथॉन के कारण होने वाली मौसम संबंधी घटनाओं के चलते द्वीप के आसपास कम से कम 123 लोग घायल हो गए तथा दो लोगों की मौत हो गई। इनमें से एक दक्षिण-पूर्वी ताइतुंग काउंटी में सड़क पर गिरे पत्थरों से टकराने के बाद, और दूसरा हुआलियन शहर में पेड़ की शाखाओं की छंटाई करते समय जान गंवा बैठा। दो अन्य व्यक्ति लापता हैं। बृहस्पतिवार की सुबह पिंगतुंग काउंटी के एक अस्पताल में आग लगने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई।

कूटनीतिक फेरबदल के बीच बांग्लादेश ने भारत से अपने राजदूत को वापस बुलाया

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने नई दिल्ली में अपने उच्चायुक्त सहित पांच दूतों को वापस बुला लिया है। इसके साथ ही सरकार ने घरेलू प्रशासन के साथ-साथ राजनयिक सेवा में भी दूसरे चरण का फेरबदल किया है। अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मुख्य सलाहकार के रूप में प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने नवीनतम फेरबदल के तहत भारत, ब्रुसेल्स, कैनबरा, लिस्बन और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के स्थाई मिशन में बांग्लादेश के दूतों को तत्काल वापस लौटने और यहां विदेश मंत्रालय को रिपोर्ट करने को कहा है।

नाम न जाहिर करने की इच्छा व्यक्त करते हुए एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा, राजदूतों को वापस बुलाना सरकार के उस निर्णय का हिस्सा है जिसके तहत भारत में हमारे उच्चायुक्त मुस्तफिजुर रहमान को ढाका में विदेश मंत्रालय में वापस लौटने को कहा गया है। लंदन में बांग्लादेश की उच्चायुक्त सादिया मुना तस्नीम को चार दिन पहले ढाका लौटने को कहा गया था। विदेश सेवा में अगस्त के अंत में एक बड़ा परिवर्तन देखा गया, जो 5 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में हुए व्यापक जन-विद्रोह के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को हटाए जाने के कुछ सप्ताह बाद हुआ। इस विद्रोह के बाद आठ अगस्त को नोबेल पुरस्कार विजेता का अंतरिम प्रशासन स्थापित हो गया।

उस समय ढाका ने अमेरिका, रूस, जर्मनी, जापान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में अपने राजदूतों और मालदीव में अपने उच्चायुक्त को स्वदेश लौटने का आदेश दिया था। इनमें से कई राजदूत पूर्व राजनयिक या सेवानिवृत्त एवं सेवारत प्रशासनिक एवं सैन्य अधिकारी थे, जिन्हें अपदस्थ सरकार द्वारा विदेश में नियुक्त किया गया था।

इस बीच, कार्यभार संभालने के बाद अंतरिम सरकार ने घरेलू प्रशासन में बड़ा बदलाव करते हुए कई वरिष्ठ अधिकारियों या शीर्ष नौकरशाहों की संविदा नियुक्तियों को रद्द कर दिया, जबकि मुख्य कानून प्रवर्तन एजेंसी के प्रमुख सहित कई पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया। उन पर जुलाई और अगस्त के शुरू में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान छात्रों और आम लोगों की हत्या का आरोप लगाया गया था। ए प्रदर्शन सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में बदलाव की मांग को लेकर हुए थे।

गृह मंत्रालय के बर्खास्त वरिष्ठ सचिव जहांगीर आलम और बर्खास्त पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल मामून दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया और छात्र आंदोलन के तहत हुए घातक विरोध प्रदर्शनों के दौरान उनकी गतिविधियों के लिए पूछताछ के वास्ते पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इस आंदोलन में लगभग 1,000 लोगों की जान चली गई थी।

ताइवान के अस्पताल में आग लगने से कम से कम नौ लोगों की मौत

ताइपे (ताइवान)। दक्षिणी ताइवान के एक अस्पताल में बृहस्पतिवार की सुबह आग लगने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। इस द्वीप पर तूफान का कहर जारी है जिससे आम जनजीवन बाधित हो गया है। क्रैथॉन तूफान से बुरी तरह प्रभावित पिंगटंग प्रांत के एक अस्पताल में आग लगी। बताया जाता है कि आग के कारण धुआं फैल गया और दम घुटने से नौ लोगों की जान चली गई। घटना की फिलहाल जांच की जा रही है। अस्पताल से दर्जनों अन्य मरीजों को सुरक्षित निकालकर पास के शरण स्थलों में ले जाया गया।

मरीजों को निकालने और आग बुझाने में चिकित्साकर्मियों तथा दमकल कर्मियों की सहायता के लिए सैनिकों को बुलाया गया। खबर के अनुसार 176 मरीजों को सामने के प्रवेश द्वार पर ले जाया गया और उन्हें मूसलाधार बारिश से बचाने के लिए एंबुलेंस या तिरपाल के माध्यम से पास के आश्रय स्थलों में ले जाया गया। ताइवान के मौसम अधिकारियों के अनुसार, क्रैथॉन ने प्रमुख बंदरगाह शहर काऊशुंग में दस्तक दी और हवा की गति 126 किलोमीटर प्रति घंटा थीं।

पिछले पांच दिनों में तूफान के प्रभाव के कारण हुई बारिश से द्वीप के पूर्वी और दक्षिणी हिस्से जलमग्न हो गए हैं, जिससे पर्वतीय या निचले इलाकों के हजारों लोगों को सुरक्षित स्थान पर शरण लेनी पड़ी। द्वीप के आस-पास के स्कूल और सरकारी दफ्तर दो दिनों से बंद हैं और सभी घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। बाढ़ और तेज हवाओं ने मछुआरों से लेकर रसायन उद्योग तक को काफ़ी नुकसान पहुंचाया है, जबकि परिवहन मार्ग और बिजली आपूर्ति भी ठप पड़ गई हैं। ताइवान ने हाल के वर्षों में धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाकर और भवन नियमों के कार्यान्वयन को बढ़ावा देकर सार्वजनिक सुविधाओं को अग्निरोधक बनाने में काफी प्रगति की है।

अमेरिका-भारत सीईओ फोरम ने द्विपक्षीय व्यापार वाणिज्य को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका-भारत सीईओ मंच ने द्विपक्षीय व्यापार तथा वाणिज्य का विस्तार करने, समावेशी आर्थिक वृद्धि और नवाचार को बढ़ाने के साथ मजबूत साझेदारी को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के इस मंच की सह-अध्यक्षता अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की। मंच का छठा संस्करण बुधवार को अमेरिकी राजधानी में आयोजित किया गया। यह एक ऐसा मंच है जो द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने तथा दोनों देशों के बीच व्यापार व निवेश का विस्तार करने के उद्देश्य से संयुक्त सिफारिशें करने के लिए अमेरिका और भारत के व्यापार जगत के लोगों को एक साथ लाता है।

लॉकहीड मार्टिन के सीईओ एवं अध्यक्ष जेम्स टेसलेट और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन 2023-2024 के लिए निजी क्षेत्र के सह-अध्यक्ष हैं। बैठक के दौरान, रायमोंडो और गोयल ने पिछले दो वर्षों में मंच के सदस्यों द्वारा की गई सिफारिशों और उनकी पहलों की सराहना भी की। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत-अमेरिका सीईओ मंच में दोपहर के भोजन पर अमेरिकी वाणिज्य मंत्री रायमोंडो के साथ एक सार्थक बैठक हुई। हमारी चर्चा रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, एआई (कृत्रिम मेधा) और स्वच्छ ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान व विकास सहयोग की संभावनाओं पर केंद्रित रही।

उन्होंने कहा, हमने आपसी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए भारत के आगामी 20 औद्योगिक शहरों में अमेरिकी निवेश के अवसरों पर भी चर्चा की। बैठक में मंच की उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई। अमेरिका और भारत के बीच समावेशी वृद्धि के लिए नवाचार और निवेश व व्यापार के दोहन हेतु सार्वजनिक रूप से सुलभ नेटवर्क (एनआईएचआईटी) मंच की शुरुआत भी की गई। इस मंच का मकसद अमेरिकी और भारतीय स्टार्टअप तथा छोटे व्यवसायों के बीच ऑनलाइन जानकारी साझा करना और संपर्क को सुविधाजनक बनाना है।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एनआईएचआईटी ने साइबर सुरक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकियों तथा एआई क्षमता निर्माण व कौशल को बढ़ावा देने के लिए अब तक चार कार्यशालाओं का आयोजन किया है। इनमें 1,000 से अधिक स्टार्टअप, छोटे व्यवसायों और उद्यमियों ने हिस्सा लिया। मंच के सदस्य 22 अमेरिकी कंपनियों और 25 भारतीय कंपनियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत को शीर्ष खिलाड़ियों से एकजुट प्रदर्शन की उम्मीद

महिला टी20 विश्वकप

भाषा। दुबई

भारत शुक्रवार को यहां महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के अपने शुरुआती मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा तो सीनियर स्टार खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की दरकार होगी क्योंकि टीम अतीत में बेहद करीब पहुंचकर चूकने की यादों से उबरने के लिए सकारात्मक शुरुआत के लक्ष्य के साथ उतरेगी। संभवत: अपना आखिरी टी20 विश्व कप खेल रही कप्तान हरमनप्रीत कौर कई बार खिताब के करीब पहुंचकर चूकने और निराशाजनक क्षणों की गवाह रही हैं जिसमें टी20 विश्व कप 2020 में मेलबर्न में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार भी शामिल है। अतीत की तरह यह भारतीय टीम भी प्रतिभा से भरपूर है और संभवत: केवल ऑस्ट्रेलिया के पास ही इतनी अच्छी टीम है। लेकिन मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के पास छह टी20 विश्व कप खिताब हैं जबकि भारत को पहले खिताब का इंतजार है। तो वैश्विक आयोजनों में भारत क्यों पिछड़ जाता है? ऐसा लगता है कि यह मुश्किल समय में मानसिक कमजोरी का मामला है और महिला टीम ने एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में तैयारी शिविर के दौरान कुछ काउंसिलिंग सत्रों के साथ इस पर ध्यान देने की कोशिश की। इस तरह के उपाय हालांकि बड़े टूर्नामेंटों में सीमित मदद ही कर पाते हैं क्योंकि यह पूरी तरह से किसी दिन अपनी रणनीतियों को बिना किसी गलती के लागू करने पर निर्भर करता है। न्यूजीलैंड दो बार का उप विजेता है और उनके खिलाफ जीत को रणनीतिक तथा मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में होने का संकेत माना जा सकता है। भारत के लिए जीत के साथ आगाज करना महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और पाकिस्तान भी हैं। भारत को अपने शीर्ष खिलाड़ियों 35 वर्षीय हरमनप्रीत, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा से महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद होगी।

शेफाली और मंधाना शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने जुलाई में श्रीलंका में एशिया कप में अपने पिछले अंतरराष्ट्रीय मैच में रन बनाए लेकिन भारत फाइनल में मेजबान टीम से हार गया था। मंधाना ने पिछली पांच टी20 पारियों में तीन अर्द्धशतक जड़े हैं। लेकिन हरमनप्रीत का प्रदर्शन कुछ निराशाजनक रहा है और उनका लय में होना भारत के शीर्ष और मध्य क्रम के लिए जरूरी है। यह भारत की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भीषण गर्मी के बीच शायद यूएई की पिचों पर रनों की भरमार नहीं हो, विशेषकर टूर्नामेंट के अंत में।हालांकि पिचों के टूटने से भारत के स्पिनरों को मदद मिल सकती है जो टीम का मजबूत पक्ष है। टीम में सिर्फ तीन तेज गेंदबाज रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार और अरुंधति रेड्डी हैं। पूरी संभावना है कि भारत सिर्फ दो तेज गेंदबाजों को खिलाएगा और स्पिनरों पर अधिक निर्भर रहना होगा। भारत के पास स्पिन विभाग में असाधारण विविधता है। आक्रमण की कमान ऑफ स्पिनर दीप्ति और श्रेयंका पाटिल, लेग स्पिनर आशा शोभना और बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव के कंधों पर होगी।न्यूजीलैंड की टीम में भी अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है जिससे टीम का दावा मजबूत है। करिश्माई कप्तान सोफी डिवाइन, अनुभवी ऑलराउंडर सूजी बेट्स और अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहुहू और लेघ कास्पेरेक टीम की रीढ़ हैं। युवा ऑलराउंडर अमेलिया केर भी टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और न्यूजीलैंड की टीम टूर्नामेंट में चौंकाने वाला प्रदर्शन कर सकती है।

भारतीय महिला टीम को सबसे बड़ी चुनौती ऑस्ट्रेलिया से मिलेगी: हरभजन

नई दिल्ली। विश्व कप विजेता भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि महिला टी20 विश्व कप में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। रतीय टीम विश्व कप में अपना पहला मुकाबला शुक्रवार को न्यूजीलैड के खिलाफ खेलेगी। भारत और न्यूजीलैड के अलावा ग्रुप ए मे ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और पाकिस्तान की टीमें है। हरभजन ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ काफी सतर्क रहने की जरूरत है। भारत के ग्रुप मे ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमे है। इस ग्रुप मे मुझे लगता है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया का मैच थोड़ा मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया मजबूत टीम है। ए मैच दुबई में उपमहाद्वीप की पिचो पर खेले जा रहे है जो शायद भारतीय टीम के लिए घरेलू परिस्थितियो जितनी अनुकूल नही होगी। ऑस्ट्रेलिया कही भी खेले उन्हें हराना मुश्किल है। हरभजन का यह आकलन गलत भी नही है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने 32 टी-20 मैचो मे भारत को 23 बार हराया है जबकि भारतीय टीम इस दौरान सात मैच ही जीत सकी है। हरभजन ने कहा कि भारत को श्रीलंका के खिलाफ भी सतर्क रहना होगा। श्रीलंका ने एशिया कप के फाइनल मे भारत को हराकर उलटफेर किया था। इस 44 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा, श्रीलंका ने पिछले टूर्नामिट मे भारत को हराया था। भारत के खिलाफ उनका मनोबल बढ़ा हुआ होगा। ऐसे मे यह भी एक अच्छा मुकाबला होगा। हरभजन ने कहा कि भारतीय टीम के पास आईसीसी टूर्नामेंटो में खिताबी सूखा खत्म करने की पूरी काबिलियत है। उन्होंने कहा, भारतीय टीम इस टूर्नामेंट की मजबूत टीमो में से एक है। उनके पास अनुभव और युवा खिलाड़ियो का मिश्रण है। हरमन (कप्तान हरमनप्रीत कौर) और स्मृति (मंधाना) अच्छी लय मे है और दीप्ति (शर्मा) कमाल की स्पिनर है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे 711 विकेट चटकाने वाले इस स्पिनर ने कहा, भारत बहुत सक्षम टीम है और यह टीम बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रही है। भारत कुल मिलाकर अच्छा क्रिकेट खेलता है, तो मुझे विश्वास है कि वे यह टूर्नामेंट जीतेंगे। हरभजन ने भारतीय टीम को स्वच्छंद होकर खेलने के साथ एक बार मे एक मैच पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा, आपको बिना दबाव लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करना चाहिए। आप एकजुट होकर खेले परिणाम अपने आप आएगा। ज्यादा दूर की सोचे बिना छोटे-छोटे कदम उठाए और एक बार मे एक मैच के बारे में सोचे।

बांग्लादेश ने टी20 विश्वकप के शुरुआती मैच में स्कॉटलैंड को 16 रन से हराया

भाषा। शारजाह

बांग्लादेश ने महिला टी20 विश्व कप में अपने अभियान का आगाज गुरुवार को यहां स्कॉटलैंड पर 16 रन की जीत के साथ किया। टी20 विश्व कप के इस शुरुआती मुकाबले में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 119 रन बनाने के बाद स्कॉटलैंड को सात विकेट पर 103 रन पर रोक दिया। बांग्लादेश के लिए शोभना मोस्तरी ने 38 गेंदों में 36 रन और सलामी बल्लेबाज शाति रानी ने 29 रन बनाए। कप्तान निगार सुल्ताना ने 18 गेंद में 18 रन का योगदान दिया जबकि फाहिमा खातून पांच गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। दाएं हाथ की स्पिनर सास्किया हॉर्ले दो ओवरों में 13 रन पर तीन विकेट लेकर स्कॉटलैंड की सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्हें कैथरीन ब्राइस (23 रन पर एक विकेट), ओलिविया बेल (23 रन पर एक विकेट) और कैथरीन फ्रेजर (23 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की सलामी बल्लेबाज साराह ब्राइस ने एक छोर संभाले रखा और 52 गेंदों में 49 रनों की नाबाद पारी खेली। इस विकेटकीपर बल्लेबाज को हालांकि दूसरे छोर से अच्छा साथ नहीं मिला। साराह के अलावा कप्तान कैथरिन ब्राइस (11) और प्रियानाज चटर्जी (11) की दहाई के आंकड़े में रन बना पाई। बाएं हाथ की मध्यम गति की गेंदबाज रितू मोनी बांग्लादेश की सबसे सफल गेंदबाज रही। मोनी ने चार ओवर में 15 रन देकर दो विकेट लिए। मारुफा अख्तर,मारुफा अख्तर, नाहिदा अख्तर, फाहिमा खातून और राबेया खान को एक-एक सफलता मिली।

विश्वकप जीतकर लगा जैसे नया जीवन मिल गया: रोहित

मुंबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को कहा कि इस साल के शुरू मे टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्हें लगा कि जैसे नया जीवन मिल गया है।भारत को पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल मे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन अमेरिका और वेस्टइंडीज मे इस साल खेले गए टी20 विश्व कप मे उसने दक्षिण अफ्रीका को हराकर आईसीसी ट्रॉफी जीतने के लंबे समय से चले आ रहे इंतजार को खत्म किया था। रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने वनडे विश्व कप में अपने शुरुआती 10 मैच जीते लेकिन अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में वह ऑस्ट्रेलिया की चुनौती से पार नही पा सकी।रोहित ने अहमदनगर मे क्रिकेट अकादमी का उद्घाटन करते हुए वहां बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों से कहा, मै बहुत अच्छी मराठी नही बोलता हूं लेकिन फिर भी प्रयास करूंगा। हमारे लिए विश्व कप जीतना सबसे बड़ा लक्ष्य था। विश्व कप जीतने के बाद मुझे लगा जैसे नया जीवन मिल गया है। उन्होंने कहा, हम यहां अपनी क्रिकेट अकादमी शुरू कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि यह अकादमी यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी तैयार करेगी। भारत की बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला मे शानदार जीत के बाद रोहित और कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियो को टी20 श्रृंखला से विश्राम दिया गया है।

खुशी को कांस्य पदक, आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में भारत में पदकों की संख्या 15 हुई

लीमा (पेरू)। भारत की युवा निशानेबाज खुशी ने यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप की महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस स्पर्धा मे कांस्य पदक जीता। बुधवार को खुशी के इस पदक के साथ प्रतियोगिता मे भारत के कुल पदकों की संख्या 15 हो गई है जिसमे 10 स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। भारत की युवा निशानेबाज ने फाइनल मे 447.3 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। नॉर्वे की सिनोव बर्ग (458.4 अंक) ने स्वर्ण जबकि उनकी हमवतन कैरोलिन लुंड (458.3 अंक) ने रजत पदक जीता। खुशी की पदक जीतने की राह हालांकि आसान नही रही। उन्होने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्वालीफाइंग दौर मे 585 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल मे जगह बनाई। खुशी के अलावा चार और खिलाड़ियो ने 585 अंक जुटाए थे और अंततः भारतीय निशानेबाज के अलावा इटली की अन्ना शियावोन ने फाइनल में प्रवेश किया।

इंटर मियामी ने एमएलएस सपोर्टर्स शील्ड जीती, मेस्सी की 46वीं ट्रॉफी

कोलंबस (ओहियो)। इंटर मियामी ने बुधवार को यहां गत चैंपियन कोलंबस क्रू को 3-2 से हराकर मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) सपोर्टर्स शील्ड जीत ली। लियोनल मेस्सी ने पहले हाफ के अंतिम लम्हो मे दो गोल दागे जबकि गोलकीपर ड्रेक कैलेंडर ने 84वे मिनट मे पेनल्टी किक रोककर टीम की जीत सुनिश्चित की। नियमित सत्र मे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम को सपोर्टर्स शील्ड दी जाती है। मेस्सी की यह 46वी ट्रॉफी है जो उन्होंने अपने क्लब या देश के लिए जीती है। उन्होने पुरुष फुटबॉल के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ी के अपने रिकॉर्ड को और बेहतर किया। बुधवार की जीत के बाद इंटर मियामी के लीग सत्र मे 20 जीत, चार हार और आठ ड्रॉ से 68 अंक रहे। अपने अंतिम दो मैच जीतकर इंटर मियामी की टीम कुल अंको को 74 तक पहुंचा सकती है जो नया रिकॉर्ड होगा।कोलंबस की टीम के 31 मैच मे 57 अंक है और वह अपने तीनो मैच जीतकर भी इंटर मियामी की बराबरी नही कर सकती

बाडोसा ने चीन ओपन में झांग को हराया, बेरेटिनी शंघाई मास्टर्स में जीते

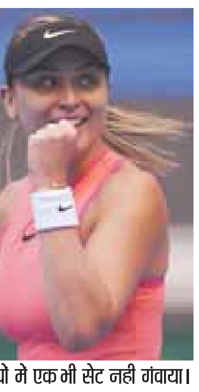

बीजिंग। (एपी) स्पेन की 19वी रैंकिंग वाली खिलाड़ी पाउला बाडोसा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को यहां चल रहे चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्थानीय दावेदार झांग शुआई को 6-1, 7-6 (4) से हराकर सेमीफाइनल मे प्रवेश कर लिया। बाडोसा ने मई से अब तक अपने 35 में से 28 मुकाबले जीते है और वह पिछले पांच टूर्नामेंट मे से तीन के सेमीफाइनल मे पहुंची है। उन्होंने पिछले महीने अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल मे भी जगह बनाई थी। पैंतीस वर्षीय झांग ने इस प्रतियोगिता मे 24 मैचो मे हार के बाद वाइल्ड कार्ड धारक के रूप मे प्रवेश किया था हालांकि उन्होंने इस सप्ताह अपने चार मैचो में एक भी सेट नही गंवाया। झांग के खिलाफ शुरुआती सेट को आसानी से जीतने वाली बाडोसा ने दूसरा सेट मे1-3 से पिछड़ने के बाद वापसी की और क्वार्टरफाइनल के टाईब्रेक में प्रतिद्वंद्वी को शिकस्त दे दी। बाडोसा अब सेमीफाइनल मे अमेरिका की कोको गॉफ और यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेंगी। चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ओसाका के चोट के कारण टूर्नामेंट से हटने के बाद गॉफ क्वार्टर फाइनल मे पहुंची थी। दूसरी ओर शंघाई मास्टर्स टूर्नामेंट मे इटली के माटेओ बेरेटिनी ने पहले दौर मे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी क्रिस्टोफर ओकॉनेल को दो घंटे और 13 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले मे 7-6, (9) 7-6 (6) से पराजित किया। पूर्व विबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी का सामना अगले दौर मे 14वे स्थान पर काबिज होल्गर रूने से होगा। पहले दौर के अन्य मुकाबलो मे मार्कोस गिरोन, डेविड गोफिन, जैम मुनार, झोउ ई, जैकब मेनसिक और मिओमिर केकमैनोविच ने जीत दर्ज की।

कर्स्टन की टिप्पणियों के काररण बाबर ने छोड़ी पाकिस्तान की सीमित ओवर प्रारूप की कप्तानी

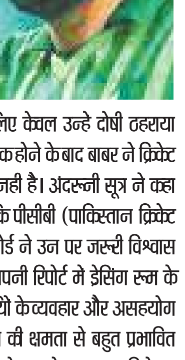

कराची। (भाषा) पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने सीमित ओवरों के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन द्वारा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को सौपी गई रिपोर्ट को लेकर इसके दोनो प्रारूपो मे राष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ दी। क्रिकेट बोर्ड के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक यह स्पष्ट था कि जुलाई मे टी20 विश्व कप के बाद बाबर का कप्तानी को लेकर मोहभंग हो गया था। अमेरिका और वेस्टइंडीज मे खेले गए इस विश्व कप में पाकिस्तान का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। टीम के एक करीबी सूत्र ने कहा, कर्स्टन और यहां तक कि सहायक कोच अजहर महमूद की टिप्पणियो और सिफारिशो से बाबर खुश नही थे और उन्हें लगा कि टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के लिए केवल उन्हे दोषी ठहराया गया है। उन्होने बताया, कर्स्टन की रिपोर्ट के कुछ हिस्सो के सार्वजनिक होने के बाद बाबर ने क्रिकेट बोर्ड को संकेत दिया था कि उन्हें कप्तान बने रहने में कोई दिलचस्पी नही है। अंदरूनी सूत्र ने कहा कि बाबर ने बोर्ड अधिकारियो के इस बात को लेकर निराशा जताई कि पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) ने उनके पिछले प्रदर्शन और परिणामो पर विचार नही किया। बोर्ड ने उन पर जरूरी विश्वास और भरोसा भी नही दिखाया।सूत्रों के मुताबिक कर्स्टन ने बोर्ड को अपनी रिपोर्ट में ड्रेसिंग रूम के माहौल के साथ-साथ इंग्लैड और टी20 कप विश्व कप मे कुछ खिलाड़ियो के व्यवहार और असहयोग पर भी चर्चा की थी।कर्स्टन कप्तान के तौर पर बाबर के दबाव झेलने की क्षमता से बहुत प्रभावित नही है। उनके मुताबिक पिछले साल से मानसिक तनाव और आलोचना के बाद एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप मे टीम मे उनकी भूमिका अधिक महत्वपूर्ण है।पीसीबी सफेद गेद प्रारूप मे कप्तान के नाम की घोषणा करने की जल्दी मे नही है। उसने चयनकर्ता असद शफीक और चयन समिति के कुछ सदस्यों से गहन विचार विमर्श करने के बाद नाम की सिफारिश करने को कहा है।

अगर भारत को अच्छा प्रदर्शन करना है तो आयु वर्ग के खेल में बहुत सुधार करना होगा

नई दिल्ली। (भाषा) भारत के दिग्गज फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने गुरुवार को कहा कि अगर सीनियर राष्ट्रीय टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव छोड़ना है तो आयु वर्ग स्तर के खेल में बहुत अधिक सुधार करना होगा। भारत की तरफ से 100 से अधिक मैच खेलने वाले और 42 अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले भूटिया ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ), राज्य संघों, आई-लीग और आईएसएल क्लबों से अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू करने के लिए भी कहा। भूटिया ने अपनी अकादमी, बाईचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल (बीबीएफएस) और प्रीमियर लीग टीम साउथेम्प्टन फुटबॉल क्लब के बीच साझेदारी की घोषणा करते हुए कहा, भारत की (सीनियर) राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो मेरा मानना है कि हमारी अंडर17, अंडर19 और अंडर20 टीमों को योग्यता के आधार पर एशिया कप और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना शुरू करना होगा। उन्होंने कहा, जब तक ऐसा नहीं होता है हमारी राष्ट्रीय टीम के लिए अच्छे परिणाम देना लगभग असंभव है। आयु वर्ग वह जगह है जहां हम अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का सपना देखना शुरू कर सकते हैं।

आईओए अध्यक्ष उषा ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर बैठक बुलाई

नई दिल्ली।(भाषा) विवादों में घिरी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर की नियुक्ति, कोषाध्यक्ष सहदेव यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतों और कार्यकारी परिषद (ईसी) के कुछ सदस्यों की पद पर बने रहने की अयोग्यता जैसे विवादास्पद मुद्दों के समाधान के लिए 25 अक्टूबर को संस्था की विशेष आम बैठक (एसजीएम) बुलाई है।

इन सभी मुद्दों पर उषा का ईसी के अधिकांश सदस्यों के साथ टकराव रहा है। अय्यर की नियुक्ति इसमें सबसे चर्चित मुद्दा है क्योंकि उनके वेतन पैकेज और इस पद के लिए उपयुक्तता को लेकर ईसी सदस्यों ने उनका पुरजोर विरोध किया है। इस पूर्व महान धाविका ने आईओए के पदाधिकारियों और अन्य हितधारकों को भेजे ईमेल में लिखा, ए सभी मुद्दे असाधारण और तात्कालिक हैं। इसे सुलझाने और प्रभावी निर्णय लेने के लिए सदन की भागीदारी की आवश्यकता है। मैं इस संबंध में 25 अक्टूबर 2024 को सुबह 11 बजे आईओए भवन आईओए की एक विशेष आम बैठक बुला रही हूं। उन्होंने कहा, आईओए संविधान की अनुच्छेद 8.3 के मुताबिक इस बैठक का आयोजन हाइब्रिड प्रारूप में होगा। जो पदाधिकारी इस बैठक के लिए शारीरिक तौर पर मौजूद नहीं हो सकेंगे वे वेबक्स की मदद से इससे जुड़ सकते हैं। इसका ऑनलाइन लिंक आईओए की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। इस बैठक का आह्वान तब किया गया है जब 26 सितंबर को उषा का कार्यकारी परिषद के साथ एक बार फिर सीईओ को लेकर टकराव हुआ था। ईसी के अधिकांश सदस्यों ने सीईओ के रूप में अय्यर की नियुक्ति पर अपना विरोध दोहराया था। सीईओ की नियुक्ति को अभी ईसी की मंजूरी नहीं मिली है। एसजीएम के एजेंडे के अनुसार, उनकी नियुक्ति पर मतदान किया जाएगा।

मुंबई का 537 रन का विशाल स्कोर, ईश्वरन के शतक से शेष भारत के चार विकेट पर 286 रन

लखनऊ। (भाषा) फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने लगातार तीसरा शतक जड़कर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जिससे शेष भारत ने बृहस्पतिवार को यहां ईरानी कप में मुंबई के 537 रन के विशाल स्कोर के जवाब में स्टंप तक चार विकेट पर 286 रन बना लिए। इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मैच के तीसरे दिन ईश्वरन ने 212 गेंद में नाबाद 151 रन बना लिए हैं जिसमें 12 चौके और एक छक्का शामिल है। ईश्वरन के ईरानी कप में दूसरे शतक की बदौलत चार विकेट पर 289 बना चुकी शेष भारत अभी 248 रन से पिछड़ रही है। बंगाल के 29 साल के क्रिकेटर ने मोहित अवस्थी की गेंद पर चौका जड़कर 117 गेंद में अपना शतक पूरा किया। आस्ट्रेलिया के आगामी लंबे दौरे के लिए भारत के रिजर्व टेस्ट सलामी

बल्लेबाज के तौर पर तीन खिलाड़ियों की दौड़ में ईश्वरन के साथ शेष भारत के साथी रुतुराज गायकवाड़ और साई सुदर्शन शामिल हैं यह ईश्वरन का इस सत्र में लगातार तीसरा प्रथम श्रेणी शतक है और यह ऐसे समय पर आया जब उनकी टीम को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी क्योंकि टीम के कप्तान गायकवाड़ (09) सस्ते में पवेलियन लौट चुके थे। वहीं सुदर्शन अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा सके और 79 गेंद में नौ चौकों की मदद से 32 रन बनाकर आउट हो गए। देवदत्त पडीक्कल (16 रन) भी उपयोगी योगदान नहीं कर सके और मोहित अवस्थी की गेंद पर आउट हुए।

ईशान किशन भी चयनकर्ताओं को प्रभावित करने का शानदार मौका चूक गए। उन्होंने 60 गेंद में 38 रन बनाए और अवस्थी का शिकार हुए जिससे टीम का स्कोर चार विकेट पर 228 रन हो गया। ईश्वरन ने तीन उपयोगी साझेदारियां कीं, उन्होंने सुदर्शन के साथ दूसरे विकेट के लिए 87 रन, किशन के साथ चौथे विकेट के लिए 70 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के साथ पांचवें विकेट के लिए 61 रन की भागीदारी निभाई। जुरेल स्टंप तक 41 गेंद में 30 रन बनाकर खेल रहे थे। पिछले महीने दलीप ट्रॉफी में भारत बी की अगुआई करने वाले ईश्वरन दो शतक जड़कर 309 रन बनाकर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे थे। यह ईश्वरन का सत्र का चौथा शतक है जिसमें पिछले साल फरवरी में रणजी ट्रॉफी में बिहार के खिलाफ दोहरा शतक भी शामिल है।

पुणे की खिलाड़ी साद और श्रुति बैडमिंटन चैम्पियनशिप के क्वार्टरफाइनल में

मुंबई, तीन अक्टूबर (भाषा) पुणे की शीर्ष वरीय साद धर्माधिकारी ने श्री नंदू नाटेकर मेमोरियल महाराष्ट्र राज्य सीनियर इंटर जिला (टीम) और राज्य बैडमिंटन चैम्पियनशिप मे कोल्हापुर की प्रेरणा अल्वेकर की कड़ी चुनौती समाप्त कर महिला एकल क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। पुरुष एकल के राउंड 32 मैच मे पुणे के शीर्ष वरीय वरुण कपूर ने रोहित बोराडे को 21-8, 21-17 से जबकि दूसरे वरीय यश शाह ने शुभम पाल को 21-17, 21-7 से हराकर प्री क्वार्टरफाइनल मे जगह बनाई। साद धर्माधिकारी ने प्रेरणा को 18-21, 21-12, 21-12 से हराकर अंतिम आठ में स्थान पक्का किया। दूसरी वरीय श्रुति मुंडाडा को रायगड़ की रक्षा कंदासैमी से वॉकओवर मिला। ठाणे की सिया सिंह ने नागपुर की नेहाल गोसावी पर 19-21, 21-17, 21-10 की जीत से क्वार्टरफाइनल मे जगह बनाई।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना की टीम में मेस्सी की वापसी हुई

ब्यूनस आयर्स। स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेस्सी की वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ होने वाले दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाइंग मैचो के लिए अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम मे वापसी हुई है। सैतीस वर्षीय मेस्सी टखने की चोट के कारण हाल ही में हुए मुकाबलों से बाहर रहे थे। अर्जेंटीना के कोच लियोनल स्कालोनी ने 10 अक्टूबर को वेनेजुएला और उसके पांच दिन बाद ब्यूनस आयर्स मे बोलीविया से होने वाले मैचों के लिए बुधवार को टीम की घोषणा की। कोलंबिया के खिलाफ कोपा अमेरिका फाइनल मे चोटिल होने के बाद मेस्सी पिछले दो दौर के मुकाबले नही खेल पाए थे। अर्जेंटीना 18 अंको के साथ दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग मे सबसे आगे है। उसके बाद कोलंबिया के 16 और उरुग्वे के 15 अंक है। यहां से शीर्ष छह टीमे 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम एक स्थान के लिए अंतरराष्ट्रीय प्लेऑफ खेलेगी।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले एकदिवसीय में आयरलैंड को 139 रन से हराया

अबु धाबी। मार्क एडेयर ने आयरलैड के लिए चार विकेट चटकाए लेकिन इसके बावजूद टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच मे बुधवार को यहां 139 रन से हार का समना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (91 रन, 102 गेंद, तीन छक्के, सात चौके) और ट्रस्टिन स्टब्स (79) के अर्धशतक से नौ विकेट पर 271 रन का स्कोर खड़ा किया। रिकेल्टन और स्टब्स ने चौथे विकेट के लिए 152 रन की साझेदारी की और दक्षिण अफ्रीका को शुरुआती झटको से उबारा। इसके बाद लिजाड विलियम्स (32 रन पर चार विकेट) ने आयरलैड के शीर्ष क्रम को ध्वस्त किया और आठ ओवर के शुरुआती स्पैल में तीन विकेट चटकाए। आयरलैड ने शुरुआती 15 ओवर में ही पांच विकेट गंवा दिए। विलियम्स के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के अलावा लुंगी एनगिडी और ब्योर्न फोर्टुइन ने भी दो-दो विकेट हासिल किए जिससे आयरलैड की टीम 31.5 ओवर में 132 रन पर आउट हो गई।आयरलैड के लिए जॉर्ज डॉकरेल 32 गेंद में 21 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे।इससे पहले एडेयर ने 10 ओवर में 50 रन देकर चार विकेट चटकाए। रविवार को भी इस तेज गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर चार विकेट चटकाए थे जिससे आयरलैड ने टी20 श्रृंखला के दूसरे मैच मे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस प्रारूप मे अपनी पहली जीत हासिल की। I20 मैचों की तरह एकदिवसीय श्रृंखला भी अबु धाबी मे हो रही है।

चैंपियन्स लीग में लिली से हारा रीयाल मैड्रिड

मैड्रिड। काइलियान एमबापे स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे लेकिन गत चैंपियन रियाल मैड्रिड को बुधवार को यहां चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट मे लिली के खिलाफ 0-1 की हार से नही बचा पाए। पैर की मांसपेशियों मे मामूली चोट के बाद एमबापे को स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतारा गया। लिली के लिए मैच का एकमात्र गोल कनाडा स्ट्राइकर जोनाथन डेविड ने पहले हाफ के इंजरी टाइम मे पेनल्टी पर दागा। वीडियो समीक्षा मे पाया गया कि मिडफील्डर एडवर्डो कैमाविगा का हाथ गेंद पर लगा था जिसके बाद लिली को पेनल्टी मिली। पिछले सप्ताहांत हैट्रिक बनाने वाले डेविड ने इसके बाद गोलकीपर एंड्री लुनिन को छकाते हुए गोल किया। एमबापे रीयाल मैड्रिड के लिए 57वें मिनट मे मैदान पर आए लेकिन टीम को हार से नही बचा पाए। लीवरपूल ने मिडफील्डर एलेक्सिस मैक एलिस्टर और दिग्गज फारवर्ड मोहम्मद सालाह के गोल से बोलोग्ना को 2-0 से हराया। इस बीच स्थानापन्न खिलाड़ी जॉन डुरान ने अंतिम लम्हो में गोल करके एस्टन विला को बायर्न म्यूनिख पर1-0 से जीत दिलाई। यूवेंटस ने लेपजिग को 3-2 से हराया जबकि बेनेफिका ने एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से रौंदा। इटली की टीम अटलांटा ने यूक्रेन के शाख्तर पर 3-0 से जीत दर्ज की जबकि नीदरलैंड के क्लब फेएनोर्ड ने गिरोना पर 3-2 से जीत हासिल की।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।